



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 7] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 18—फरवरी 24, 2017 (माघ 29, 1938)

No. 7] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 18—FEBRUARY 24, 2017 (MAGHA 29, 1938)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

पृष्ठ सं.	विषय	पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.....	149	छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं..... *
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	143	भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)..... *
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	1	भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश..... *
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.....	203	भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं..... 225
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.....	*	भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस..... *
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.....	*	भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं..... *
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.....	*	भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं..... 11
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).....	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस..... 183
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को		भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूर्ण..... *

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.		Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	149	by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	143	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence.....	1	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	203	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	225
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	11
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	183
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and		PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I— खण्ड 1**[PART I—SECTION 1]**

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

(खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 20 जनवरी 2017

संशोधन

सं. ई-11015/4/2014-हिन्दी—उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति के पुनर्गठन के संबंध में इस विभाग के दिनांक 05 फरवरी, 2014 के समसंख्यक संकल्प में राज्य सभा के सदस्य शीर्ष की क्रम संख्या 5 में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है:

के स्थान पर

श्री वी. पी. सिंह बदनौर, संसद सदस्य (राज्य सभा)

पढ़ा जाए

श्री शिव प्रताप शुक्ल, संसद सदस्य (राज्य सभा)

धीरेन्द्र कुमार
उप सचिव

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 2017

सं. 8-217/2004-पीपी। (भाग)—भारत सरकार, कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग में समय समय पर यथासंशोधित दिनांक 26.11.1993 की अधिसूचना सं. 8-97/91-पीपी। में आंशिक संशोधनों को करते हुए सामान्य सूचना हेतु एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि अन्य देशों को निर्यात करने के उद्देश्य से पादपों एवं पादप सामग्रियों के संबंध में निरीक्षण करने, धूमन करने या असंक्रमित करने तथा पादप स्वच्छता प्रमाणपत्र जिन्हें इन प्रमाणपत्रों की आवश्यकता है, देने के लिए प्राधिकृत अधिकारियों के पद का उल्लेख करते हुए संबंधित शीर्षों के तहत जोड़ने या प्रतिस्थापन के माध्यम से निम्नलिखित प्रविष्टियां शामिल की जाएंगी:

- I. केंद्र सरकार
- (ii) प्रभारी अधिकारी
पादप संगरोध केंद्र
पारादीप (ओडिशा)
(कोड सं. 'ग' (पीपीक्यूएस) 1 (51))
- (iii) प्रभारी अधिकारी
पादप संगरोध केंद्र
गोपालपुर (ओडिशा)
(कोड सं. 'ग' (पीपीक्यूएस) 1 (52))

- (liii) प्रभारी अधिकारी
पादप संगरोध केंद्र
आईसीडी सांनंद, अहमदाबाद (गुजरात)
(कोड सं. 'ग' (पीपीक्यूएस) 1 (53)
- (liv) प्रभारी अधिकारी
पादप संगरोध केंद्र
पुदुचेरी
(कोड सं. 'ग' (पीपीक्यूएस) 1 (54)
- (lv) प्रभारी अधिकारी
पादप संगरोध केंद्र
हैदराबाद (तेलंगाना)
(कोड सं. 'ग' (पीपीक्यूएस) 1 (55)
- (lvi) प्रभारी अधिकारी
पादप संगरोध केंद्र
कुड्डालौर (तमिलनाडु)
(कोड सं. 'ग' (पीपीक्यूएस) 1 (56)
- (lvii) प्रभारी अधिकारी
पादप संगरोध केंद्र
बाघडौंगरा एयरपोर्ट (पं. बंगाल)
(कोड सं. 'ग' (पीपीक्यूएस) 1 (57)
- (lviii) प्रभारी अधिकारी
पादप संगरोध केंद्र
केंद्रीय समेकित कीट प्रबंधन केंद्र
नासिक (महाराष्ट्र)
(कोड सं. 'ग' (पीपीक्यूएस) 1 (58)

उपर्युक्त अधिसूचना में संबंधित शीर्ष के तहत वर्तमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित करेंगी:

- (xxi) प्रभारी अधिकारी
पादप संगरोध केंद्र
मडगांव (गोआ)
(कोड सं. 'ग' (पीपीक्यूएस) 1 (23)
- (xxii) प्रभारी अधिकारी
पादप संगरोध केंद्र
लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
(कोड सं. 'ग' (पीपीक्यूएस) 1 (24)

अश्विनी कुमार
संयुक्त सचिव

नोट: मूल अधिसूचना को कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा दिनांक 26.11.1993 के 8-97/91पीपी-। के तहत जारी की गई थी तथा बाद में इसे दिनांक 25.11.97 की अधिसूचना संख्या 8-97/91-पीपी.।, दिनांक 30.09.1999 की अधिसूचना संख्या 8-70/2000-पीपी.।, दिनांक 06.11.2001 की अधिसूचना संख्या 8-86/2000-पीपी.।, दिनांक 06.05.2002 की अधिसूचना संख्या 8-86/2000 पीपी.।, दिनांक 30.05.2002 की अधिसूचना संख्या 8-86/2000-पीपी.।, दिनांक 7.06.2004 की अधिसूचना संख्या 8-33/2003 पीपी.।, दिनांक 11.05.05 की अधिसूचना संख्या 8-217/2004-पीपी.।(पार्ट), दिनांक 20.06.2005 की अधिसूचना संख्या 8-217/2004-पीपी.।(पार्ट), दिनांक 8.12.2005 की अधिसूचना संख्या 8-217/2004-पीपी.।(पार्ट), दिनांक 09.01.2006 की

अधिसूचना संख्या 8-217/2004-पीपी.1(पार्ट), दिनांक 26.12.2011 की अधिसूचना संख्या 8-217/2004-पीपी.1(पार्ट), दिनांक 30 जनवरी, 2013 की अधिसूचना संख्या 8-217/2004-पीपी.1(पार्ट), दिनांक 06.07.2015 की अधिसूचना संख्या 8-217/2004-पीपी.1, (पार्ट) और दिनांक 21 जून, 2016 की अधिसूचना संख्या 8-217/2004-पीपी.1, (पार्ट) के तहत संशोधित किया गया।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
नई दिल्ली, दिनांक 28 दिसम्बर 2016

संकल्प

सं. ई-11015/2/2016—हिंदी—संसदीय कार्य मंत्रालय के दिनांक 14.12.2016 के कार्यालय ज्ञापन सं. फा. 2-40(1)2000—समिति के अनुसरण में श्री श्वेत मलिक, संसद सदस्य (राज्य सभा) का नाम युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति में शामिल किए जाने के परिणामस्वरूप भारत सरकार एतद्वारा श्री विजय गोयल, युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के स्थान पर श्री श्वेत मलिक, संसद सदस्य (राज्य सभा) को मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति में सदस्य के रूप में नामित करती है।

2. दिनांक 02.07.2015 के समसंख्यक पूर्वतर्फी संकल्प में मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति से संबंधित सभी उल्लिखित निबंधन और शर्तें पूर्ववत् रहेंगी।

ललित कुमार गुप्ता
संयुक्त सचिव

पोत परिवहन मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 2017

आदेश

सं. एस.आर.-19021/2/2014-एँम.जी. (एस.बी.आर.) खण्ड (iii)—इस्पात मंत्रालय के दिनांक 7 मार्च, 2013 के आदेश द्वारा प्रकाशित पोत भंजन संहिता, 2013 के अनुच्छेद 8.4.1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार में पोत परिवहन मंत्रालय एतद्वारा इस आदेश की अनुसूची में दिए गए ब्योरे के अनुसार पोत भंजन और पोत पुनर्चक्रण हेतु पोत भंजन संहिता (संशोधित), 2013 बनाती है।

ज्योति कुमार बुबाना
उप सचिव

अनुलग्नक

पोत भंजन संहिता (संशोधित), 2013

अध्याय I

- 1.1 संक्षिप्त नाम और आरंभ: इसे पोत भंजन संहिता (संशोधित), 2013 कहा जा सकेगा।
- 1.2 यह संहिता शासकीय राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से लागू होगी और तब तक प्रवृत्त होगी जब तक संहिता के अनुसरण में संबंधित कानूनों में संशोधन नहीं किया जाता।
- 1.3 परिभाषाएं :-
इस संहिता में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो
 - (a) "प्रशासन" से उस देश की सरकार अभिप्रेत है, जिसके ध्वज के अधीन पोत संचालित है, या जिसके प्राधिकरण के अंतर्गत वह प्रचालित है।
 - (b) "एईआरबी" से परमाणु ऊर्जा आयोग के अंतर्गत परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड अभिप्रेत है।
 - (c) "प्राधिकृत पोत पुनश्चक्रण यार्ड" से क्षेत्र में विकसित कोई ऐसा या ऐसे पोत पुनश्चक्रण भूखंड अभिप्रेत हैं, जो पोत के सुरक्षित एवं पर्यावरण की दृष्टि से प्रभावी पुनश्चक्रण हेतु एसएमबी या पत्तन न्यास/प्राधिकरण द्वारा आबंटित हुए हैं और जिसके लिए पोत पुनश्चक्रण के उद्देश्य से संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा 'प्राधिकार पत्र' जारी किया गया है।
 - (d) "खतरनाक सामग्री के भंडारण का प्रमाणपत्र" से प्रशासन द्वारा जारी किया जानेवाला कोई प्रमाणपत्र या प्रशासन द्वारा ऐसा प्रमाणपत्र

- जारी न किए जाने पर, पोत के मास्टर या पोतस्वामी द्वारा जारी किया जानेवाला वह प्रमाणपत्र अभिप्रेत है, जो अनुलग्नक 1 में निर्धारित प्रारूप में पोत पर खतरनाक सामग्री का ब्यौरा देता है।
- (e) "डीजी फसली" से कारखाना सलाह सेवा एवं श्रम संस्थान महानिदेशालय अभिप्रेत है, जो श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार का एक तकनीकी स्कंध है।
- (f) "डीजी शिपिंग" से नौवहन महानिदेशालय अभिप्रेत है, जो समय-समय पर संशोधित किए जाने योग्य वाणिज्यिक नौवहन अधिनियम (1958 का 44), 1958 के उपबंधों के अंतर्गत गठित प्राधिकरण है।
- (g) "नियोक्ता" से वह प्राकृतिक या विधिक व्यक्ति अभिप्रेत है जो पोत पुनश्चक्रण में कार्यरत एक या अधिक कर्मों नियोजित करता है।
- (h) "कारखाना निरीक्षक" से वह निरीक्षक अभिप्रेत है, जिसे कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 8 की उपधारा (1) के अंतर्गत नियुक्त किया गया हो।
- (i) "खतरनाक सामग्री" से वह पदार्थ या सामग्री अभिप्रेत है जो इसके रासायनिक या भौतिक-रासायनिक गुणधर्मों या प्रहस्तन के कारण मनुष्यों, अन्य जीवों, पौधों, सूक्ष्मजीवों, संपत्ति या पर्यावरण को क्षति पहुंचा सकती हो।
- (j) "पोत पुनश्चक्रण भूखंड/यार्ड/सुविधा का स्वामी" से वह व्यक्ति या निकाय अभिप्रेत है जिसे पोत पुनश्चक्रण भूखंड/यार्ड के उपयोग हेतु राज्य समुद्रीय बोर्ड (एसएमबी) या पत्तन न्यास से अनुमति प्राप्त हो/प्राधिकृत किया गया हो।
- (k) "पत्तन प्राधिकारी" वह पत्तन अधिकारी या अन्य कोई व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे राज्य समुद्रीय बोर्ड (एसएमबी) द्वारा नियुक्त एवं प्राधिकृत किया गया हो या जिसे पत्तन प्राधिकारी के रूप में काम करने के लिए प्रमुख पत्तन न्यास अधिनियम, 1963 के अंतर्गत नियुक्त किया गया हो।
- (l) "विकिरणवैज्ञानिक संरक्षा अधिकारी (आरएसओ)" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे एसएमबी/राज्य सरकार द्वारा नामित तथा परमाणु ऊर्जा (विकिरण संरक्षण) नियमावली, 2004 के अनुसार आईआरबी द्वारा अनुमोदित किया गया हो।
- (m) "पुनश्चक्रण प्रमाणपत्र हेतु तैयार" से वह समुद्रीय प्रशासन या उसके द्वारा प्राधिकृत संगठन अभिप्रेत है, जो यह प्रमाणित करता हो कि पोत मौजूदा संहिता एवं लागू अंतर्राष्ट्रीय विनियमों का पालन करता है।
- (n) "संरक्षा अधिकारी" से वह अधिकारी अभिप्रेत है जिसे कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 40ख के अनुसार खतरनाक प्रक्रियाओं में संरक्षा सुनिश्चित करने हेतु नियुक्त किया गया हो।
- (o) यह संहिता में प्रयुक्त "पोत" से जलपोत या किसी भी प्रकार का तैरता ढांचा अभिप्रेत है जो समुद्री पर्यावरण में प्रचालित हो या किया गया हो और इनमें पनडुब्बियां, तैरते यान, तैरते मचान, स्व-उद्वाहित मचान, तैरती भंडारण इकाइयां (एफएसयू), तैरती उत्पादन भंडारण इकाइयां एवं दुलाई इकाइयां (एफपीएसओ), उपकरणों से सज्जित या खींचा जानेवाला जलयान शामिल हैं।
- (p) इस संहिता के प्रयोजन से "पोतस्वामी" वह व्यक्ति या व्यक्ति-समूह या कंपनी अभिप्रेत है जिसे पोत के स्वामी के रूप में पंजीकृत किया गया हो और, यदि वह पोत किसी राज्य के स्वामित्व में हो एवं उस राज्य में पोत प्रचालक के रूप में पंजीकृत किसी कंपनी द्वारा प्रचालित हो, तो स्वामी से वह कंपनी अभिप्रेत होगा।
- (q) "पोत पुनश्चक्रणकर्ता" वह व्यक्ति है जो पुनश्चक्रण गतिविधियां हेतु कोई पोत खरीदता है।
- (r) "पोत पुनश्चक्रण गतिविधियां" से वे सभी गतिविधियां अभिप्रेत हैं जिनमें पोत का तट-स्थापना, काटना, तोड़ना और अलग-थलग करना, उसके पुर्जों एवं सामग्री का पुनर्संस्करण, लघुकरण एवं पुनरोपयोग के अलावा, पुर्जों एवं सामग्री के भंडारण, संसाधन एवं निपटान जैसे संबद्ध प्रचालन शामिल हैं।
- (s) "पोत पुनश्चक्रण भूखंड या यार्ड": एसएमबी या पत्तन न्यास द्वारा आबंटित, और प्रचलित खतरनाक अपशेष प्रबंधन नियमों के अंतर्गत एसपीसीबी द्वारा विधिवत् प्राधिकृत एक उपयुक्त आकार-प्रकार का निर्धारित भूखंड, जहां पोत पुनश्चक्रण कार्यकलाप किए जाते हैं।
- (t) "एसएमबी" से राज्य समुद्रीय बोर्ड अभिप्रेत है जिसे भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 के अंतर्गत निर्दिष्ट भूमिका एवं कार्य के अनुसार शासकीय राजपत्रों के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा गठित किया गया हो।
- (u) "एसपीसीबी" से राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल अभिप्रेत है और यह जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 (1974 का 6) की धारा 4 की उपधारा (1) के अंतर्गत गठित मंडल या समिति है।

- (v) "एसआरपी" से पोत पुनश्चक्रण योजना अभिप्रेत है। किसी पोत के सुरक्षित एवं पर्यावरण की दृष्टि से प्रभावी पुनश्चक्रण हेतु पोत पुनश्चक्रणकर्ता द्वारा विकसित यह एक योजना दस्तावेज है।
- (w) "एसआरएफएमपी" से पोत पुनश्चक्रण सुविधा प्रबंधन योजना अभिप्रेत है, जिसमें अनुमोदित रूपरेखा के अनुसार पोत पुनश्चक्रण हेतु भूखंड शामिल है, जो संहिता में निर्धारित तथा समय-समय पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्दिष्ट विभिन्न सुविधाओं से सज्जित हो।
- (x) "पर्यवेक्षक" से वह संरक्षा पर्यवेक्षण अभिप्रेत है जिसे कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 41-ग(ख) के अनुसार खतरनाक प्रक्रियाओं संरक्षा उपबंधों के पर्यवेक्षण हेतु नियुक्त किया गया हो।
- (y) "टैंकर" से वाणिज्यिक नौवहन अधिनियम, 1958 द्वारा यथापरिभाषित तेल टैंकर अभिप्रेत है।
- (z) "कर्मि" से कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 2 की उपधारा (1) के अंतर्गत कर्मि अभिप्रेत है।

अध्याय II

पोत की किस्में और विशेष ध्यान देने योग्य पोत

- 2.1 पोतों का वर्गीकरण:- निम्नलिखित पोतों को "विशेष ध्यान देने योग्य पोत" माना जाएगा:-
- युद्धपोत,
 - परमाणु विद्युतचालित पोत,
 - नौसेना पोत,
 - 20,000 या अधिक हल्के विस्थापन टनभार (एलडीटी) वाले यात्री या यात्री एवं रोल-ऑन/रोल-ऑफ (रोरो) पोत,
 - पेट्रोलियम, तेल एवं रसायन वाहक टैंकर,
 - अपतटीय उत्पादन हेतु तैरते मचान (एफपीएसओ),
 - 8 मीटर से अधिक औसत डुबाव वाले तथा तट आधार रेखा से 1.5 किलोमीटर या उससे अधिक तट-स्थापना अपेक्षा वाले पोत तथा
 - अंतर्राष्ट्रीय समुद्रीय खतरनाक माल (आईएमडीजी) वाहक पोत।
- विशेष ध्यान वाले पोतों को छोड़कर अन्य सभी पोतों को सामान्य ध्यान वाले पोत माना जाएगा।
- 2.2 विशेष ध्यान वाले पोतों के संबंध में ध्यान देने की प्रकृति तथा इस तरह की श्रेणियों के पोतों के प्रहस्तन में अनिवार्य आधार-संरचना एवं आवश्यक पूर्व-सावधानियां नीचे तालिका में दी गई हैं।

क्र. सं.:	श्रेणी	ध्यान देने की प्रकृति	अनिवार्य आधार-संरचना एवं आवश्यक पूर्व-सावधानियां
1.	युद्धपोत	पीसीबी, एसीएम एवं रेडियोधर्मी सामग्री की बड़ी मात्राएं	-विकिरणकारी एवं अन्य खतरनाक सामग्रियों की ज्ञात मात्राओं के प्रहस्तन हेतु यार्ड में पर्याप्त आधार-संरचना, जिनमें आसपास अनुमोदित आधार-संरचना एवं निपटान सुविधाएं, पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित कर्मचारी शामिल हैं। -ईआरबी, सीमा-शुल्क विभाग, नौसेना, राज्य समुद्रीय मंडल (एसएमबी)/पत्तन प्राधिकारी और संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (एसपीसीबी) द्वारा निरीक्षण एवं कड़ी निगरानी। राज्य समुद्रीय मंडल (एसएमबी)/पत्तन प्राधिकारी सूचना देने, निरीक्षण एवं निगरानी का समन्वय करेगा।
2.	बड़े यात्री पोत (20,000 या अधिक एलडीटी वाले या 8 मीटर से अधिक औसत डुबाव वाले)	पीसीबी एवं एसीएम की बड़ी मात्राएं	किसी विकिरणकारी सामग्री हेतु ईआरबी द्वारा प्रत्यक्षतः या आरएसओ के जरिए निरीक्षण एवं कड़ी निगरानी। ज्ञात मात्राओं के प्रहस्तन हेतु यार्ड में पर्याप्त आधार-संरचना, जिनमें आसपास अनुमोदित आधार-संरचना एवं निपटान सुविधाएं, पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित कर्मचारी शामिल हैं। सीमा-शुल्क विभाग, एसपीसीबी एवं संबंधित एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी द्वारा निरीक्षण एवं कड़ी निगरानी।

क्र. सं:	श्रेणी	ध्यान देने की प्रकृति	अनिवार्य आधार-संरचना एवं आवश्यक पूर्व-सावधानियां
3.	परमाणु विद्युतचालित पोत एवं नौसेना पोत	अवशिष्ट विकिरण स्तर	अवशिष्ट विकिरण स्तर की एईआरबी द्वारा निगरानी और यदि यह स्तर अनुमत सीमाओं से अधिक पाया जाए तो संदूषण-मुक्ति हेतु उपाय सुझाना। पिछली यात्रा से पहले और सामग्री पुनश्चक्रण हेतु भेजने से पहले पोतस्वामी द्वारा परमाणु इकाइयां, सामग्रियां और सभी विकिरणकारी अपशेष हटाना। एईआरबी, सीमा-शुल्क विभाग, नौसेना, राज्य समुद्रीय मंडल (एसएमबी)/पत्तन प्राधिकारी और संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (एसपीसीबी) द्वारा निरीक्षण एवं कड़ी निगरानी।
4.	8 मीटर से अधिक औसत डुबाव वाले तथा तट आधार रेखा से 1.5 किलोमीटर या उससे अधिक तट-स्थापना अपेक्षा वाले पोत	तट-स्थापना के दौरान या भूखंडों तक खींचने में कठिनाता के दौरान तट से दूरी	समुद्र में बिखराव से बचने हेतु खतरनाक सामग्रियों या खतरनाक पदार्थों वाली सामग्री के स्थानांतरण में अपेक्षित अतिरिक्त पूर्व-सावधानियां। सीमा-शुल्क विभाग/राज्य समुद्रीय मंडल (एसएमबी)/ पत्तन प्राधिकारी और संबंधित एसपीसीबी द्वारा निरीक्षण एवं कड़ी निगरानी।
5.	अंतर्राष्ट्रीय समुद्रीय खतरनाक माल	कार्गो टैंकों में खतरनाक अवशिष्ट	ज्ञात मात्राओं के प्रहस्तन हेतु यार्ड में पर्याप्त आधार-संरचना, जिनमें आसपास अनुमोदित आधार-संरचना एवं निपटान सुविधाएं, पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित कर्मचारी शामिल हैं, एसपीसीबी एवं संबंधित एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी द्वारा कड़ी निगरानी।
6.	पेट्रोलियम, तेल एवं रसायन वाहक टैंकर, अपतटीय उत्पादन हेतु तैरते मचान (एफपीएसओ)	मचानों और पोतों में तट-स्थापना कठिनाताएं और खतरनाक अपशेष	समुद्र में बिखराव से बचने हेतु खतरनाक सामग्रियों या खतरनाक पदार्थों वाली सामग्री के स्थानांतरण में अपेक्षित अतिरिक्त पूर्व-सावधानियां। सीमा-शुल्क विभाग, संबंधित राज्य समुद्रीय मंडल/पत्तन प्राधिकारी/एसपीसीबी द्वारा निरीक्षण एवं कड़ी निगरानी।

अध्याय III

पोत का आगमन, लंगर डालना और तट-स्थापना प्रक्रिया

- 3.1 भारत में पोत के आगमन से पहले प्रस्तुत की जानेवाली सूचना
- 3.1.1 भारतीय विशेष आर्थिक क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले, सभी पोतों को अपने इच्छित आगमन की तारीख समुद्रीय बचाव समन्वय केन्द्र (एमआरसीसी) को सूचित करना ज़रूरी है। पोत द्वारा भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र में प्रवेश करने से पूर्व यह सूचना कम से कम 7 दिन पहले देना ज़रूरी है।
- 3.1.2 3.1.1 में बताई गई सूचना में निम्नलिखित जानकारी होनी चाहिए:-
- पुनश्चक्रण हेतु पुनश्चक्रण यार्ड में जाने वाले पोत की जानकारी
 - क्षेत्र के निर्देशांक और
 - लंगर डाले रखने की संभावित अवधि
- इससे कोई मशीनी गड़बड़ी होने पर एमआरसीसी पोत(तों) को सहायता प्रदान कर सकेगा, जिससे महासागर आंकड़ा अधिग्रहण प्रणालियों (ओडीएएस) और आसपास लंगर डाले अन्य पोतों के साथ किसी संभावित अनहोनी को टाला जा सकेगा।

लंगर डालना और तट-स्थापना:

- 3.2 पत्तन क्षेत्र में प्रवेश करने पर, पोत को समुद्रतल में एक या दो लंगर डालकर डेरा डालने दिया जाता है। इससे पोत डूबता नहीं है, एक ही

स्थान पर स्थिर रहता है, और नौकाओं से उस पर चढ़ा जा सकता है। लंगर डाला हुआ पोत अपने लंगर उठाकर जा सकता है। इससे पोत के लंगरों को पूरी तरह से डाला या निकाला जा सकता है।

- 3.3 तट-स्थापना वह प्रक्रिया है जिसमें पोत को तट पर स्थापित किया जाता है या इसके अपने जोर पर या खींचकर लाने के जरिए उथले पानी में सोच-समझकर स्थापित किया जाता है। तट-स्थापित पोत हिल या फिर से तैर नहीं सकता। इसलिए तट-स्थापना स्थायी होती है।

लंगर डालने की प्रक्रिया

- 3.4 एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी को सूचना:- पोतस्वामी राज्य समुद्रीय मंडल/पत्तन प्राधिकारी को अधिकृत पोत पुनश्चक्रण याई में पोत भेजने की अपनी इच्छा सूचित करेगा और यह सूचना अनुलग्नक-1 में दिए प्रारूप में पोत(तों) के पुनश्चक्रण हेतु आगमन के कम से कम 7 दिन पहले दी जाएगी।

- 3.5 डेस्क पुनरीक्षण हेतु दस्तावेज प्रस्तुत करना:- अनुलग्नक-1 के दस्तावेज प्रस्तुत करने के साथ, पोतस्वामी या पुनश्चक्रणकर्ता राज्य समुद्रीय मंडल/पत्तन प्राधिकारी, राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल और सीमाशुल्क विभाग को निम्नलिखित जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत करेगा, ताकि उनके सही होने सहित उनका डेस्क पुनरीक्षण किया जा सके।

पोत के विवरण में निम्न शामिल हैं:

- a. पोत का नाम
- b. पोत की अंतर्राष्ट्रीय समुद्रीय संगठन (आईएमओ) संख्या।
- c. पोत का ध्वज
- d. बुलावा चिह्न
- e. पोत मास्टर का नाम और उसकी राष्ट्रियता
- f. कर्मीदल की सूची
- g. संबंधित दस्तावेजों सहित पोत का सकल पंजीकृत टनभार (जीआरटी)/निवल पंजीकृत टनभार (एलडीटी)
- h. पिछले आगमन वाले पत्तन से पत्तन अनुमति
- i. स्वामित्व का साक्ष्य
- j. पोत के स्वामी और मास्टर के विवरण, जैसे नाम, पता, संपर्क संख्या, ईमेल पता।
- k. पोतस्वामी से इस आशय का वचनपत्र कि बाहरी लंगर क्षेत्र में पोत के लंगर डालने की तारीख से 7 दिनों के भीतर वे भारहीनता प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेंगे। यहां यह स्पष्ट किया जाता है कि राज्य समुद्रीय मंडल केवल वचनपत्र प्रस्तुत करने पर नहीं, बल्कि भारहीनता प्रमाणपत्र मिलने पर ही तट-स्थापना हेतु मंजूरी देगा।
- l. पोत पुनश्चक्रणकर्ता के साथ हुए समझौते की प्रतिलिपि।
- m. पोत के रेखाचित्रों, तकनीकी विनिर्देशों, पोत के भंडारों, मालसूची के संदर्भ में पोत निर्माता, उपकरण विनिर्माताओं एवं अन्य यथोचित व्यक्तियों के परामर्श से पोत की संरचना में, और पोत पर मौजूद खतरनाक अपशेषों का मूल्यांकन। विशेष ध्यान वाले पोतों के मामले में, खतरनाक अपशेषों/खतरनाक पदार्थों वाले सभी क्षेत्रों की पहचान एवं चिह्नांकन के अलावा, ऐसे अपशेषों/पदार्थों की मात्रा बताना भी ज़रूरी होगा।

- 3.6 पत्तन शुल्क का भुगतान:- अनुलग्नक 1 एवं उपर्युक्त 3.5 के सभी दस्तावेजों के साथ-साथ पोतस्वामी पत्तन में प्रवेश की अनुमति लेने के लिए सभी आवश्यक पत्तन शुल्कों का भुगतान भी करेगा। पोतस्वामी या पोत पुनश्चक्रणकर्ता द्वारा पिछले बकाया शुल्क न चुकाने की स्थिति में, एसएमबी/पत्तन प्राधिकारियों को पत्तन में प्रवेश न देने का अधिकार होगा।

- 3.7 दस्तावेजों का सत्यापन:- एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी को नौवहन महानिदेशालय के परामर्श से उपर्युक्त 3.5 के अंतर्गत प्रस्तुत दस्तावेजों का सत्यापन करने का विवेकाधिकार होगा।

- 3.8 खंड 3.7 के अंतर्गत परामर्श हेतु अनुरोध प्राप्त होने पर, तटरक्षक दल के परामर्श से नौवहन महानिदेशालय पुनरीक्षण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का सत्यापन करेगा
- 3.9 अनुमति नकारना:- कोई प्रस्तुत दस्तावेज अविश्वसनीय या प्रस्तुत दस्तावेज नकली होने या कोई महत्वपूर्ण जानकारी छुपाने पर, पोतस्वामी/पोत पुनश्चक्रणकर्ता को तट-स्थापना एवं/या पोतभंग की अनुमति नहीं दी जाएगी। खंड 3.4 के अंतर्गत अनुलग्नक 1 में दिए आवेदन और खंड 3.5 के अंतर्गत दस्तावेज प्रस्तुत करने के 5 दिनों के भीतर इस तरह की नामंजुरी पोतस्वामी/पोत पुनश्चक्रणकर्ता को संप्रेषित की जाएगी।

लंगर डालना

- 3.10 पत्तन प्राधिकारी/राज्य समुद्रीय मंडल (एसएमबी)/राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (एसपीसीबी)/सीमाशुल्क द्वारा डेस्क पुनरीक्षण के बाद, संबंधित पत्तन प्राधिकारी/राज्य समुद्रीय मंडल द्वारा पोत के लंगर डालने के बारे में निर्णय लिया जाएगा। यदि इनमें से कोई भी एजेन्सी पोत के लंगर डालने की अनुमति नहीं देती है, तो पोतस्वामी संबंधित संविधियों के अनुसरण में संबंधित वैधानिक प्राधिकारियों को अपील कर सकता है। इन अपील कार्यवाहियों के अंतर्गत लंगर डालने हेतु दी गई कोई भी अनुमति इस खंड के अंतर्गत लंगर डालने की अनुमति मानी जाएगी।
- 3.11 डेस्क पुनरीक्षण के बाद जहां सभी संबंधित एजेन्सियां संतुष्ट होंगी और पोत के लंगर डालने की सिफारिश करेगी, तब राज्य समुद्रीय मंडल/पत्तन प्राधिकारी लंगर डालने के संरक्षा अनुदेश जारी करेगा, जो युद्धपोतों/नौसेना पोत परमाणु विद्युतचालित पोतों के मामले में अन्य संबंधित एजेन्सियों के अलावा, उनके पेट्रोलियम टैंकर कार्गो हेतु गैसमुक्त एवं तप्त कार्य हेतु दुरुस्त होने का पेट्रोलियम एवं विस्फोटक संरक्षा संगठन (पीईएसओ) द्वारा, युद्धपोतों/नौसेना पोत परमाणु विद्युतचालित पोतों हेतु परमाणु ऊर्जा नियामक मंडल (एईआरबी) द्वारा, 20,000 एलडीटी से अधिक क्षमता के बड़े यात्री पोतों हेतु एसपीसीबी द्वारा तथा सभी पोतों हेतु सीमाशुल्क विभाग द्वारा प्रत्यक्ष सत्यापन करवाएगा। यदि प्रस्तुत दस्तावेजों या किसी भी एजेन्सी द्वारा निरीक्षण के अनुसार पोतस्वामी को अनुमति नहीं मिलती है, तो वह निर्धारित अपीलीय प्राधिकारियों को अपील कर सकता है।
- 3.12 संबंधित प्राधिकारियों द्वारा पोत पर आने के दौरान दिए जाने वाले दस्तावेज:- पोत पर प्राधिकारियों का आगमन खंड 3.10 के अंतर्गत लंगर डालने की अनुमति देने के बाद होगा। पोत में आने पर, दस्तावेजों, सामग्रियों एवं उनके सही होने के सत्यापन हेतु पोत पुनश्चक्रणकर्ता पत्तन प्राधिकारी/राज्य समुद्रीय मंडल को अनुलग्नक-1 में विनिर्दिष्ट निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करेगा।
- i) आईएमओ संख्या सहित मूल मास्टर प्रमाणपत्र और निम्न जानकारी
 - a. खतरनाक सामग्री की मालसूची
 - b. गैसों की मालसूची,
 - c. पोत पर स्थित विकिरणकारी सामग्री की मालसूची,
 - d. CO² घोषणा,
 - e. गहरे समुद्रों में बेलास्ट वाटर विनिमय की पुष्टि,
 - f. पोत पर शेष बंकर तेल/ल्यूब तेल या अन्य तेल पदार्थों की पुष्टि
 - (ii) कार्गो घोषणा प्रपत्र;
 - (iii) सुरक्षित कर्म-नियोजन प्रमाणपत्र;
 - (iv) कर्मिंदल के सक्षमता प्रमाणपत्र;
 - (v) सुरक्षित एवं पर्यावरण की दृष्टि से सुचारु पोत पुनश्चक्रण कन्वेन्शन पर हांग कांग कन्वेन्शन भारत को मान्य होने पर अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण संस्था द्वारा प्रमाणित/तैयार किया गया खतरनाक सामग्री की मालसूची (आईएचएम) प्रमाणपत्र तथा तब तक पोत के मास्टर द्वारा हस्ताक्षरित मालसूची एसएमबी को सौंपी जाएगी।
 - (vi) विक्रेता/एजेंट द्वारा प्रचलित दरों पर पत्तन को लागू पत्तन बकाया का भुगतान।
 - (vii) जिस राज्य के ध्वज के अधीन पोत प्रचालित है, उसका नाम

- (viii) निर्माण सुपुर्दगी पर पेंदा संख्या;
- (ix) पंजीकरण की तारीख सहित पोत का नाम एवं किस्म;
- (x) पोत के पंजीकरण का पत्तन;
- (xi) पोतस्वामी का नाम और पता;
- (xii) वर्गीकरण संस्था(ओं) का नाम, जिसके साथ पोत वर्गीकृत है; और
- (xiii) पोत के मुख्य विवरण, जैसे समग्र लंबाई (एलओए), चौड़ाई (ढली हुई), गहराई (ढली हुई) हल्काभार कार्गो वाहक क्षमता, सकल एवं निवल टनभार, और इंजिन की किस्म।

3.13 व्यक्तिगत रूप से पोत पर जाकर सत्यापन करना:- पत्तन प्राधिकारी द्वारा निर्दिष्ट लंगर डालने के स्थल पर पोत-स्थापना से पहले, निम्न द्वारा प्रतीक्षारत पोत पर जाकर प्रत्यक्ष सत्यापन किया जाएगा -

- (i) सभी पोतों हेतु सीमाशुल्क विभाग के प्रतिनिधि।
- (ii) पेट्रोलियम टैंकरों के कार्गो हेतु पेट्रोलियम एवं संरक्षा संगठन (पीईएसओ) के प्रतिनिधि।
- (iii) रासायनिक टैंकरों के कार्गो हेतु एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित सक्षम प्राधिकारी।
- (iv) युद्धपोतों, नौसेना पोतों परमाणु विद्युतचालित पोतों एवं बड़े यात्री लाइनरों हेतु ईआईआरबी और भारतीय नौसेना के प्रतिनिधि। दुरुस्त होने पर, उपर्युक्त एजेन्सियां तट-स्थापना अनुमति जारी करने हेतु अपनी मंजूरी एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी को देंगी।
- (v) 20000 एलडीटी से अधिक क्षमता वाले बड़े यात्री लाइनरों हेतु एसपीसीबी के प्रतिनिधि।
- (vi) युद्धपोतों, नौसेना पोतों परमाणु विद्युतचालित पोतों को छोड़कर अन्य सभी पोतों हेतु ईआईआरबी द्वारा प्रशिक्षित एवं प्रमाणित एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी के आरएसओ कर्मी, जो विकिरणवैज्ञानिक सर्वेक्षण संरक्षा दृष्टि से पोत का निरीक्षण करेंगे। जिस एसएमबी/राज्य सरकार/पत्तन प्राधिकारी का आरएसओ न हो, वे सामान्य ध्यान वाले वर्ग के पोतों हेतु ईआईआरबी से पोत पुनश्चक्रणकर्ता को मंजूरी लेने के लिए निर्देश दे सकते हैं।
- (vii) उसके पक्ष में इस आशय के रजिस्ट्री के प्रमाणपत्र की प्रतिलिपि कि पोत का कोई पंजीकृत बंधपत्र नहीं है, जिसके साथ पोतों के संबंधित रजिस्ट्रार की ईमेल आईडी भी दिया हो। रजिस्ट्री के इस प्रमाणपत्र की सत्यापित प्रति 7 दिनों से पहले की न हो।
- (viii) भंग किए जाने वाले युद्धपोतों, नौसेना पोतों परमाणु विद्युतचालित पोतों हेतु पोतस्वामी को राज्य समुद्रीय मंडल/पत्तन प्राधिकारी के जरिए रक्षा मंत्रालय की पूर्व मंजूरी लेनी चाहिए।

3.14 परंतु जहां तक व्यावहारिक हो, पोत की संरचना में और उस पर मौजूद खतरनाक अपशेषों/खतरनाक पदार्थों वाले सभी क्षेत्रों की पहचान एवं चिह्नांकन हेतु पोतस्वामी/पोत पुनश्चक्रणकर्ता उत्तरदायी होगा (पोत के रेखाचित्रों, तकनीकी विनिर्देशों, पोत के भंडारों, मालसूची के संदर्भ में पोत निर्माता, उपकरण विनिर्माताओं एवं अन्य यथोचित व्यक्तियों के परामर्श से) तथा पोत पर जाने के दौरान संबंधित एजेन्सियों को ये प्रस्तुत किए जाएंगे।

3.15 अध्याय-11 में सूचीबद्ध विशेष ध्यान वाले पोतों के मामले में, खतरनाक अपशेषों/खतरनाक पदार्थों वाले सभी क्षेत्रों की पहचान एवं चिह्नांकन, ऐसे अपशेषों/पदार्थों का मात्रा-निर्धारण संबंधित एजेन्सियों को पोत पर उनके दौरे के समय प्रस्तुत किए जाएंगे। अनुलग्नक- V एवं अनुलग्नक- V। में विनिर्दिष्ट विवरण अतिरिक्त रूप से दिया जाएगा।

3.16 पोत (20000 एलडीटी से अधिक क्षमता के यात्री पोत) पर मौजूद एवं पोत पुनश्चक्रण प्रक्रिया के दौरान संभावित उत्पत्ति वाले खतरनाक अपशेष/खतरनाक पदार्थों का एसपीसीबी द्वारा मूल्यांकन किया जाना अनिवार्य होगा।

3.17 3.13 के अंतर्गत निरीक्षण पूरे होने पर, यदि निरीक्षण प्राधिकारियों द्वारा 3.13 के तहत एवं डेस्क पुनरीक्षण के दौरान प्रस्तुत वचनपत्र एवं दस्तावेजों के विपरीत कोई उल्लंघन पाए जाते हैं, तो निरीक्षण प्राधिकारी संबंधित एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी को अधिसूचित करेंगे, जो अपने विवेकाधिकार से पोत की तट-स्थापना की अनुमति नकार सकता है। पोत को तट-स्थापित करने की ऐसी नामंजूरी पोतस्वामी/पोत पुनश्चक्रणकर्ता को शीघ्रताशीघ्र परंतु पोत को तट-स्थापित करने की मंजूरी देने से पहले संप्रेषित की जाएगी।

3.18 सीमाशुल्क प्रक्रियाएं:- पोत पुनश्चक्रणकर्ता सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क प्राधिकारियों को सभी दस्तावेज प्रस्तुत करेगा, जो लंगर डालने के स्थल पर पोत के अपेक्षित आगमन से कम से कम 3 दिन पहले दिए जाएंगे, ताकि सीमाशुल्क

प्राधिकारी अधिनियम के अंतर्गत सभी सीमाशुल्क औपचारिकताएं पूरी कर लें।

- 3.19 सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सभी प्रक्रियाएं पूरी करने हेतु पोत के आगमन से 24 घंटों के भीतर (सीमाशुल्क विनियम के अनुसार) सीमाशुल्क अधिकारी पोत का दौरा करेंगे।
- 3.20 On completion of all procedures under 3.13 एवं 3.14 के अंतर्गत सभी प्रक्रियाएं पूरी होने पर, पोत पुनश्चक्रणकर्ता सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत विधिवत् निर्धारित किए गए शुल्क का भुगतान करेगा। आयात शुल्क चालान प्रस्तुत करने के जरिए पोत पुनश्चक्रणकर्ता द्वारा इस भुगतान का साक्ष्य प्रस्तुत करने पर 24 घंटों के भीतर सीमाशुल्क प्राधिकारी एसएमबी/पत्तर प्राधिकारियों को इस आशय का अनापत्ति प्रमाणपत्र जारी करेंगे कि पोत की तट-स्थापना हेतु अनुमति देने पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। यहां यह स्पष्ट है कि पोतों की तट-स्थापना हेतु अनुमति एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी देगा।
- 3.21 यह भी स्पष्ट किया जाता है कि किसी भी कार्गो (पिछले कार्गो का शेष) के निपटान की अनुमति उपयुक्त आयात प्रक्रियाएं पूरी करने पर ही दी जाएगी, यदि शेष कार्गो के निपटान का कोई व्यावसायिक मूल्य न हो या वह उपभोग/उपयोग योग्य न हो तो उस कार्गो को उपयुक्त संविधियों एवं उनके अंतर्गत नियमों के अनुसार पोत पुनश्चक्रणकर्ता द्वारा ठिकाने लगाया जाएगा।
- 3.22 उपयुक्त अधिकारी पोत पर जाएगा, और आयातकर्ता की मौजूदगी में पोत के बेतार उपकरण/प्रतिबंधित रेडियो उपकरण/नौचालन उपकरण को नष्ट करेगा। इसके बाद, आयातकर्ता सामान, यदि कोई हो, एमओए/आईजीएम के अनुसार एजेन्ट को सौंपेगा, जिसे मामले के अनुसार आगे भेजा जाएगा या सीमाशुल्क विभाग को सौंप दिया जाएगा।
- 3.23 ये औपचारिकताएं पूरी करने और पोत पर देय सभी बकाया/शुल्क के भुगतान के बाद, सीमाशुल्क प्राधिकारी शुल्कहीनता प्रमाणपत्र देकर पोत के पुनश्चक्रण की मंजूरी देगा।
- 3.24 4.2 में निर्दिष्ट यथाप्रयोज्य संबंधित विभागों/एजेन्सियों द्वारा मंजूरी प्राप्त होने के बाद, दो कार्य दिनों के भीतर एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी तट-स्थापना की अनुमति देगा।
- 3.25 पत्तन प्राधिकारी/राज्य समुद्रीय मंडल द्वारा तट-स्थापना अनुमति:- पत्तन प्राधिकारी/राज्य समुद्रीय मंडल द्वारा केवल निम्न को तट-स्थापना की अनुमति दी जाएगी:
- (a) पत्तन प्राधिकारियों द्वारा भूखंड आबंटित भूखंड-धारकों को या जिन्हें पत्तन प्राधिकारी/एसएमबी द्वारा अन्यथा अनुमति दी गई हो;
- (b) उन भूखंड-धारकों को, जिनका एसआरएफएमपी पोत पुनश्चक्रण से उत्पन्न खतरनाक अपशेष के प्रहस्तन हेतु एसपीसीबी द्वारा प्राधिकृत करने सहित अनुमोदित किया गया हो।
- 3.26 तट-स्थापना की अनुमति उन पोतों को दी जाएगी, जो निम्न मामलों में विशिष्ट अपेक्षाओं का पालन करते हैं :-
- (a) पेट्रोलियम एवं विस्फोटक संरक्षा संगठन (पीईएसओ) द्वारा प्रदत्त गैसमुक्त प्रमाणपत्र सहित तप्त कार्य प्रमाणपत्र हेतु गैसमुक्त प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने वाले पेट्रोलियम तेल कार्गो एवं पेट्रोलियम स्लॉप टैंकों के मामले में;
- (b) परमाणु ऊर्जा नियामक मंडल से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) प्रस्तुत करने वाले विशेष ध्यान देने योग्य पोतों के मामले में; तथा
- (c) नौसेना विभाग, आईआरबी एवं सीमाशुल्क विभाग से एनओसी प्रस्तुत करने वाले युद्धपोतों एवं नौसेना पोतों के मामले में।
- 3.27 कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 2 (सीबी) के अंतर्गत पोत पुनश्चक्रण गतिविधि को खतरनाक प्रक्रिया माना गया है और इस पर कारखाना अधिनियम के अध्याय-IVक की धारा 41ए से एच तक लागू होंगी। कारखाना अधिनियम, 1948 के अंतर्गत अनुपालन सुनिश्चित करने एवं उसकी जांच करने के लिए जब कभी आवश्यक समझा जाएगा, औद्योगिक संरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशालय पोत पुनश्चक्रण प्रचालन का निरीक्षण करेगा।
- 3.28 एक समय में एक ही पोत को तट-स्थापित होने की अनुमति होगी, बशर्ते पोत या पोतों का चौड़ाई भूखंड की चौड़ाई से 5 मीटर कम हो। पोतों को एक के पीछे एक भूखंड पर कतार में रहने की अनुमति नहीं होगी।
- 3.29 जिन पेट्रोलियम टैंकरों ने सभी कार्गो टैंकों, स्लॉप टैंकों, पिछले गहरे ईंधन तेल टैंकों एवं पिछले कॉफर डैम्स हेतु "तप्त कार्य हेतु दुरुस्त" प्रमाणपत्र नहीं लिया होगा, उन्हें तट-स्थापना की अनुमति नहीं होगी।

- 3.30 पोत की तट-स्थापना:- पोत की तट-स्थापना पर, पोत पुनश्चक्रणकर्ता निम्न सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक कार्यवाई करेगा
- पोत को सही ढंग से स्थिर किया गया हो; और
 - इंजिन कक्ष में पर्याप्त संवातन सहित बंकर में बची सामग्री हटाई गई हो।
 - पेट्रोलियम उत्पादों हेतु बंकर एवं बंकर सामग्री को किसी पंजीकृत पुनश्चक्रणकर्ता को सौंपा गया हो।
 - प्रयुक्त तेल एवं मैल-द्रव्य पंजीकृत पोत पुनश्चक्रणकर्ता को ही सौंपा गया हो।
- 3.31 संबंधित एजेन्सियों द्वारा पोत पुनश्चक्रणकर्ताओं के अभिलेखों की छानबीन या उनके भूखंडों/यार्डों के निरीक्षणों के दौरान यदि यह पता चलता है कि उपर्युक्त उपबंधों का पालन नहीं किया गया है, तो पोत पुनश्चक्रण हेतु अनुज्ञप्ति रद्द करने सहित उस पर दंड एवं जुर्माना लगाया जा सकेगा।

अध्याय IV

अन्य प्रक्रियाएं

- 4.1 राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (एसपीसीबी) से अनुमति:- पोतों की तट-स्थापना के बाद, पोत पुनश्चक्रणकर्ता टैंकों, स्लॉप टैंकों इत्यादि से तेल एवं पेट्रोलियम हाइड्रोकार्बन सहित सभी खुले और खतरनाक अपशेष हटा देगा। एसपीसीबी निरीक्षण के बाद पोत पुनश्चक्रणकर्ता को संदूषणहीनता प्रमाणपत्र जारी करेगा और यह निरीक्षण इंजिन कक्ष में उपयुक्त रोशनी में किया जाएगा। इसके साथ ही, तेल/प्रयुक्त तेल/हाइड्रोकार्बन सुरक्षित ढंग से ठिकाने लगाना सुनिश्चित करने के बाद सक्षम प्राधिकारी/एजेन्सी कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 68 एच के अनुसार गैसमुक्त एवं तप्त कार्य अनुज्ञापत्र जारी करेगा।
- 4.2 सुरक्षा पहलू:- नौसेना एवं तटरक्षक दल के परामर्श से संबंधित एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी सभी मामलों पर आवश्यक आदेश जारी करेगा और कड़े अनुपालन हेतु उन्हें परिचालित करेगा।
- 4.3 एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी पोतों की प्रकृति एवं विवरण सहित भंग होने हेतु आए सभी पोतों का अभिलेखन करेगा और पोत के अपेक्षित आगमन समय (ईटीए) की सूचना मिलते ही, उसे नौसेना एवं तटरक्षक दल को सौंपेगा।
- 4.4 एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी पुनश्चक्रण हेतु आए सभी पोतों का छायांकित अभिलेखन करेगा और उसे नौसेना एवं तटरक्षक दल को सौंपेगा।
- 4.5 पोत छोड़ने वालों सहित कर्मियों के आगमन एवं प्रस्थान के विवरण, विशेषकर विदेशी कर्मियों की सूचना ऐसे कर्मियों के आगमन एवं प्रस्थान से पहले नौसेना प्राधिकारी को देनी होगी।
- 4.6 प्रत्येक पत्तन प्राधिकारी/एसएमबी द्वारा एक मासिक सुरक्षा एवं खुफिया बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें स्थानीय पुलिस, खुफिया ब्यूरो, तटरक्षक दल एवं नौसेना के प्रतिनिधि भाग लेंगे।
- 4.7 सभी पोतभंग यार्ड समुचित सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे, अर्थात् भौतिक सुरक्षा, जिसमें बाहरी दीवार, सशस्त्र रक्षक/दल/सुरक्षा कर्मी, कड़ा प्रवेश नियंत्रण, पोतभंग यार्ड से बाहर निकाली जानेवाली सामग्री की जांच, भूखंड में प्रवेश करने वाले किसी प्रतिबंध/विकिरणकारी तत्व की संभावना की पर्याप्त जांच शामिल है। सभी पोतभंग यार्डों की स्थानीय राज्य पुलिस, खुफिया ब्यूरो, तटरक्षक प्राधिकारियों एवं नौसेना प्राधिकारियों और/या भारत सरकार की किसी अन्य सुरक्षा एजेन्सी द्वारा नियमित रूप से सुरक्षा जांच की जाएगी।
- 4.8 प्रक्रिया हेतु निर्देश रेखाचित्र:- पोतभंग यार्डों में अलग-थलग करने हेतु पहुंचने वाले पोतों हेतु लंगर डालने, तट-स्थापना एवं पोतभंग के तीनों स्तरों की एसएमबी/एसपीसीबी/सीमाशुल्क विभाग एवं अन्य संबंधित एजेन्सियों द्वारा मंजूरी देने के चरणों का क्रम परिशिष्ट-I में दिया गया है।

अध्याय V

पोत पुनश्चक्रण प्रक्रिया

- 5.1 पोत पुनश्चक्रण हेतु संस्तुत प्रक्रिया:- पोत पुनश्चक्रण योजना में दो घटक होने चाहिए अर्थात् पोत विषयक पुनश्चक्रण योजना, एवं पुनश्चक्रण सुविधा की प्रबंधन योजना। भूखंड का आकार ऐसा होना चाहिए कि पोत को काटते समय, तट-स्थापित पोत के दोनों तरफ श्रमिकों के आने-जाने के लिए जगह होनी चाहिए और संबंधित पत्तन प्राधिकारी/राज्य समुद्रीय मंडल के निर्देश के अनुसार यह जगह कम से कम 5 मीटर की होनी चाहिए।

- 5.2 पेट्रोलियम टैंकरों एवं पेट्रोलियम स्लाप्स को छोड़कर अन्य पोतों के लिए, औद्योगिक संरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशालय (डीआईएसएच) तत्पत कार्य हेतु गैसमुक्त प्रमाणपत्र जारी करेगा, अन्यथा यह विस्फोटक विभाग से प्राप्त किया जा सकता है।
- 5.3 पोत पुनश्चक्रण सुविधा प्रबंधन योजना:- राज्य समुद्रीय मंडल (एसएमबी)/पत्तन प्राधिकारी पोत पुनश्चक्रण हेतु पोत पुनश्चक्रणकर्ताओं को भूखंड आबंटित करता है। यह भूखंड पर्याप्त आकार-प्रकार का होना चाहिए ताकि सुरक्षित एवं पर्यावरण की दृष्टि से प्रभावी पोत पुनश्चक्रण किया जा सके। यदि पोत पुनश्चक्रण सुविधा प्रबंधन योजना (एसआरएफएमपी) निम्न शर्तें पूरी करता है, तो संबंधित एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी इसे अनुमोदित करेगा: -
- (i) अपेक्षित एवं वैध दस्तावेज उपलब्ध होना
 - a. पोत पुनश्चक्रण गतिविधियों से उत्पन्न खतरनाक अपशेष के प्रहस्तन हेतु एसपीसीबी द्वारा जारी प्राधिकार-पत्र।
 - b. खतरनाक अपशेष संसाधन, भंडारण एवं निपटान सुविधा (टीएसडीएफ) का सदस्य होने के नाते टीएसडीएफ प्रचालक से पंजीकरण।
 - c. गैस सिलिंडर नियमावली, 2004 के अंतर्गत एलपीजी सिलिंडरों के भंडारण हेतु विस्फोटक विभाग से अनुज्ञप्ति।
 - d. कारखाना नियमों के अंतर्गत भूखंड की अनुज्ञप्ति।
 - e. यार्ड की रूपरेखा एवं सुविधाओं के अन्य घटक दर्शाने वाला मानचित्र।
 - f. संबंधित प्राधिकारी(रियों) से अपेक्षित अन्य कोई दस्तावेज या अनापत्ति प्रमाणपत्र/अनुमति पत्र।
 - g. कारखाना अधिनियम, 1948 एवं उसके तहत बनाए गए नियमों के उपबंधों के अंतर्गत अनुज्ञप्ति एवं एसआरएफएमपी अनुमोदन।
 - (ii) कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 46 एवं 47 के अनुसार आश्रय/विश्राम कक्ष एवं भोजन कक्ष एवं कैंटीन के प्रावधान। इसके अलावा, कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 17 के अनुसार पर्याप्त रोशनी, धारा 18 के अनुसार पर्याप्त स्वच्छ पेयजल, धारा 19 के अनुसार शौचालय एवं मूत्रालय, धारा 42 के अनुसार धुलाई सुविधाओं तथा धारा 45 के अनुसार प्रथमोपचार के प्रावधान होने चाहिए। प्रशिक्षित प्रथमोपचार एवं अग्निशमन कर्मियों की सूची चहल-पहल वाले स्थान पर प्रदर्शित की जानी चाहिए।
 - (iii) खतरनाक/गैर-खतरनाक अपशेष सामग्रियों हेतु अस्थायी भंडारण के लिए पर्याप्त संरक्षा सावधानियों वाला भंडारण गोदाम।
 - (iv) अस्थायी एस्बेस्टॉस प्रहस्तन एवं निष्कासन एवं भंडारण सुविधा या उपयुक्त गतिशील एस्बेस्टॉस प्रहस्तन सुविधा।
 - (v) विस्फोटक अधिनियम के अनुसार तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) हेतु भंडारण गोदाम
 - (vi) कारखाना अधिनियम, 1948 के अनुसार कम से कम 50 कर्मियों हेतु साफ-सफाई एवं 'विश्राम कक्ष' सुविधाएं।
 - (vii) कर्मियों हेतु कपड़े बदलने का कक्ष
 - (viii) प्रथमोपचार सुविधा
 - (ix) अग्निशमन सुविधा और तेल बिखराव निपटान प्रणाली सहित आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली।
 - (x) बीआईएस मानक या समकक्ष प्रमाणित सामग्री प्रहस्तन उपकरण एवं वैयक्तिक संरक्षण उपकरण।
 - (xi) सभी श्रेणियों (रोशनी व्यवस्था, गैस कटिंग, अपशेष प्रहस्तन, तंग जगहों में कार्यरत, ऑक्सीजन एवं अन्य गैस संसूचकों, क्रेन एवं सामग्री प्रहस्तन इत्यादि जैस विभिन्न उपस्करों का उपयोग) के प्रशिक्षित एवं प्रमाणित कर्मियों की सूची।
 - (v) पेट्रोलियम नियमावली-2002 के अनुसरण में बिजली की सुरक्षित फिटिंग्स हेतु खतरनाक क्षेत्र का वर्गीकरण।
 - (v) यदि अपेक्षित हों तो, अन्य आवश्यक सुविधाएं।
- 5.4 पोत पुनश्चक्रणकर्ताओं को भूखंड आबंटित होने के बाद एक महीने के भीतर संबंधित एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी एसआरएफएमपी अनुमोदन जारी करेगा। एक एजेन्सी को प्रत्येक पांच वर्षों की अवधि हेतु यह अनुमोदन एकल गतिविधि

हेतु होगा, जिसकी हर छह महीनों में समीक्षा की जाएगी। ऐसी छमाही समीक्षा पर यदि कोई सुधारात्मक उपाय अपेक्षित हों, तो पोत पुनश्चक्रणकर्ता उन्हें तुरंत लागू करेगा।

5.5 कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 29 के अनुसार सभी लिफ्टिंग मशीनों, तार रस्सों एवं लिफ्टिंग टैकल्स का डीआईएसएच द्वारा अनुमोदित सक्षम व्यक्ति द्वारा परीक्षण एवं प्रमाणन किया जाना चाहिए।

5.6 पोत पुनश्चक्रण की गतिविधियां करने हेतु कारखाना अधिनियम, 1948 के अंतर्गत संबंधित एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी अपेक्षाओं के पालन पर डीआईएसएच की टिप्पणियां/विचार प्राप्त करने के बाद अनुमति जारी करेगा।

5.7 यदि किसी भी संबंधित प्राधिकारी द्वारा निरीक्षण के दौरान भूखंड की पोत पुनश्चक्रण सुविधा प्रबंधन योजना के कोई भी घटक निष्क्रिय या नदरद पाए जाते हैं, तो एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी पोत पुनश्चक्रण सुविधा प्रबंधन योजना रद्द कर सकता है, और जब तक अपेक्षाओं के अनुसार पोत पुनश्चक्रण सुविधा प्रबंधन योजना के तहत घटक सक्रिय नहीं किए जाते तब तक पोत पुनश्चक्रणकर्ता को कोई भी पोत तट-स्थापित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5.8 इसलिए, पुनश्चक्रण हेतु पोतों को भूखंड में लाने की अनुमति देने से पहले, एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी अनुलग्नक-11 एवं अनुलग्नक-1 के अनुसार पुनश्चक्रण प्रमाणन तैयार दस्तावेज के जरिए उपर्युक्त पहलुओं का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करेगा।

कटिंग की अनुमति पाने हेतु, पोत पुनश्चक्रणकर्ता अनुलग्नक-IV में विधिवत् भरकर पत्तन प्राधिकारी को आवेदन करेगा। पत्तन प्राधिकारी तीन दिनों के भीतर कटिंग हेतु आवेदन पर विचार करके अनुमति देगा या किन्हीं पाई गई कमियों को दूर करने हेतु सूचित करेगा।

5.9 उपर्युक्त के अलावा, पोत पुनश्चक्रणकर्ता एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी को इस आशय का एक वचनपत्र प्रस्तुत करेगा कि पोत पुनश्चक्रण सुविधा प्रबंधन योजना के अनुमोदन से पहले नीचे बताई गई संरक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण (एसएचई) नीति का वे अनुपालन करेंगे।

- (i) पर्याप्त श्रमिक संरक्षा और मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर विशेष ध्यान देने की नीति, जिसमें पोत पुनश्चक्रण से मानव स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर होने वाले प्रतिकूल प्रभावों को कम करते हुए अंततः दूर करने के लक्ष्य निर्धारित करना शामिल है।
- (ii) राष्ट्रीय विनियमों में निर्धारित अपेक्षाओं का कार्यान्वयन, कंपनी की नीति में निर्धारित लक्ष्य-प्राप्ति, तथा पोत पुनश्चक्रण प्रचालनों में प्रयुक्त प्रक्रियाओं के निरंतर सुधार हेतु प्रतिबद्धता सुनिश्चित करने के लिए एक प्रणाली।
- (iii) पर्यवेक्षकों, ठेकेदारों एवं श्रमिकों की भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियां निर्धारित करना।
- (iv) श्रमिकों के उपयुक्त प्रशिक्षण हेतु एक कार्यक्रम तथा पर्याप्त पीपीई एवं सामग्री प्रहस्तन उपकरणों की उपलब्धता।
- (v) भूखंड हेतु एक आपातकालीन तत्परता एवं प्रतिक्रिया योजना।
- (vi) पोत पुनश्चक्रण प्रचालनों के कामकाज की निगरानी हेतु एक प्रणाली।
- (vii) पोत पुनश्चक्रण प्रचालन किस तरह से काम करेंगे, इसकी रिपोर्टिंग हेतु एक प्रणाली, जिसमें खतरनाक अपशेषों या खतरनाक पदार्थों वाली सामग्रियों के प्रहस्तन के कारण निष्कासन, उत्सर्जन और क्षतिकारी दुर्घटनाएं एवं श्रमिकों की संरक्षा, मानव स्वास्थ्य तथा पर्यावरण को संभावित क्षति पहुंचाने वाली दुर्घटनाएं सूचित करना शामिल है।

5.9.1 पोत पुनश्चक्रणकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि:-

- (i) पोत पुनश्चक्रण गतिविधि के दौरान महत्वपूर्ण सावधानियां (करें एवं न करें) प्रदर्शित करने वाला एक बोर्ड भूखंड पर चहल-पहल वाले स्थानों पर लगाया जाएगा और यह बोर्ड अंग्रेजी तथा नियोजित श्रमिकों की क्षेत्रीय भाषा में तैयार किया जाएगा।
- (ii) भूखंड पर क्रेन, विंच, चैन रोप एवं शैकल्स, जनरेटर सेट तथा समय-समय पर संस्तुत अन्य संरक्षा उपस्कर जैसे सभी उपकरण, कारखाना अधिनियम, 1948 एवं उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों और अन्य संबंधित अधिनियमों एवं नियमों के उपबंधों के अनुसरण में स्थापित और अनुरक्षित किए जाएंगे।
- (iii) भूखंड पर विस्फोटक गैस संसूचक, हाइड्रोजन सल्फाइड (H_2S) गैस मॉनिटर एवं ऑक्सीजन प्रतिशत विश्लेषक सहित बहुगैस मॉनिटर कार्यरत अवस्था में हो।
- (iv) यार्ड पर रोशनी की उपयुक्त व्यवस्था की गई हो।

- (v) प्रत्येक एसआरएफ में एक विस्तृत आपातकालीन एवं बचाव योजना होगी। आपातकालीन योजना का हर 6 महीनों में अभ्यास होना चाहिए। इसके अलावा, पूरे जिले के लिए एक कार्यस्थलेतर आपातकालीन योजना तैयार की जाएगी और वर्ष में एक बार उसका अभ्यास किया जाएगा।
- 5.9.2 पोत पुनश्चक्रणकर्ता एसआरएफएमपी के अंतर्गत जब तक अपेक्षाओं का पालन नहीं करता, तब तक एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी द्वारा इस कोड के अंतर्गत पोत-पुनश्चक्रण गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- 5.10 पोत विशिष्ट पुनश्चक्रण योजना:
- 5.10.1 एक बार भूखंड हेतु एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी द्वारा पोत पुनश्चक्रण सुविधा प्रबंधन योजना अनुमोदित हो जाने पर, पोत पुनश्चक्रणकर्ता को पोत विशिष्ट पुनश्चक्रण योजना एवं अनुलग्नक-IV के तहत विवरण तथा पुनश्चक्रण हेतु तैयार दस्तावेज के विवरण के साथ एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी को विधिवत् भरकर आवेदन प्रस्तुत करना होगा। पोत से तेल हटाने की अनुमति पोत विशिष्ट पुनश्चक्रण योजना (एसएसआरपी) प्रस्तुत करने से पहले दी जा सकती है।
- 5.10.2 पोत विशिष्ट पुनश्चक्रण योजना (एसएसआरपी) की अपेक्षाएं निम्नानुसार होंगी:-
- पोत, एवं विशेषकर, खतरनाक अपशेषों एवं खतरनाक सामग्रियों के एक सही मूल्यांकन का विवरण।
- (i) कार्य के क्रम सहित पोतभंग की समय-सारणी।
 - (ii) प्रचालनीय कार्य प्रक्रियाएं।
 - (iii) सामग्री प्रहस्तन उपकरण एवं कर्मियों की उपलब्धता
- संरक्षण उपकरण (पीपीई)।
- (iv) राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (एसपीसीबी) से इस आशय का प्रमाणन कि सभी किस्म के तेल और अन्य खुले खतरनाक अपशेष पूरी तरह से हटा दिए गए हैं और एसएसआरपी के साथ एसपीसीबी द्वारा जारी संदूषणहीनता प्रमाणपत्र संलग्न हो।
 - (v) तेल टैंकरों एवं स्लॉप टैंकों हेतु पेट्रोलियम एवं विस्फोटक संरक्षा संगठन (पीईएसओ) या कारखाना अधिनियम के तहत औद्योगिक संरक्षा एवं स्वास्थ्य महानिदेशालय (डीआईएसएच) द्वारा प्राधिकृत किसी सक्षम एजेन्सी द्वारा जारी किया गया "गैस-मुक्त एवं तप्त कार्य हेतु दुरुस्त" प्रमाणपत्र। यह प्रमाणपत्र योजना दस्तावेज के साथ संलग्न होगा। गलत प्रमाणन के मामले में, संबंधित विस्फोटक निरीक्षक/अधिकारी विभागीय दंडात्मक कार्रवाई का भागी होगा और ऐसे मामलों में पोत पुनश्चक्रणकर्ता की अनुज्ञप्ति रद्द करने की कार्रवाई की जा सकती है।
 - (vi) खतरनाक अपशेष प्रहस्तन एवं निपटान योजना:- योजनाओं में रेखाचित्रों सहित प्रलेखित पोतों में पुनश्चक्रणकर्ता द्वारा सभी गैर-श्वसनयोग्य स्थानों की पहचान एवं चिह्नांकन। पोतों में खतरनाक पदार्थों/खतरनाक अपशेषों वाले/संभावित सभी स्थानों की पहचान एवं चिह्नांकन और ये योजनाओं में रेखाचित्रों सहित प्रलेखित हों।
 - (vii) पोत के मास्टर से इस आशय की पुष्टि कि गहरे समुद्रों में बेलास्ट वाटर का विनिमय किया गया है। अपेक्षाओं में पुनश्चक्रण के तीनों चरणों का ध्यान रखा जाए, अर्थात्
 - (a) तैयारी का चरण
 - (b) अलग-थलग करने का चरण
 - (c) अपशेष प्रवाह प्रबंधन चरण।
 - (viii) बेलास्ट वाटर के साथ बेलास्ट तलछटों को भी उपयुक्त रूप से विलोढ़कर बहा देना होगा और उपयुक्त निपटान हेतु शुल्क के भुगतान सहित एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी की प्राधिकृत एजेन्सी को सौंप देना होगा।
 - (ix) एस्बेस्टॉस मुख्य चिंता का विषय है, अतः पोत एवं तट पर एस्बेस्टॉस, एवं एस्बेस्टॉसयुक्त सामग्रियां (एसीएम) हटाने की योजना विशिष्ट रूप से तैयार की जाएगी। योजना में हटाने का प्रहस्तन, संसाधन एवं ठिकाने लगाना शामिल होगा। अलग-थलग करने के प्रचालन शुरू करने से पहले, एस्बेस्टॉस/एसीएम वाली जगहों का चिह्नांकन किया जाएगा और यह एस्बेस्टॉस फाइबर के उपयोग वाले परिसरों एवं संयंत्रों की सफाई हेतु भारतीय मानक ब्यूरो के मानकों (IS 11767:1986) के अनुसार हो। 100 मेट्रिक टन से अधिक एस्बेस्टॉस मात्रा वाले पोत ऋणात्मक दबाव कक्ष तकनीक का उपयोग करेंगे।

- (x) पुनश्चक्रण के दौरान उत्पन्न तथा पोत पर मौजूद सभी खतरनाक पदार्थों की मात्रा प्रलेखित करने एवं उनकी जानकारी रखने के लिए उचित प्रणाली एवं प्रक्रिया अपनाई जाएगी, तथा एसएसआरपी में निपटान सुविधा या पंजीकृत पुनश्चक्रण सुविधा तक उनके परिवहन की व्यवस्था भी बताई जाएगी।

5.10.3 उपर्युक्त 5.10.2 की अपेक्षाओं का पालन सुनिश्चित करने के बाद, पत्तन प्राधिकारी पोत पुनश्चक्रण अनुमति दे सकता है। अनुमति एवं पुनश्चक्रण गतिविधियों का क्रम निम्नानुसार होगा:-

- I. प्रथम – सक्षम प्राधिकारी से आदमियों के प्रवेश का प्रमाणपत्र लिया जाना होगा। यह प्रवेश प्रमाणपत्र कार्य शुरू होने से तीन दिन पहले तक प्राप्त करना चाहिए। कार्य शुरू होने में कोई विलंब होने पर, एक नया प्रमाणपत्र लिया जाएगा, जो कार्य शुरू होने तक 3 दिनों तक वैध होगा।
- II. द्वितीय – शेष कार्गो हटा देना चाहिए और पोत पर सभी तरह का खुला मैल उचित ढंग से साफ कर देना चाहिए। शेष कार्गो पूरी तरह से और सही ढंग से साफ किया गया है, इससे संतुष्ट होने पर ही राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल संदूषणहीनता प्रमाणपत्र जारी करेगा।
- III. तृतीय – डीआईएसएच का सक्षम व्यक्ति यह सुनिश्चित करने हेतु निरीक्षण करेगा कि तंग स्थानों से प्रज्ज्वलन सामग्री पूरी तरह से हटाई गई है, इंजिन कक्ष में अन्य क्षेत्र उचित संवातन सहित व्यावहारिक रूप से गैसमुक्त हैं, जिसका पता गैस संसूचक मीटर से लगाया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि क्षेत्र विस्फोटक सीमाओं के भीतर सुरक्षित है। इस निरीक्षण का संतोषजनक पालन होने पर, इंजिन कक्ष, बंकर क्षेत्र एवं सामान्य पोतों के प्रज्ज्वलन गैसों उत्पन्न होने की संभावना वाले क्षेत्रों को काटने हेतु गैसमुक्त एवं तप्त कार्य (खुली रोशनी) प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा। तेल टैंकरों और रासायनिक टैंकरों के मामले में, पोत पुनश्चक्रणकर्ताओं द्वारा वास्तविक कटिंग प्रचालन शुरू होने से पहले ही तप्त कार्य अनुज्ञापत्र जारी करने की कक्षवार पद्धति होनी चाहिए, चाहे एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी द्वारा पूरे पोत को अलग-थलग करने की अनुमति दी गई हो।
- IV. चेन रोप एवं शैकल्स, जनरेटर सेट इत्यादि सहित विंच, क्रेन सहित अन्य सभी सामग्री प्रहस्तन प्रणालियां, वैध दुरुस्ती प्रमाणपत्र, पोत पुनश्चक्रण अनुमति देने से पहले उपलब्ध होने चाहिए।

5.11 पूरा होने पर रिपोर्टिंग

इस कोड की अपेक्षाओं के अनुसरण में पोत का पुनश्चक्रण पूरा होने पर, पोत पुनश्चक्रणकर्ता द्वारा अनुलग्नक-VII में कार्य पूरा होने का विवरण जारी करेगा और एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी को सूचित करेगा।

अध्याय VI

पोत पुनश्चक्रण से जुड़े भागीदारों हेतु संरक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण अनुपालन पर सामान्य अनुदेश

6.1 संरक्षा अनुपालन

6.1.1 भूखंडों/याडों में पोत पुनश्चक्रण गतिविधियां करने के दौरान संरक्षा अनुदेशों का पालन करने हेतु, निम्नलिखित उपाय किए जाएंगे:-

- (i) अग्निशमन इकाइयों एवं उपकरणों के सुरक्षित ढंग से आने-जाने एवं आसान परिवहन, गलियारों के अनुरक्षण हेतु पर्याप्त खुली जगह रखी जाएगी ताकि अग्निशमन इकाइयों एवं उपकरणों को वहां पहुंचने में कोई अड़चन न हो।
- (ii) पुनश्चक्रणकर्ता पोत में सभी गैर-श्वसन योग्य स्थानों की पहचान एवं चिह्नांकन करेगा।
- (iii) पोत में खतरनाक पदार्थों/खतरनाक अपशेषों वाले/संभावित सभी स्थानों की पहचान एवं चिह्नांकन किया जाएगा।
- (iv) पुनश्चक्रण के दौरान उत्पन्न तथा पोत पर मौजूद सभी खतरनाक पदार्थों की मात्रा प्रलेखित करने एवं उनकी जानकारी रखने के लिए उचित प्रणाली एवं प्रक्रिया अपनाई जाएगी, तथा एसएसआरपी में निपटान सुविधा या पंजीकृत पुनश्चक्रण सुविधा तक उनके परिवहन की व्यवस्था भी बताई जाएगी।
- (v) यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कार्यालय भवन, अलौह धातुओं के भंडारण तथा प्रेषण हेतु अलग-थलग किए गए अंतिम भंगार (6 मिलीमीटर (मिमी), 8 मिमी, 12 मिमी एवं विगलन, इत्यादि के फिर से रोल करने योग्य) भंडारित करने हेतु पर्याप्त क्षेत्र उपलब्ध कराए जाएं।
- (vi) कम से कम 2 विंच स्थापित करने और कम से कम 2 क्रेन प्रचालित करने हेतु पर्याप्त क्षेत्र उपलब्ध कराया जाएगा।

- (vii) पोत के कटे हुए हिस्सों के प्रसंस्करण हेतु पर्याप्त क्षेत्र उपलब्ध कराया जाएगा।
- (viii) संभावित खतरनाक धुओं एवं अपर्याप्त ऑक्सीजन वाली तंग जगहों में कर्मों के प्रवेश हेतु गैसमुक्त प्रमाणपत्र प्राप्त किया जाएगा, जो कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 36, 41 एवं 112 के अनुसार, कारखाना अधिनियम, 1948 के धारा 2 के खंड (सीए) में यथापरिभाषित सक्षम व्यक्ति जारी करता है। पोत पुनश्चक्रण प्रचालन शुरू होने से पहले यह सुनिश्चित किया जाएगा।
- (ix) संबद्ध अधिनियमों/नियमों के अंतर्गत एलपीजी भंडारण या किसी अन्य दहनशील सामग्री सहित पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारण हेतु संरक्षा दूरी बनाए रखी जाएगी।
- (x) कारखाना अधिनियम, 1948 एवं अन्य संबद्ध अधिनियमों/नियमों के उपबंधों के अनुसरण में यथाअपेक्षित जल भंडारण एवं पंपिंग तथा सुवाहय अग्निशमन उपकरणों, अग्निशमन पोशाकों, तरल फोम, रेत बक्से/बाल्टियों, समस्त पुर्जों सहित अग्निशमन होज़ जैसे अग्निशमन उपकरणों जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।
- (xi) यार्ड पर एस्बेस्टॉस हटाने और उसके प्रहस्तन हेतु निर्मित सुविधा तथा एस्बेस्टॉस प्रहस्तन कर्मियों के नहाने हेतु आवश्यक प्रावधान या उपयुक्त गतिशील प्रहस्तन सुविधा। यह सुविधा पोत पुनश्चक्रणकर्ता एसोसिएशन द्वारा प्रदान की जाएगी। विकल्प के तौर पर, डीजी फसली एवं एसपीसीबी द्वारा विधिवत् अनुमोदित सामान्य एस्बेस्टॉस प्रहस्तन प्रणाली सुविधा ली जा सकती है।
- (xii) केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल के मार्गनिर्देशों के अनुसार खतरनाक अपशेष भंडारित करने हेतु अस्थायी भंडारण सुविधा निर्मित की जाएगी। खतरनाक अपशेषों का पुनश्चक्रण, पुनप्राप्ति एवं निपटान, खतरनाक एवं अन्य अपशेष (प्रबंधन एवं सीमापार परिवहन) नियम, 2016 तथा विकिरणकारी अपशेष का यथाप्रयोज्य परमाणु ऊर्जा (विकिरणकारी अपशेषों का सुरक्षित निपटान) नियम, 1987 के अनुसार होगा।
- (x) श्रमिकों की संरक्षा सुनिश्चित करने हेतु गतिविधियों का कोई अध्यारोपण नहीं होगा।
- (xiv) पोत पुनश्चक्रणकर्ता प्रचालनों हेतु वैयक्तिक संरक्षण उपकरण उपलब्ध कराएगा और उनका उपयोग होना सुनिश्चित करेगा, जिनमें निम्न शामिल होंगे:
- सिर का संरक्षण;
 - चेहरे और आंखों का संरक्षण;
 - हाथ एवं पैर का संरक्षण;
 - श्वसन संरक्षण उपकरण;
 - श्रवण संरक्षण;
 - विकिरणकारी संदूषण से संरक्षण;
 - गिरने से संरक्षण: और
 - उपयुक्त पोशाक
- (xv) प्रत्येक पुनश्चक्रण यार्ड में यथाप्रयोज्य ईईआरबी की अपेक्षाओं के अनुसार विकिरणकारी सामग्री भंडारित करने हेतु पर्याप्त संरक्षा उपायों सहित अस्थायी भंडारण सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए।
- 6.1.2 प्रत्येक पुनश्चक्रणकर्ता कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 40-बी के अनुसार योग्यताप्राप्त संरक्षा अधिकारी नियुक्त करेगा ॥ कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 40-सी(बी) के अनुसार कटिंग प्रचालन सक्षम पर्यवेक्षक की निगरानी में किए जाएंगे। संरक्षा अधिकारी के कर्तव्य, योग्यताएं एवं सेवा शर्तें राज्य सरकार के निर्देशों के अनुरूप होने चाहिए।
- 6.1.3 संरक्षा अधिकारी/संरक्षा पर्यवेक्षक श्रमिकों के लिए सामग्री प्रहस्तन उपकरण और वैयक्तिक संरक्षण उपकरण (पीपीई) उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेगा।

6.1.4 संरक्षा अधिकारी/संरक्षा पर्यवेक्षक यह सुनिश्चित करेगा कि:-

- (i) संरक्षा मार्गनिर्देशों का सुरक्षित दूरी हेतु पालन किया जाता है। विस्फोटक अधिनियम में यथानिर्दिष्ट कटिंग प्रचालन एलपीजी भंडारण क्षेत्र से सुरक्षित दूरी पर किए जाते हैं।
- (ii) कटिंग प्रचालनों के दौरान विस्फोटक एवं ऑक्सीजन मीटर चालू स्थिति में हमेशा उपलब्ध रहते हैं।
- (iii) वास्तविक कटिंग प्रचालनों से पहले तथा इन प्रचालनों के दौरान भी हाइड्रोकार्बन वाष्पों एवं ऑक्सीजन की अनुमेय सीमाओं के मापदंडों का कड़ाई से पालन किया जाता है। परंतु, किसी स्थान/क्षेत्र विशेष में यदि ऑक्सीजन गुणांक का स्तर घटता है या हाइड्रोकार्बन वाष्प का स्तर बढ़ता है, तो उक्त स्थान/क्षेत्र में किए जा रहे कटिंग प्रचालन तुरंत रोक दिए जाएंगे। इसके बाद ऑक्सीजन स्तर अनुमेय सीमाओं के भीतर बनाए रखने हेतु यांत्रिक ब्लोअरों या अन्य किन्हीं कारगर साधनों की सहायता से उक्त क्षेत्र को संवातनयुक्त बनाने के उपाय किए जाएंगे।
- (iv) पोट की डेक पर या कटिंग क्षेत्र के पास भंडारित एलपीजी एवं अन्य गैस सिलिंडरों की संख्या संबंधित अधिनियम/नियमों के उपबंधों के अनुसार हो।
- (v) सिलिंडर एवं अन्य वस्तुएं पोट से फेंकने के बजाय ज़मीन पर सुरक्षित ढंग से उतारे जाते हैं।
- (vi) सभी पाइपलाइनों ठंडी ओपनिंग/कटिंग द्वारा अलग-थलग की गई हों। परंतु पाइपलाइनों से ईंधन रिसने के मामले में, किसी कंटेनर में ईंधन जमा करने के बाद ही उन्हें अलग-थलग किया जाए।
- (vii) कार्यदिवस के आखिरी दो घंटों में जिस क्षेत्र में प्रचालन किया जा रहा हो, उसे पानी की पर्याप्त मात्रा उड़ेलकर या अन्य किन्हीं कारगर साधनों से धोया जाए ताकि दहन/आग लगने की कोई घटना न हो।
- (viii) पोटभंग की प्रगति उचित ढंग से तैयार की गई विवरण पुस्तिका में रोज निरंतर अभिलेखित की जाती हो और सहेजकर रखी जाती हो। जब कभी मांगी जाए, तब विवरण पुस्तिका प्राधिकारियों को प्रस्तुत की जाएगी।

6.1.5 पोटभंग से जुड़े श्रमिकों का कार्य समय इस तरह समायोजित होना चाहिए कि वह सूर्योदय से पहले और सूर्यास्त के बाद तक न हो ताकि लड़ाई और ढुलाई प्रचालनों सहित काटने/तोड़ने से संबद्ध कार्य प्राकृतिक रोशनी में हों। कटिंग प्रचालनों हेतु अधिकतम कार्य समय निम्नानुसार होगा।

- (i) मार्च से अक्टूबर तक के महीनों में – सुबह 7 से शाम 7 बजे तक।
- (ii) नवंबर से फरवरी तक के महीनों में – सुबह 7 से शाम 6 बजे तक।
- (iii) कार्य के अधिकतम साप्ताहिक घंटे एवं दैनिक घंटे कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 51 और 54 के अनुसार होंगे। वयस्कों के कार्य घंटे, साप्ताहिक अवकाश, प्रतिपूरक अवकाश, एवं विश्राम अंतराल, समयोपरि अतिरिक्त वेतन कारखाना अधिनियम के अध्याय-VI के उपबंधों के अनुसार होंगे।
- (iv) कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 41 और 112 के अंतर्गत बनाए गए नियम 68-एच के अनुसार गैर-टैंकर पोतों एवं पेट्रोलियम टैंकरों और स्लॉप टैंकर हेतु, पोट पुनश्चक्रणकर्ता को खुली रोशनी का प्रमाणपत्र (तप्त कार्य अनुज्ञापत्र) प्राप्त करना होगा, जो कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 2 के खंड (सीए) में परिभाषित सक्षम व्यक्ति जारी करता है। पेट्रोलियम एवं विस्फोटक संरक्षा संगठन (पीईएसओ) गैसमुक्त एवं तप्त कार्य हेतु दुरुस्त प्रमाणपत्र जारी करेगा।
- (v) निर्धारित समयावधियों से पहले या बाद तथा अवकाश के दिनों में पोटभंग यार्ड में किसी भी श्रमिक को काम करने की अनुमति नहीं होगी।

6.1.6 IS: 14489 के अनुसार पोट पुनश्चक्रणकर्ता किसी बाहरी एजेन्सी से संरक्षा परीक्षण करवाएगा और इस परीक्षण की पुनरावृत्ति, पर्यावरण संरक्षण (ईपी) अधिनियम, 1986 के तहत बनाए गए खतरनाक रसायन विनिर्माण, भंडारण एवं आयात (एमएसआईएचसी) नियमों के अनुसार होगी।

6.1.7 कारखाना अधिनियम के अंतर्गत औद्योगिक संरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशालय या राज्य सरकार का समकक्ष विभाग भूखंड के नियमित निरीक्षण करेगा तथा कारखाना अधिनियम, 1948 के तहत संपूर्ण संरक्षा प्रबंधन पहलुओं की निगरानी करेगा। यदि अनुपालन में कोई उल्लंघन हो, तो डीआईएसएच कारखाना अधिनियम, 1948 के उपबंधों के अनुसार कारण बताओ नोटिस/चेतावनी/आदेश जारी करेगा, अनुज्ञप्ति रद्द कर देगा और उपबंधों के उल्लंघन हेतु कानूनी कार्यवाई शुरू करेगा। जारी किए गए इस कारण बताओ नोटिस/चेतावनी/आदेश की एक प्रतिलिपि एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी को भेजी जाएगी।

- 6.1.8 व्यावसायिक संरक्षा एवं स्वास्थ्य का प्रबंधन कारखाना अधिनियम, 1948 एवं श्रम कानूनों के उपबंधों के अनुसरण में होगा।
- केवल प्रशिक्षित श्रमिक नियोजित किए जाएंगे।
 - सभी श्रमिकों को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) या समकक्ष मानकों के अनुरूप वैयक्तिक संरक्षण उपकरण (पीपीई) उपलब्ध कराए जाएंगे। सभी प्रचालनों/कार्यों हेतु बीआईएस मानकों वाले वैयक्तिक संरक्षण उपकरण इस्तेमाल किए जाएंगे।
- 6.1.9 तट-स्थापित पोत पर काम करते समय आग बुझाने, और पोत से हटाने तक एम्बेस्टॉस को गीला करने के लिए, तट पर एक अलग वाटर पंप सहित पानी के सुवाह्य होज़ हमेशा उपलब्ध होने चाहिए, जिनके साथ अतिरिक्त होज़ जोड़ने के लिए पर्याप्त निकासी बिंदु भी हों। आपातकाल में सहायता देने के लिए पोत पुनश्चक्रणकर्ता पतन प्राधिकारी/समीपी अन्य किसी उद्योग के साथ समझौता करेगा। काम सुरक्षित ढंग से करने हेतु लागू अधिनियमों एवं नियमों के अनुसार कार्य अनुमति प्रणाली का पालन किया जाएगा। जब तक क्षेत्र किसी विस्फोटक मिश्रण से मुक्त न हो और विस्फोटक मीटर रीडिंग विस्फोटक सीमा से कम न हो, तब तक कोई तत्प कार्य नहीं करने दिया जाएगा। विस्फोटक मीटर की रीडिंग कार्य अनुमति में दर्ज की जाएगी।
- 6.1.10 निम्न क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा और दिए गए कार्यों हेतु श्रमिकों को निम्नानुसार विशेषज्ञता एवं आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किए जाएंगे:-
- उंचाई पर, तंग जगहों में और ज्वलनशील/विषैले/क्षयकारी वातावरण इत्यादि जैसे खतरनाक क्षेत्र/पर्यावरण में काम करते समय अलग कार्य अनुमति जारी की जाएगी। उंचाई पर काम करते समय सुरक्षा बेल्ट/सुरक्षा जाल का उपयोग करना अनिवार्य है।
 - तंग जगहों में काम करना: ऑक्सीजन की मौजूदगी की जांच किए बगैर बंद क्षेत्र में कोई काम नहीं किया जाएगा। तंग जगह में पर्याप्त ऑक्सीजन मीटरों की मौजूदगी और तंग जगह के आसपास ऑक्सीजन टैंक/मास्क का होना अनिवार्य है।
 - ज्वलनशील वातावरण में काम करना-पोत पुनश्चक्रणकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि दहनशील या ज्वलनशील द्रव्यों या गैसों वाली जगहों का संरक्षा अधिकारी/पर्यवेक्षक या अन्य विशिष्ट रूप से प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा दहनशील या ज्वलनशील द्रव्यों की मौजूदगी निर्धारित करने हेतु निरीक्षण करे। पोत पुनश्चक्रणकर्ता यह भी सुनिश्चित करेगा कि जगहों में प्रविष्ट होनेवाले ज्वलनशील वाष्प या गैसों विस्फोटक सीमा से कम हों और पर्याप्त संवातन प्रदान किया गया हो ताकि यह सुनिश्चित हो कि ज्वलनशील वाष्प का संकेंद्रण निम्नतर विस्फोटक सीमा (निम्नतर विस्फोटक सीमा का < 10%) से कम हो और व्यक्ति के प्रवेश हेतु पर्याप्त ऑक्सीजन हो।
 - विषैले, क्षयकारी, जलनकारी या धुआंयुक्त वातावरण या स्थानों में काम करना - पोत पुनश्चक्रणकर्ता यह सुनिश्चित करेगा कि विषैले, क्षयकारी या जलनकारी द्रव्यों, गैसों या ठोस पदार्थों वाली जगहों का संरक्षा अधिकारी/पर्यवेक्षक या अन्य विशिष्ट रूप से प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा जगहों या समीपी जगहों का निरीक्षण करे। वह यह भी सुनिश्चित करेगा कि संबंधित जगहों में श्रमिकों के प्रवेश से पहले सामग्री संरक्षा आंकड़ा पत्र (एमएसडीएस) के अनुसार विषैले, क्षयकारी या जलनकारी पदार्थों की वायु संकेंद्रण अधिकतम सीमा मान (टीएलवी) से कम रहे।
 - गैस कटिंग हेतु, पुनश्चक्रणकर्ता गैस कटिंग कार्य हेतु प्रमाणित श्रमिक ही नियोजित करेगा। विषैला धुआं श्वसन में रोकने के लिए गैस कटर्स को उपयुक्त मास्क और अन्य पर्याप्त पीपीई उपलब्ध कराए जाएंगे।
 - क्रेन प्रचालन हेतु: क्रेनों एवं लिफ्टिंग टैकल्स के निरीक्षण एवं परीक्षण अभिलेख वैधानिक नियमों के अनुसार रखे जाएंगे और क्रेन प्रचालकों को उपयुक्त पीपीई उपलब्ध कराए जाएंगे। भारी सामान उठाते समय निरंतर एवं पर्याप्त पर्यवेक्षण प्रदान किया जाएगा। केवल वही लिफ्टिंग मशीनें, तार रस्से और लिफ्टिंग टैकल्स इस्तेमाल किए जाएंगे, जो कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 2 (सीए) के अनुसार किसी व्यक्ति द्वारा परीक्षित एवं प्रमाणित तथा डीआईएसएच द्वारा अनुमोदित हों। कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 29 के अनुसार यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सामग्री प्रहस्तन उपकरण सुरक्षित हों।
 - एम्बेस्टॉस अपशेषों एवं एम्बेस्टॉसयुक्त सामग्रियों (एसीएम) के प्रहस्तन हेतु विशिष्ट ठेकेदारों को ही आबद्ध किया जाएगा। एम्बेस्टॉस धूल एवं रेशे को हटाने और इसके प्रहस्तन का कार्य गीली स्थिति में किया जाएगा। तट पर, एम्बेस्टॉस हटाने का काम ऋणात्मक दबाव वाले बंद घेरों में किया जाएगा, जिसमें उत्सर्जित वायु एवं अपशिष्ट जल हेतु फिल्टर लगे हों। इन घेरों के संबंध में सभी लागू संरक्षा मानकों एवं उपायों का पालन किया जाएगा।

- (h) "विशिष्ट ध्यान वाले पोतों" हेतु, जब एस्बेस्टॉस/एसीएम की मात्राएं विशेष चिंता का विषय हों, पोत के एस्बेस्टॉस/एसीएम हटाने को विशेष महत्व दिया जाएगा और पोत पर एस्बेस्टॉस गीली स्थिति में हटाना अनिवार्य होगा तथा उपयुक्त पीपीई का इस्तेमाल भी किया जाएगा।
- (i) हटाए गए एस्बेस्टॉस एवं एसीएम शीटों/पैनलों के टूटे हुए टुकड़े रिसावहीन पैकेटों में पैक किए जाएंगे तथा सुरक्षित कचरागाहों में ठिकाने लगाए जाएंगे, जहां पैकेटों का प्रहस्तन एवं संसाधन एसपीसीबी नियमों के अनुसार किया जाएगा। प्राप्त एवं प्रयोज्य एसीएम शीटों/पैनलों को कानून की अनुमति अनुसार बेच दिया जाएगा।
- (j) एस्बेस्टॉस हटाने या प्रहस्तन के कार्य में लगे सभी श्रमिकों को मास्क या श्वसनयंत्रों जैसे पीपीई उपलब्ध कराए जाएंगे।
- (k) वातावरण में एस्बेस्टॉस रेशा संकेन्द्रणों पर एसपीसीबी द्वारा नियमित रूप से निगरानी रखी जाएगी।
- (l) एस्बेस्टॉस हटाने का काम विशिष्ट ठेकेदारों को दिया जाएगा और समय-समय पर उनके कामकाज का मूल्यांकन किया जाएगा।
- (m) एस्बेस्टॉस प्रहस्तन के कार्यों में केवल प्रशिक्षित श्रमिक नियोजित किए जाएंगे।
- (n) विकिरणकारी पदार्थों के प्रहस्तन हेतु, आईआरबी के मार्गनिर्देशों/अनुदेशों का पालन किया जाएगा।

6.2 पोतभंग हेतु अनुमति

6.2.1 तोड़ने/काटने की अनुमति हेतु पुनश्चक्रणकर्ता निम्न प्रकार के संबद्ध दस्तावेजों सहित पत्तन प्राधिकारी को आवेदन करेगा:

- (i) मामले के अनुसार कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) या श्रमिक प्रतिपूर्ति अधिनियम के अनुसार श्रमिकों का पंजीकरण।
- (ii) संभावित खतरनाक धुओं एवं अपर्याप्त ऑक्सीजन वाली तंग जगहों में कर्मियों के प्रवेश हेतु गैसमुक्त प्रमाणपत्र, जो कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 36, 41 एवं 112 के अनुसार, कारखाना अधिनियम, 1948 के धारा 2 के खंड (सीए) में यथापरिभाषित सक्षम व्यक्ति जारी करता है।
- (iii) सभी बंकर टैंकों से बचा हुआ तेल हटाने का साक्ष्य
- (iv) तट-स्थापना हेतु सीमाशुल्क मंजूरी की प्रतिलिपि
- (v) एसपीसीबी से संदूषणहीनता प्रमाणपत्र की प्रतिलिपि

6.2.2 गैस कटिंग प्रचालन की अनुमति हेतु आवेदन करने से पहले, पोत पुनश्चक्रणकर्ता को अग्निशमन हेतु बिजली आपूर्ति सहित कम से कम दो कारगर अग्निशमन पंप स्थापित करने होंगे तथा पोत पर अग्निशमन पंपों को हमेशा बिजली की आपूर्ति तथा पर्याप्त जल संग्रह या जल आपूर्ति सुनिश्चित करनी होगी।

परंतु इंजन कक्ष के पूरी तरह अलग-थलग करने तक, उपर्युक्त में से एक अग्निशमन पंप फोम एवं सूखे पाउडर सहित इंजन कक्ष के पास हमेशा कारगर स्थिति में स्थापित होना चाहिए।

इसके अलावा कम से कम एक सुवाह्य अग्निशमन यंत्र हमेशा कारगर स्थिति में प्रत्येक कटिंग स्थल के पास स्थापित होना चाहिए।

6.2.3 यदि पत्तन प्राधिकारी इससे संतुष्ट है कि पोत पुनश्चक्रणकर्ता ने व्यावसायिक संरक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रबंधन हेतु सभी उपबंधों का पालन किया है, तो वह अधिकतम तीन कार्य दिनों के भीतर कटिंग प्रचालनों हेतु अनुमति दे सकता है। यदि कोई कमियां पाई जाती हैं, तो 48 घंटों के भीतर लिखित रूप से वे संप्रेषित की जाएंगी ताकि आवश्यक सुधार करने के बाद पोत पुनश्चक्रणकर्ता फिर से अपना अनुरोध प्रस्तुत कर सके।

6.3 श्रमिकों के प्रशिक्षण एवं वैयक्तिक संरक्षक उपकरण के उपयोगों एवं अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं हेतु विशिष्ट अनुदेश:

6.3.1 पोत पुनश्चक्रण से संबद्ध कोई कार्य प्रत्यायोजित करने/सौंपने से पहले, श्रमिकों को सुरक्षित पोतभंग के सामान्य कार्य तथा भूखंड में किए जानेवाले विशिष्ट कार्यों में भी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

6.3.2 प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर इस प्रशिक्षण का पुनश्चक्रण प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा। उन्हें यह प्रशिक्षण उन्हें समझ में आने वाली भाषा में तब तक दिया जाएगा, जब तक वे पोत पुनश्चक्रण प्रचालनों के ज्ञान एवं जोखिम घटकों से पूरी तरह परिचित नहीं हो जाते और आवश्यक परीक्षा देने पर प्रमाणपत्र प्राप्त नहीं कर लेते। प्रशिक्षण में कार्य से संबद्ध खतरों तथा आपातकालीन स्थितियों में

किसी व्यक्ति की भूमिका पर भी गौर किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम में एसएमबी/पत्तन प्रहस्तन विकिरणकारी अपशेष हेतु विकिरणकारी सामग्री एवं विकिरण खतरे से परिचित भी कराना चाहिए। इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का पाठ्यक्रम एसपीसीबी/आईआरबी/पत्तन प्राधिकारियों की सिफारिशों के अनुसार होना चाहिए। पोत पुनश्चक्रण से संबद्ध कोई कार्य सौंपने से पहले राज्य समुद्रीय मंडलों/पत्तन प्राधिकारियों द्वारा इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए:

- (i) कारखाना अधिनियम 1948 एवं इसके तहत बनाए गए नियमों के अंतर्गत अनुबंधों के अनुसरण में भूखंड पर कार्यरत श्रमिकों का एक उपस्थिति रजिस्टर बनाया जाएगा।
- (ii) संबंधित नियमों के अनुसरण में, पत्तन प्राधिकारियों/एसएमबी द्वारा अनुमोदित तरीके से पोत पुनश्चक्रणकर्ता श्रमिकों को वैयक्तिक विवरण वाले फोटो पहचानपत्र जारी करेगा और पोत पुनश्चक्रणकर्ता श्रमिकों के प्रवेश एवं निकासी के उचित अभिलेख रखेगा।
- (iii) संबंधित नियमों के अनुसार, अपेक्षित योग्यता एवं अनुभव-प्राप्त संरक्षा पर्यवेक्षक नियुक्त किया जाएगा।
- (iv) संबद्ध पोत पुनश्चक्रण गतिविधि में उपर्युक्त 4.2.2 (ii) के उल्लेखानुसार, पहचानपत्र जारी किए गए केवल प्रशिक्षित एवं पंजीकृत श्रमिकों को ही नियोजित किया जाएगा।
- (v) पोत पुनश्चक्रण गतिविधि में कम से कम दो नियोजित श्रमिक गैस संसूचकों के उपयोग में प्रशिक्षित होने चाहिए।
- (vi) एस्बेस्टॉस का प्रहस्तन ठेकेदारों या एस्बेस्टॉस प्रहस्तन का विशिष्ट ज्ञान एवं कुशलता रखनेवाले उचित रूप से प्रशिक्षित श्रमिकों द्वारा ही किया जाना चाहिए।
- (vii) भूखंड पर समय-समय पर निर्दिष्ट क्रेन, विंच, चेन रोप एवं शैकल्स, जनरेटर सेट एवं अन्य संरक्षा उपकरणों जैसे सभी उपकरण, कारखाना अधिनियम, 1948 एवं उसके तहत बनाए गए नियमों एवं अन्य संबद्ध अधिनियम(मों) एवं नियमों के उपबंधों के अनुसरण में स्थापित एवं अनुरक्षित किए जाने चाहिए।
- (viii) ज्वलनशील एवं विषैली गैस के संसूचक नियमित रूप से अंशांकित किए जाएंगे ताकि उपयोग करने पर वे सही मान बताएं तथा भूखंड में हमेशा कारगर स्थिति में एक ऑक्सीजन प्रतिशत विश्लेषक उपलब्ध होना चाहिए।
- (ix) संबद्ध अधिनियमों एवं नियमों के प्रावधानों के अनुसार श्रमिकों को हेलमेट, सुरक्षा जूते, वेल्डिंग चष्म, सुरक्षा लाइफ लाइन, सुरक्षा बेल्ट, दस्ताने, संपूर्ण श्वसन उपस्कर इत्यादि जैसे पीपीई उपलब्ध कराने चाहिए और ये सुरक्षा उपकरण संबंधित भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) या मुख्य कारखाना निरीक्षक (संबद्ध राज्य सरकार के औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशालय) द्वारा अनुमोदित समकक्ष मानकों के होने चाहिए तथा उक्त गतिविधियों में श्रमिक इनका अनिवार्यतः उपयोग करेंगे।
- x) पोत पुनश्चक्रण गतिविधियों में लगे श्रमिकों को, भूखंड पर स्थापित एवं अनुरक्षित अग्निशमन एवं सुरक्षा उपकरण की उपलब्धता एवं उपयोग के बारे में सुरक्षा अधिकारी/सुरक्षा पर्यवेक्षक द्वारा आवश्यक अनुदेश दिए जाने चाहिए और यह सुनिश्चित भी करना चाहिए कि ये अनुदेश श्रमिकों को वास्तविक कार्य सौंपने से पहले ही दिए जाएं।
- xi) पोत पुनश्चक्रण गतिविधियों में लगे श्रमिकों को, आपातकाल एवं बचाव योजना के बारे में आवश्यक अनुदेश, जानकारी एवं प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ताकि आपात स्थिति आने पर इनका सुचारु ढंग से पालन हो सके।
- xii) शीत नियंत्रण कक्ष को अलग-थलग करने तथा सिलिंडरों से CO₂ निकालते समय समुचित सावधानी बरतनी चाहिए और यह कि -
 - a) ये प्रचालन तब करने चाहिए जब आसपास के क्षेत्र में कोई अन्य कार्य न चल रहा हो, तथा
 - b) ये प्रचालन सुरक्षा अधिकारी/पर्यवेक्षक की मौजूदगी और उनके अनुदेशों के अनुसार ही किए जाने चाहिए।

6.4 पर्यावरणीय अनुपालन

6.4.1 नयी सुविधाओं की योजना बनाते समय, जल एवं वायु अधिनियम, खतरनाक अपशेष (प्रबंधन, प्रहस्तन एवं सीमापार परिवहन) नियमावली 2008, तथा संबंधित पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन एवं तटीय विनियम क्षेत्र अधिसूचनाओं की अपेक्षाओं के अनुसार पोत पुनश्चक्रणकर्ताओं को पर्यावरण का कड़ाई से अनुपालन करना चाहिए। इसके साथ निम्न भी सुनिश्चित किया जाएगा:-

- (i) भूखंड/यार्ड को साफ-सुथरा रखते हुए हमेशा उत्तम गृहव्यवस्था बनाए रखनी चाहिए।
- (ii) खतरनाक अपशेष (प्रबंधन, प्रहस्तन एवं सीमापार परिवहन) नियमावली 2008, तथा समय-समय पर जारी संशोधनों के अंतर्गत एसपीसीबी द्वारा यथाप्राधिकृत सभी भूखंड धारकों को अस्थायी भंडारण निर्मित करना चाहिए।
- (iii) प्रत्येक भूखंड धारक को एस्बेस्टॉस वाली सामग्रियों (एसएम) एवं एस्बेस्टॉस अपशेषों के प्रहस्तन की सुविधा प्रदान करनी चाहिए, जिसके साथ विशिष्ट रूप से निर्मित ऋणात्मक दबाव वाले कक्ष सहित प्रशिक्षित श्रमिक उपलब्ध होने चाहिए तथा उन्हें हटाने के लिए सामान्य गतिशील सुविधा होनी चाहिए। पोत के पुनश्चक्रण में एस्बेस्टॉस रेशे का संकेंद्रण निर्धारित नियमों के अनुसार होना चाहिए अर्थात् नीले एवं भूरे एस्बेस्टॉस हेतु 0.1 रेशा प्रति घन सेंटीमीटर से कम तथा ओएसएचए मानकों के अनुसार 1 रेशा प्रति घन सेंटीमीटर से कम हो। वैकल्पिक रूप से, भूखंड धारकों को डीजी फसली एवं एसपीसीबी द्वारा यथाअनुमोदित सामान एस्बेस्टॉस प्रहस्तन प्रणाली का उपयोग करना चाहिए।
- (iv) प्रत्येक भूखंड धारक को एसपीसीबी द्वारा प्राधिकृत संसाधन, भंडारण एवं निपटान सुविधा (टीडीएसएफ) का सदस्य बनना चाहिए, ताकि वे अपने अपशेष तदनुसार ठिकाने लगा सकें।
- (v) प्रत्येक भूखंड धारक को उत्पन्न हर प्रकार के अपशेष के परिकलन हेतु रजिस्टर रखने चाहिए। तदनुसार पोत पुनश्चक्रणकर्ता को सभी अपशेष श्रेणियों हेतु पोतवार रजिस्टर रखना चाहिए।
- (vi) एसएमबी के प्रचालक होने पर, पोत पुनश्चक्रणकर्ता को टीएसडीएफ प्रचालक/एसएमबी को ठिकाने लगाई गई अपशेषों की वास्तविक मात्राओं के आधार पर अपशेष प्रबंधन शुल्क का भुगतान करना चाहिए।
- (vii) लंगर स्थल से पोत पुनश्चक्रण भूखंडों तक किसी तेल बिखराव से निपटने के लिए विक्रेता/पोत पुनश्चक्रणकर्ताओं को एक स्थानीय तेल बिखराव आकस्मिक योजना तैयार करनी चाहिए। तेल बिखराव आकस्मिक योजना भारतीय तटरक्षक दल द्वारा अनुमोदित होनी चाहिए।
- (viii) समय-समय पर पर्यावरणीय निगरानी हेतु पोत पुनश्चक्रणकर्ताओं को नियामक प्राधिकारियों को अपना सहयोग देना चाहिए, जिसमें मानवशक्ति, उपकरण, पोत एवं यदि आवश्यक हो तो वित्तीय सहायता शामिल हैं।
- (ix) नये भूखंडों या यार्डों के विकास हेतु, एसएमबी या पत्तन न्यासों/पत्तन प्राधिकारियों के जरिए पोत पुनश्चक्रणकर्ता को ईआईए अधिसूचना-2006 के तहत पर्यावरणीय मंजूरी एवं सीआरज़ेड अधिसूचना-1991 के तहत तटीय विनियम क्षेत्र (सीआरज़ेड) मंजूरी प्राप्त करनी होगी।
- (x) एसपीसीबी खतरनाक अपशेष इत्यादि के प्रबंधन एवं प्रहस्तन पर निगरानी रखेगी। पोत की मुख्य वस्तुएं एवं निपटान विकल्पों सहित ध्यान देने योग्य पदार्थ निम्नानुसार हैं:-

क्र. सं.	पोत की ध्यान देने योग्य पदार्थों वाली मुख्य वस्तुएं	ध्यान देने योग्य पदार्थ	ध्यान देने योग्य पदार्थों के उपयुक्त निपटान विकल्प (पुनःउपयोग/ पुनश्चक्रण/भस्मीकरण उपचार एवं सुरक्षित कचरागाह में निपटान)
1	बिजली के उपकरण उदा. ट्रांसफॉर्मर, बैटरियां, संचय यंत्र	पॉलिक्लोरीनयुक्त बायफिनाइल (पीसीबी) लेड वाले द्विविद्युतीय द्रव्य/प्रयोगहीन बैटरियों में इलेक्ट्रोलाइट	स्थिरीकरण/ठोसकरण के बाद सुरक्षित कचरागाह में भस्मीकरण/निपटान प्राधिकृत टीएसडीएफ में किया जाएगा जबकि प्रयुक्त अम्ल बैटरियों एवं/या अन्य लेडयुक्त अपशेष का पुनश्चक्रण खतरनाक एवं अन्य अपशेष (प्रबंध एवं सीमापार परिवहन) नियमावली, 2016 के तहत प्राधिकृत पुनश्चक्रणकर्ताओं के जरिए किया जाएगा।
2	वातानुकूलक एवं प्रशीतन मशीनें	ओज़ोन अवक्षयी पदार्थों के वाष्पीकारक भरण के रूप में अवशिष्ट प्रशीतक/डिस्कलिंग अम्ल.	सभी विद्युतीय एवं विद्युतयांत्रिक अपशेषों का पुनश्चक्रण ई-अपशेष (प्रबंधन) नियमावली, 2016 के तहत ई-अपशेष पुनश्चक्रणकर्ताओं के जरिए किया जाएगा।
3	टैंक	ईंधन, स्नेहक, मैला तेल एवं ग्रीस	पुनःउपयोग, परिशोधन/पुनश्चक्रण एचडब्ल्यू नियमावली, 2016 के तहत एसपीसीबी द्वारा प्राधिकृत पुनश्चक्रणकर्ताओं के जरिए होगी एवं अवशिष्ट का निपटान किसी प्राधिकृत सुविधा में होगा।

		बेलास्ट टैंक तलछटों में बाहरी जलीय तत्व	बिल्ज पानी का संसाधन एवं निपटान। गहरे समुद्रों में बेलास्ट पानी का विनिमय।
4	विभाजक दीवारें	एस्बेस्टॉसयुक्त सामग्रियों (एसीएम), रंग-रोगन वाले पीसीबी एवं/या लेड या टूटे हुए टुकड़ों वाले एसीएम	पुनःउपयोग योग्य सामग्री पुनःउपयोग हेतु बेची जाएगी। तांबायुक्त अपशेष का पुनश्चक्रण प्राधिकृत पुनश्चक्रणकर्ताओं द्वारा तथा गैर-पुनश्चक्रण सामग्री का निपटान प्राधिकृत टीएसडीएफ के जरिए किया जाएगा।
5	तारें	आवरणयुक्त तांबे की तारें	तांबायुक्त अपशेष के पंजीकृत पुनश्चक्रणकर्ता को दिया जाना चाहिए और आवरण सामग्री को टीएसडीएफ के जरिए ठिकाने लगाना चाहिए
		अन्य तारें	पुनःउपयोग हेतु बेचना। आवरण सामग्री को टीएसडीएफ के जरिए ठिकाने लगाना चाहिए
6	ताप विनिमयकारक	सतहों पर एस्बेस्टॉस आवरण	स्थिरीकरण/ठोसकरण के बाद एस्बेस्टॉस का किसी प्राधिकृत सुरक्षित कचरागाह में निपटान
7	रसायनों हेतु सुविधाएं	विषैले रसायनों/ के पुनष्कारकों के अवशिष्ट	परिशोधन के बाद सुरक्षित कचरागाह में भस्मीकरण/निपटान
8	भंडारित विलायक एवं अन्य रासायनिक भंडार	विषैले रसायनों, विलायकों, थिन्नर्स, घासलेट, सफेद स्पिरिट, जल परिशोधक रसायन के अवशिष्ट। एसिटीलीन/प्रोपेन/ब्यूटेन/विवध दवाएं	विलायकों की पुनर्प्राप्ति/पुनश्चक्रण एचडब्ल्यू नियमावली, 2016 के तहत प्राधिकृत पुनश्चक्रणकर्ताओं के जरिए होगी एवं गैर-पुनश्चक्रण अवशिष्ट का निपटान यथाअपेक्षित स्थिरीकरण हेतु परिशोधन के बाद प्राधिकृत टीएसडीएफ के जरिए होगा।
9	रंग-रोगन भंगार	पीसीबी, ट्रायब्यूटिल्टिन, सीसा	केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल द्वारा निर्दिष्ट मार्गनिर्देशों के अनुसार सुरक्षित कचरागाह (एसएलएफ) में निपटान।
10	फेंकने योग्य एनोड्स	भारी धातुएं	पुनःउपयोग, पुनश्चक्रण और पुनर्प्राप्ति की जाएगी जबकि गैर-पुनश्चक्रण अवशिष्ट का निपटान पूर्व-परिशोधन या स्थिरीकरण के बाद प्राधिकृत टीएसडीएफ के जरिए होगा।
11	अग्निशमन एवं अग्निशमन उपकरण	हैलॉन, CO ₂ सिलिंडर	पुनःउपयोग हेतु पुनर्प्राप्ति एवं संग्रहण प्राधिकृत सुविधाओं के जरिए पुनश्चक्रण; पुनश्चक्रण/पुनःउपयोग
12	पाइपिंग, वाल्व एवं फिटिंग्स	आवरण/गास्केट्स के रूप में एस्बेस्टॉस	ठोसकरण/स्थिरीकरण के बाद एसएलएफ में निपटान
13	पंप एवं संपीडक	गास्केट्स में एस्बेस्टॉस	ठोसकरण/स्थिरीकरण के बाद सुरक्षित कचरागाह (एसएलएफ) में निपटान
14	इंजिन एवं जनरेटर	एस्बेस्टॉस आवरण, स्नेहकों/तेलों/प्रशीतकों एवं प्रशीत-रोधी यौगिकों के अवशिष्ट	ठोसकरण/स्थिरीकरण या भस्मीकरण के बाद सुरक्षित कचरागाह (एसएलएफ) में निपटान; परिशोधन के बाद सुरक्षित कचरागाह (एसएलएफ) में निपटान; प्रशीतकों हेतु एसएलएफ में पूर्व-परिशोधन एवं निपटान
15	तेल स्लम्प	तलछटें	सामान्य खतरनाक अपशेष भस्मीकरण के जरिए निपटान हेतु प्राधिकृत टीएसडीएफ को भेजना।
16	हाइड्रोलिक प्रणाली	अवशिष्ट द्रव्य, प्रशीत-रोधी द्रव्य	पंजीकृत/प्राधिकृत इकाइयों के जरिए पुनःपरिशोधन।

17	बतियों की फिटिंग्स एवं फिक्सचर्स	पीसीबी	अपशेष सामग्री सुरक्षित कचरागाह (एसएलएफ) में
18	यंत्र	पारा, आयनीकारक विकिरण आधारित धुआं संसूचक एवं द्रव्य स्तर निदर्शक सहित विकिरणकारी सामग्रियां	आसवन द्वारा पारे की पुनर्प्राप्ति एवं एचडब्ल्यू नियमावली, 2016 के तहत अनुमत सुविधाओं द्वारा पुनर्प्राप्त पारे का पुनःउपयोग

(xi) एसपीसीबी खतरनाक अपशेष इत्यादि के प्रबंधन एवं प्रहस्तन पर निगरानी रखेगा। पोत की मुख्य वस्तुएं एवं निपटान विकल्पों सहित ध्यान देने योग्य पदार्थ निम्नानुसार हैं:- सभी पोतभंग इकाइयों में चूषण उपस्करों या जल फव्वारों जैसी वायु प्रदूषण प्रणालियां उपलब्ध कराई जाएंगी।

(xii) प्रत्येक भूखंड धारक अनुशोषक बूम, अनुशोषक पैड, एवं अवशोषक शीट्स सहित बुनियादी तेल बिखराव प्रतिक्रिया संसाधन अनुरक्षित करेगा, जो भूखंड में पुनश्चक्रित किए जा रहे पोत से किसी बिखराव से निपटने हेतु पर्याप्त मात्रा में होंगी।

6.4.2 उपर्युक्त सूची अनुसार पुनर्बिक्री न की जानेवाली खतरनाक सामग्रियां, अनुवर्ती परिशोधन एवं निपटान हेतु प्राधिकृत अपशेष प्रबंधन सुविधा को सौंप दी जाएंगी। सभी पोतभंग इकाइयों ई-अपशेष (प्रबंधन) नियमावली, 2016 के अंतर्गत प्राधिकार-पत्र प्राप्त करेंगी।

6.4.3 उपर्युक्त के अलावा, राष्ट्रीय परिव्राती वायु गुणवत्ता मानकों पर सीपीसीबी की अधिसूचना के अनुसार मापन लेने हेतु एसपीसीबी पोतभंग इकाइयों के 10किमी के दायरे में परिव्राती वायु गुणवत्ता निगरानी केन्द्र स्थापित करेगा। इसके अलावा, पोतभंग क्षेत्रों में एसपीसीबी मृदा, तलछट गुणवत्ता, कार्यक्षेत्र वायु गुणवत्ता एवं समुद्री जल गुणवत्ता की आवधिक निगरानी भी करेगा। एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी वर्ष में दो बार इसकी स्वतंत्र रूप से निगरानी करेगा, जो वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) प्रयोगशालाओं या इन्हीं आयामों हेतु पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1985 के अंतर्गत मान्यताप्राप्त पर्यावरणीय प्रयोगशालाओं के जरिए होगी। इसके अलावा, एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी तट-स्थापना पद्धतियों के सुधार पर एक विस्तृत विश्लेषण करेगी, जिसके साथ प्रत्येक पांच वर्ष की अवधि पर "शून्य अपशेष" एवं "शून्य दुर्घटनाएं" के लक्ष्य पाने हेतु इन पद्धतियों का विकास करना अनिवार्य होगा।

6.5 खतरनाक सामग्रियां एवं खतरनाक अपशेष हटाने, भंडारित करने एवं ठिकाने लगाने हेतु सुविधाओं का निर्माण/संवर्धन:

6.5.1 स्थानीय पर्यावरण में सेरेसिन जीवों के प्रवेश से बचने हेतु गहरे समुद्रों में बेलास्ट पानी का विनिमय करना ज़रूरी होता है। तलछटें सामान्यतः यार्ड/ज्वारीय क्षेत्र में ठिकाने लगाई जाती हैं। इससे बचने के लिए, पोत का मास्टर यह सुनिश्चित करेगा कि तलछटें भी बेलास्ट पानी के साथ संपूर्ण मात्रा को विलोदकर ठिकाने लगा दी जाएं। वैकल्पिक रूप से, तलछटों के लिए यार्ड में प्राप्ति सुविधा होनी चाहिए, जो तट-वसूली आधार पर पत्तन प्राधिकारी/एसएमबी या प्राधिकृत एजेन्सियों द्वारा स्थापित की जाएंगी। पोत का मास्टर यह कार्य पूरा करने का एक प्रमाणपत्र जारी करेगा।

6.5.2 श्रमिकों के अस्वास्थ्यकारी एवं असुरक्षित पर्यावरण में प्रभावित होने से बचने हेतु तल तलछट हटाने के तरीके आधुनिक बनाए जाएंगे। यार्ड टैंक की अंदरूनी सतहें साफ करने हेतु गतिशील टैंक सफाई प्रणालियों का उपयोग करेगा, जिसमें धुलाई पाउडर एवं उच्च दबाव जेट्स के उपयोग से आधुनिक तरीके अपनाए जाएंगे।

6.5.3 एस्बेस्टॉस हटाने और ठिकाने लगाने के लिए उपर्युक्त भाग 6. 1.10 (g), (h) (i), (j), (k), (l) और (m) में दी गई प्रक्रिया का पालन किया जाएगा।

6.5.4 बिल्ज पानी के परिशोधन हेतु एक सामान्य ज़मीनी सुविधा पत्तन प्राधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत एजेन्सियों द्वारा स्थापित की जाएगी और शुल्क वसूलने के आधार पर पुनश्चक्रणकर्ताओं को उपलब्ध कराई जाएगी। वैकल्पिक रूप से, पत्तन प्राधिकारी या प्राधिकृत एजेन्सियों द्वारा एक गतिशील सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। तलछटें निपटान हेतु सुरक्षित कचरागाह में भेजी जाएंगी।

6.5.5 भूखंड/यार्ड/अक्रिय क्षेत्र में कोई भी सामग्री जलाई नहीं जाएगी।

6.5.6 पोत पुनश्चक्रण अनुमति निम्न शर्तों पर दी जाएगी:

(i) पोतभंग के दौरान उत्पन्न अपशेष को खतरनाक एवं गैर-खतरनाक श्रेणियों में अलग-थलग किया जाएगा और संबंधित प्राधिकारी को उनकी मात्राएं सूचित की जाएंगी।

(ii) पोतभंग प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न अपशेष मैला तेल एवं अन्य खनिज तेल और रंग-रोगन पपड़ियों की समूची मात्रा सावधानीपूर्वक हटाई जाएगी तथा सुरक्षित परिशोधन एवं निपटान हेतु तुरंत तट से बाहर के क्षेत्रों में भेजी जाएगी।

- (iii) पोतभंग के दौरान उत्पन्न खतरनाक एवं गैर-खतरनाक श्रेणियों में विभाजित सामग्रियों की सूची समय-समय पर निर्धारित प्रपत्र में एसपीसीबी को प्रस्तुत की जाएगी।
- 6.5.7 पोतों से निकाले गए सभी गैस सिलिंडर उपयुक्त विनियमों के अनुसरण में ठिकाने लगाए जाएंगे।
- 6.6 पर्यावरणीय उपाय एवं गृहव्यवस्था
- 6.6.1 पोत पुनश्चक्रण गतिविधियों हेतु पोत पुनश्चक्रणकर्ता राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (एसपीसीबी) से आवश्यक प्राधिकार-पत्र प्राप्त करेगा और उस संबंध में निम्नलिखित निर्देशों का पालन करेगा:-
- पोत पुनश्चक्रणकर्ता यथाप्रयोज्य जल अधिनियम, 1974, वायु अधिनियम, 1981, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 खतरनाक अपशेष (प्रबंधन, प्रहस्तन एवं सीमापार परिवहन) नियमावली 2008, तथा पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत बनाए गए तटीय विनियम क्षेत्र (सीआरज़ेड) नियमावली-1991 के सभी नियमों/निर्देशों का पालन करेगा।
 - पोत पुनश्चक्रणकर्ता तेल केक, जलीकृत/ठोस सीमेंट, थर्माकोल के टुकड़ों, लकड़ी/रबर के टुकड़ों, लौह भंगार एवं अन्य धातुओं के टुकड़े, कांच, ऊन, रबर के पाइप एवं गास्केट, पॉली विनाइल क्लोराइड (पीवीसी) पाइपलाइनों तथा पीवीसी शीट्स के टुकड़ों, कॉक, एस्बेस्टॉस टुकड़ों इत्यादि जैसी व्यर्थ अकार्बनिक वस्तुएं तथा अपशेष सामग्रियां खुले समुद्र में या समुद्र तट पर नहीं फेंकेगा तथा यह सुनिश्चित करेगा कि ऐसी सामग्री को भूखंड में ही सुरक्षित रूप से भंडारित किया जाए और बाद में सुरक्षित कचरागाह में भेजा जाए। प्रत्येक पुनश्चक्रित पोत हेतु यार्ड में उत्पन्न इन अपशेषों की मात्राओं के अभिलेख रखे जाएंगे। पोत पुनश्चक्रण यार्ड में या उसके बाहर कोई भी खतरनाक अपशेष किसी भी हाल में जलाया नहीं जाएगा।
 - एस्बेस्टॉस, सीसा (Pb), क्रोमियम (Cr) इत्यादि जैसी विषैली सामग्रियां और पॉलिक्लोरीनयुक्त बायफिनाइल (PCBs) जैसी कार्बनिक सामग्रियां एकत्रित करने एवं ठिकाने लगाने के लिए पोत पुनश्चक्रणकर्ता राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (एसपीसीबी) द्वारा जारी अनुदेशों का कड़ाई से पालन करेगा।
 - तेल टैंकों के कार्गो अवशेष हटाने के बाद पोत पुनश्चक्रणकर्ता किसी रेत एवं महीन पाउडर को अलग से एकत्रित करेगा तथा एसपीसीबी के निर्देशों के अनुसरण में उन्हें सुरक्षित रूप से कचरागाह में ठिकाने लगाएगा।
 - सामग्री प्रहस्तन के कारण उत्पन्न धूल कम करने के लिए पोत पुनश्चक्रणकर्ता कार्यक्षेत्र पर रोज समुद्री पानी का छिड़काव करेगा।
 - पोत पुनश्चक्रणकर्ता समुद्र में तेल या हानिकारक द्रव पदार्थों का बहाव रोकने के आवश्यक उपाय करेगा। यदि कोई भी तेल या हानिकारक द्रव पदार्थ बिखरकर समुद्र में बहने की घटना होती है, तो पोत पुनश्चक्रणकर्ता तटरक्षक दल एवं अन्य संबंधित प्राधिकारियों को सूचित करेगा और समुद्र की सतह पर फैली तेल या हानिकारक द्रव पदार्थ की परतें हटाने की आवश्यक कार्रवाई करेगा। यदि बिखराव समेटा नहीं जाता और वहीं पर हटा दिया जाता है तो राष्ट्रीय तेल बिखराव विपदा आकस्मिक योजना (एनओएसडीसीपी) के अनुसरण में आवश्यक प्रदूषण रिपोर्ट तैयार करके संबंधित प्राधिकारी को दी जाएगी। इसे साफ करने का दायित्व पोत पुनश्चक्रणकर्ता पर होगा।
 - पोत पुनश्चक्रणकर्ता धुआं संसूचक हटाने एवं सोंपने के विवरण रखना सुनिश्चित करेगा तथा आईआरबी नियमों के अनुसार सुरक्षित निपटान हेतु उन्हें एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी को सुपुर्द करेगा।
- 6.7 ठोस अपशेष प्रबंधन
- 6.7.1 भूखंड से उत्पन्न ठोस अपशेष एकत्रित, परिवहित, भंडारित करने एवं ठिकाने लगाने हेतु भूखंड में एक आधुनिक ठोस अपशेष प्रबंधन प्रणाली स्थापित की जाएगी, जो समय-समय पर संबंधित एसपीसीबी द्वारा जारी प्राधिकार-पत्र की शर्तों के अनुसरण में होगी।
- 6.7.2 एस्बेस्टॉस अपशेषों के प्रहस्तन में विशिष्ट सावधानी बरती जाएगी और ऐसे अपशेष की कुल मात्रा संबंधित प्राधिकारियों को सूचित की जाएगी। संबंधित एसपीसीबी एस्बेस्टॉस अपशेष का अंतिम निपटान प्राधिकृत एवं सुनिश्चित करेगा।
- 6.7.3 खतरनाक अपशेष (प्रबंधन, प्रहस्तन एवं सीमापार परिवहन) नियमावली 2008 के तहत संबंधित एसपीसीबी पोत पुनश्चक्रणकर्ताओं को तभी प्राधिकार-पत्र देगा जब उनके पास पर्यावरणीय ढंग से सुचारु अपशेष के प्रहस्तन एवं उसे ठिकाने लगाने के प्रावधान होंगे। उसके बाद सभी प्राधिकार-पत्रों का नवीकरण तभी होगा जब प्राधिकार-पत्र की शर्तों का पालन हुआ हो तथा पर्यावरणीय ढंग से सुचारु अपशेष के प्रहस्तन एवं उसे ठिकाने लगाने की पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध हों।

- 6.7.4 आयनीकरण कक्ष आधारित धुआं संसूचकों सहित विकिरणकारी अपशेष को आईआरबी के नियमों के अनुसार ठिकाने लगाने तक, किसी अलग स्थान में सुरक्षित ढंग से भंडारित किया जाएगा।
- 6.8 गृहव्यवस्था
- 6.8.1 पोत पुनश्चक्रणकर्ता कार्यस्थल को साफ-सुथरा एवं अनुरक्षित रखेगा। भूखंड में मशीनें एवं सामग्री/भंगार इस सलीके से रखे जाएंगे कि किसी दुर्घटना, आग लगने या विस्फोट होने की स्थिति में बचाव कार्य हेतु हर जगह पहुंचा जा सके।
- 6.8.2 पोत पुनश्चक्रण पूरा होने के बाद उसका विवरण एसएमबी/पत्तन प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया जाएगा।
- 6.9 स्वास्थ्य अनुपालन:-
- पोत पुनश्चक्रणकर्ता अपने खर्च पर पोतभंग श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर लगाएगा। पोत पुनश्चक्रणकर्ता अपने खर्च पर पोतभंग श्रमिकों के स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार एवं परामर्श की व्यवस्था भी करेगा।
 - एसएमबी पोत पुनश्चक्रण यार्डों में अस्थिभंग, दहन एवं अन्य लंबी बीमारियों और पोत पुनश्चक्रण उद्योग में सूचित विकलांगताओं के उपचार हेतु पर्याप्त संख्या में स्थायी स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं एवं चिकित्सक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेगा।
 - इन सुविधाओं के लिए राष्ट्रीय व्यवसायिक स्वास्थ्य संस्थान (एनआईओएच) या भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की सहायता ली जा सकती है।
- 6.10 राज्य समुद्रीय मंडल (एसएमबी)/पत्तन प्राधिकारी द्वारा कार्रवाई
- 6.10.1 एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी और पोत पुनश्चक्रणकर्ता यार्ड में पोत पुनश्चक्रण गतिविधियों के समग्र पर्यवेक्षण हेतु जिम्मेदार होंगे। एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी आवश्यकता पड़ने पर पोत पुनश्चक्रण गतिविधियों के सजग पर्यवेक्षण तथा बचाव कार्य करने हेतु अपेक्षित संख्या में योग्य सुरक्षा अधिकारी/पर्यवेक्षक नियुक्त कर सकता है। ये कारखाना अधिनियम के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा नियुक्त अधिकारियों/निरीक्षकों के अतिरिक्त होंगे।
- 6.10.2 पोत पुनश्चक्रण यार्ड में सुरक्षा मूल्यांकन हेतु पत्तन प्राधिकारी/एसएमबी द्वारा गठित उसके सुरक्षा अधिकारी/पर्यवेक्षक एवं/या कारखाना निरीक्षक एवं/या सुरक्षा विश्लेषण दल के सदस्य समय-समय पर पोत पुनश्चक्रण भूखंडों का दौरा करेंगे तथा संबंधित भूखंडों के सुरक्षा अधिकारी/सुरक्षा पर्यवेक्षक को उनके द्वारा इन दौरों के दौरान प्रेक्षित असुरक्षित कार्यों की जानकारी देंगे ताकि आवश्यक सुधार की कार्रवाई की जा सके।
- 6.10.3 किए गए सुधार उपायों पर जब तक एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी संतुष्ट नहीं हो जाता, तब तक किसी पोत पुनश्चक्रण भूखंड में यदि अनुचित कार्य या असुरक्षित प्रचालन पाए जाते हैं, तो एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी को कटिंग प्रचालन अस्थायी रूप से रोकने के अधिकार होंगे।
- 6.10.4 एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी पोत पुनश्चक्रण यार्ड/भूखंड को निम्न उपलब्ध कराएगा:
- पानी
 - स्वच्छता सुविधाएं
- 6.10.5 एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी उपयुक्त स्थानों पर किराया शुल्क वसूली आधार पर श्रमिकों हेतु पर्याप्त आवास/निवास सुविधाएं देगा, जिसमें पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता, बिजली एवं खरीदारी केन्द्र इत्यादि जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।
- 6.10.6 एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी समयबद्ध तरीके से निम्नलिखित कदम उठाएगा:-
- भूखंड पट्टे पर देने की व्यवस्थाएं सुगम बनाना, जिसमें पट्टे की उपयुक्त अविध, भूखंड का उचित आकार एवं पुनश्चक्रण सुविधाओं की रूपरेखा शामिल होंगे ताकि पोतभंग के कार्य एक सुनियमित एवं बेहतर ढंग से आयोजित किए जा सकें और विशेषकर सुरक्षा, स्वास्थ्य अपेक्षाओं पर ध्यान देते हुए पोत पुनश्चक्रण कार्य प्रबंधन को पर्यावरणीय रूप से कारगर बनाया जा सके।
 - सुरक्षा एवं पर्यावरण प्रबंधन के प्रचलित विनियमों के अनुसार पोत पुनश्चक्रणकर्ताओं के समन्वय से मॉडल पोत पुनश्चक्रण सुविधा स्थापित करना। पोतभंग कार्य करने हेतु भावी भूखंड धारकों को पट्टे पर देने की व्यवस्था के तहत इस मॉडल सुविधा का उपयोग प्रदर्शन/प्रशिक्षण सुविधा के रूप में किया जा सकता है।

- 6.11 प्रशिक्षण
- 6.11.1 एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी एक समयबद्ध तरीके से पोत पुनश्चक्रण कार्यो हेतु उपयुक्त व्यवस्था करेगा ताकि सभी श्रमिकों का प्रशिक्षण सुनिश्चित हो सके। गैस संसूयक एवं एस्बेस्टॉस तथा अन्य खतरनाक सामग्रियों के प्रहस्तन हेतु विशिष्ट प्रशिक्षण प्रदान करने की व्यवस्था की जाएगी। ऐसे प्रशिक्षण के बाद, संबंधित श्रमिकों को विशिष्ट योग्यता के प्रमाणपत्र जारी किए जा सकते हैं।
- 6.11.2 पृथक प्रशिक्षण एवं प्रमाणन व्यवस्थाएं स्थापित होने तक, एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी अस्थायी प्रशिक्षण एवं प्रमाणन व्यवस्थाएं स्थापित कर सकता है या ऐसा करने हेतु किसी सक्षम एजेन्सी को प्राधिकृत कर सकता है।
- 6.12 अन्य विविध प्रावधान
- 6.12.1 श्रमिकों को आवास सुविधाओं सहित पेयजल एवं पानी आपूर्ति, समग्र स्वच्छता एवं स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं प्रदान करना एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी की जिम्मेदारी होगी और ये प्राधिकारी इस संहिता के लागू होने के 12 महीनों के भीतर इन सुविधाओं की व्यवस्था करेंगे।
- 6.12.2 पोतभंग व्यवसाय के कारण यदि किसी श्रमिक को एस्बेस्टॉस कैंसर हो जाता है और दुर्घटनाओं में शरीर का कोई अंग खो देने सहित यदि कोई विकलांगता होती है, तो संबंधित पोत पुनश्चक्रणकर्ता या पोत पुनश्चक्रणकर्ता एसोसिएशन उस श्रमिक को मुआवजा देगी। पोतभंग व्यवसाय के कारण यदि किसी श्रमिक को एस्बेस्टॉसिस या अन्य कोई बीमारी या विकलांगता हो जाती है तो संबंधित पोत पुनश्चक्रणकर्ता बीमारी के बाद की योजनास्वरूप श्रमिकों को कम प्रभाव के क्षेत्र में नियोजित करेगा तथा उसकी जीविका बचाए रखेगा।
- 6.12.3 कारखाना अधिनियम के उपबंधों के अनुसार पोत पुनश्चक्रणकर्ता खाद्य/कैंटीन सुविधाएं प्रदान करेगा।
- 6.12.4 राज्य सरकार के स्वास्थ्य विभाग की सहायता से एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी पोतभंग गतिविधियों में नियोजित श्रमिकों के स्वास्थ्य की आधार स्थिति तैयार करने हेतु उनके स्वास्थ्य का विवरण एवं कार्ड बनाएगा।

अध्याय VII

व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य (ओएसएच) प्रबंधन मार्गनिर्देश

- 7.1 व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणाली का कार्यान्वयन
- 7.1.1 पोत पुनश्चक्रण सुविधा में कार्य स्थितियों में सुधार की प्रक्रिया सुनियोजित ढंग से होनी चाहिए ताकि उनका स्तर समुचित ढंग से बढ़ाया जा सके। व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य प्रबंधन प्रणालियां प्रत्येक पोत पुनश्चक्रणकर्ता द्वारा कार्यान्वित की जाएंगी। ये प्रणालियां सुविधाओं के अनुरूप होंगी तथा गतिविधियों के आकार-प्रकार एवं प्रकृति के अनुसार होंगी। ओएसएच प्रबंधन प्रणालियों का उद्देश्य कार्य से जुड़ी दुर्घटनाएं एवं उनसे स्वास्थ्य को होने वाली हानि रोकना है तथा कार्य पर्यावरण में फैले खतरों के कारणों को जहां तक हो सके कम करना भी इसका लक्ष्य होगा।
- स्वीकार्य व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण की दृष्टि से प्रभावी स्थितियां प्राप्त करने के लिए, उनके निरंतर पुनरीक्षण, कार्यान्वयन, मूल्यांकन एवं कार्रवाई हेतु स्थायी संरचनाओं में निवेश करना ज़रूरी है।
- 7.1.2 ओएसएच प्रबंधन प्रणाली में निम्नलिखित मुख्य घटक होंगे:
- (a) व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य (ओएसएच) नीति
 - (b) कार्यकारी संगठन हेतु आवश्यक शर्तें, अर्थात् जिम्मेदारी एवं जवाबदेही, जागरूकता एवं प्रशिक्षण, प्रलेखन, संप्रेषण एवं सूचना हेतु एक प्रणाली स्थापित करना;
 - (c) खतरा एवं जोखिम मूल्यांकन, ओएस एच गतिविधियों का ॥ योजन एवं कार्यान्वयन;
 - (d) ओएसएच कार्यो का मूल्यांकन और सुधार के लिए उपाय करना
- 7.2 व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य (ओएसएच) नीति
- 7.2.1 पोत पुनश्चक्रण सुविधा हेतु ओएसएच नीति में कम से कम निम्नलिखित मुख्य सिद्धांत एवं उद्देश्य होने चाहिए, जिनके प्रति सुविधा को प्रतिबद्ध होना चाहिए:-
- (a) व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण कार्यक्रमों हेतु प्रबंधन की प्रतिबद्धता;

- (b) ओएसएच को समग्र प्रबंधन संरचना का एक अभिन्न अंग मानना और ओएसएच निष्पादन को सुविधा के कारोबारी निष्पादन का अभिन्न अंग मानना।
- (c) कार्य से जुड़ी चोटों एवं रोगों, बीमारियों एवं घटनाओं को रोकने द्वारा सभी श्रमिकों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य का संरक्षण करना;
- (d) ओएसएच पर संबद्ध राष्ट्रीय कानूनों एवं विनियमों, स्वैच्छिक कार्यक्रमों, सामूहिक करारों एवं सुविधा से जुड़ी अन्य अपेक्षाओं का पालन करना;
- (e) यह सुनिश्चित करना कि श्रमिकों एवं उनके प्रतिनिधियों से ओएसएच प्रबंधन प्रणाली के सभी तत्वों में भाग लेने हेतु परामर्श किया जाता है और उन्हें बढ़ावा दिया जाता है; तथा
- (f) ओएसएच प्रबंधन प्रणाली के निष्पादन में निरंतर सुधार।

7.3 नियोजन एवं कार्यान्वयन

7.3.1 प्रत्येक पोत पुनश्चक्रण सुविधा व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य प्रबंधन मार्गनिर्देशों के अनुपालन में विधिवत् प्रमाणित होगी। यह प्रमाणन शुरू में इस संहिता के लागू होने पर या संहिता के तहत निर्दिष्ट किसी तारीख से किया जाएगा।

प्रत्येक प्रमाणित पोत पुनश्चक्रण सुविधा को किसी मान्यताप्राप्त सर्वेक्षक से परीक्षण (वार्षिक/द्विवार्षिक/पंचवर्षीय) कराना होगा ताकि व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य प्रबंधन मार्गनिर्देशों का निरंतर अनुपालन सुनिश्चित हो।

7.3.2 पोत पुनश्चक्रण सुविधा उपर्युक्त 7.3.1 के तहत प्रमाणपत्र जारी करने हेतु अपने आवेदन के साथ (प्राधिकारी को) पुनरीक्षण हेतु ओएसएच प्रबंधन नीति भी प्रस्तुत करेगी। आरंभिक पुनरीक्षण के परिणामों या अन्य आंकड़ों के आधार पर, पर्याप्त एवं उपयुक्त ओएसएच नियोजन हेतु व्यवस्थाएं की जाएंगी, जिनमें निम्न शामिल होंगी:

- (a) मौजूदा जोखिमों को यथासंभव निम्नतम स्तर तक लाने हेतु ओएसएच उद्देश्यों की एक स्पष्ट परिभाषा, प्राथमिकता गठन एवं जहां उपयुक्त हो योग्यता;
- (b) प्रत्येक उद्देश्य प्राप्त करने हेतु एक योजना की तैयारी, जिसमें क्या, कौन और कब कार्रवाई करेगा की परिभाषित जिम्मेदारी एवं स्पष्ट निष्पादन मापदंड शामिल हो;
- (c) संबंधित निवारक एवं संरक्षक उपायों का चयन, नियोजन एवं कार्यान्वयन;
- (d) यह पुष्टि करने हेतु मापन मापदंड का चयन कि उद्देश्य प्राप्त कर लिए गए हैं; तथा
- (e) पर्याप्त संसाधनों का प्रावधान, जिनमें ओएसएच प्रबंधन प्रणाली को संपूरक एवं सुदृढ़ बनाने हेतु मानवीय एवं वित्तीय संसाधन और तकनीकी सहायता शामिल हो।

7.4 आपातकालीन तत्परता

7.4.1 आपातकाल निवारण, तत्परता एवं प्रतिक्रिया व्यवस्थाएं स्थापित एवं अनुरक्षित की जाएंगी। इन व्यवस्थाओं में दुर्घटनाओं की संभावना एवं आपातकाल स्थितियों तथा इनसे संबद्ध ओएसएच जोखिमों से निपटने के उपाय शामिल होंगे। ये व्यवस्थाएं पोत पुनश्चक्रण सुविधा के स्थान एवं वातावरण के अनुसार होंगी तथा प्रत्येक पुनश्चक्रण प्रचालन के आकार-प्रकार एवं प्रकृति का भी ध्यान रखा जाएगा। ये निम्न होंगी:-

- (a) यह सुनिश्चित करना कि सुविधा में आपातकाल आने पर सभी लोगों को बचाने हेतु आवश्यक सूचना, आंतरिक संप्रेषण एवं समन्वय की व्यवस्था हो;
- (b) संबंधित सक्षम प्राधिकारियों, पड़ोस एवं आपातकाल प्रतिक्रिया सेवाओं को सूचना प्रदान करना एवं उनसे संप्रेषण करना;
- (c) सुविधा में प्रथमोपचार एवं चिकित्सा सहायता, अग्निशमन एवं लोगों को बचाने के उपाय; तथा
- (d) पोत पुनश्चक्रण सुविधा में सभी स्तरों तक के लोगों को संबद्ध सूचना एवं प्रशिक्षण देना तथा उनकी सक्षमता के अनुसार आपातकाल निवारण, तत्परता एवं प्रतिक्रिया प्रक्रियाओं में उनसे नियमित अभ्यास करवाना

- 7.5 कार्य से जुड़ी चोटों एवं रोगों, बीमारियों एवं घटनाओं की रिपोर्टिंग, अभिलेखन एवं अधिसूचना
- 7.5.1 स्थापना में, रिपोर्टिंग हेतु प्रणालियों के पुनरीक्षण एवं अनुप्रयोग, कार्य से जुड़ी चोटों एवं रोगों, बीमारियों एवं घटनाओं की रिपोर्टिंग, अभिलेखन एवं अधिसूचना का विकास किया जाएगा।
- 7.5.2 सक्रिय निगरानी हेतु कार्य से जुड़ी चोटों एवं रोगों, बीमारियों एवं घटनाओं की रिपोर्टिंग, अभिलेखन एवं अधिसूचना बहुत ज़रूरी हैं और उन्हें निम्न हेतु किया जाएगा:
- (a) सुविधा स्तर पर व्यावसायिक दुर्घटनाओं एवं बीमारियों के बारे में विश्वसनीय जानकारी देना;
 - (b) पोत पुनश्चक्रण गतिविधियों से उत्पन्न प्रमुख सुरक्षा एवं स्वास्थ्य समस्याओं का पता लगाना;
 - (c) कार्रवाई की प्राथमिकताएं परिभाषित करना;
 - (d) व्यावसायिक दुर्घटनाओं एवं बीमारियों से निपटने हेतु कारगर उपाय विकसित करना; और
 - (e) किए गए उपायों की कारगरता की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के संतोषजनक स्तरों हेतु निगरानी करना।
- 7.6 कार्य से जुड़ी चोटों की अधिसूचना
- 7.6.1 कारखाना अधिनियम की धारा 88 एवं 88-ए के अनुसार कार्यस्थल पर सभी दुर्घटनाएं औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य निदेशालय (डीआईएसएच) को सूचित की जाएंगी और उसकी एक प्रतिलिपि एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी को भेजी जाएगी।
- 7.6.2 यह रिपोर्ट तत्काल तैयार की जाएगी और इसमें अन्य जानकारी के साथ निम्न शामिल होंगे:
- (a) कारखाना निरीक्षणालय एवं एसएमबी/पत्तन प्राधिकारी को भेजने हेतु एक दुर्घटना रिपोर्ट, तथा
 - (b) बीमा संस्थान में भेजने हेतु एक मुआवजा रिपोर्ट
- 7.7 पेशेवर बीमारियों की अधिसूचना फैक्टरी अधिनियम, 1948 की धारा 89 के प्रावधानों के अनुसार होगी और चिकित्सा अधिकारी की रिपोर्ट में निम्नलिखित सूचना शामिल होगी :-
- (ए) रोगी का नाम और पूरा पोस्टल पता :
 - (बी) बीमारी जिससे उनका विश्वास है कि रोगी पीड़ित है ;और
 - (सी) परिसरों का नाम व पता जिसमें कर्मचारी काम करता है या पहले करता था ।
- 7.8 अभिगम और निर्गम के साधन
- 7.8.1 सभी शिप रिसाइकलिंग परिचालन के दौरान सभी कार्य-स्थलों को अभिगम और निर्गम के पर्याप्त एवं सुरक्षित साधन मुहैया कराए जाएंगे और इन मार्गों का रख-रखाव किया जाएगा ताकि वे सुरक्षित स्थिति में रहें ।
- 7.8.2. पोतो के अभिगम के साधन होंगे :
- (ए) जहां व्यावहारिक है शिप की सीढ़ियां , गैंगवे, या इसी तरह के उपकरण :या
 - (बी) अन्य मामलों में सीढ़ियां,स्टेयर्स; या यदि आवश्यक हो, रोप स्टेप सीढ़ियां या इसी तरह के उपकरण.
- 7.8.3 अभिगम के साधन होंगे :-
- (ए) अवरोधों से मुक्त रखें;यदि वे कार्य-स्थल से गुजर रहे हों तो गिरती हुई बस्तुओं से उनकी सुरक्षा की जाए :
 - (बी) जहां तक व्यावहारिक हो इतने स्थिर रहें कि उनके ऊपर से कोई लोड न गुजरे । किसी भी स्थिति में कामगारों को उनका उपयोग करते समय अभिगम के साधन के ऊपर से लोड न गुजरे ।
- 7.8.4 शिप को डेकों या डेकों के बीच रोकने के लिए हेचेज, ओपनिंग या अभिगम के अन्य 'साधनों' का सुरक्षा बैरियर के साथ प्रावधान किया जाएगा । यदि स्थिर रोकने वाली सीढ़िया देना व्यावहारिक न हो तो पोर्टेबल – मेटल सीढ़ियां (या उचित लकड़ी की सीढ़ियां) दी जाएंगी । रोप सीढ़ियों का प्रयोग केवल रोकने के लिए अभिगम के पूरक साधनों के रूप में किया जाएगा । सभी सीढ़ियों को उपयोग के पूर्व सुरक्षित रूप से और पर्याप्त रूप से सुरक्षित किया जाएगा ।

- 7.9 आग लगने या अन्य खतरों से बचाव के साधन
- 7.9.1 बचाव के साधनों को हमेशा क्लियर रखें। बचाव मार्ग का बार-बार परीक्षण करना चाहिए और ब्रेकिंग प्रक्रिया की प्रगति के अनुसार नियमित रूप से शिप पर सुधार किया जाएगा। जहां आग लगने पर बचाव की दिशा के बारे में उचित, यथेष्ट दृश्य संकेत दिए जाएंगे।
- 7.9.2 बचाव के साधन रहेंगे:-
- (ए) सभी ब्रेकिंग प्रचालनों के दौरान शिप से और शिप पर दिया जाए :
- (बी) प्लानों पर दर्शाया गया जो शिप के अंदर लैंडसाइड सुविधा उचित रूप से दिखे।
- 7.10 रोडवेज, घाटों, यार्डों और अन्य स्थल
- 7.10.1 रोडवेज, घाटों और यार्ड इत्यादि, जहां लोग या वाहन चलते हैं या रुकते हैं, को इस तरह से निर्मित और अनुरक्षित किया जाए ताकि उनके द्वारा ले जाए जाने वाले ट्रैफिक के लिए सुरक्षित रहे।
- 7.10.2 फेंसिंग द्वारा घिरे हुए यार्ड्स और अन्य स्थल पैदल चलने वालों और वाहनों के लिए अलग से गेट होना चाहिए।
- 7.10.3 खतरनाक क्रॉसिंग, जहां भारी बस्तुओं का परिवहन किया जाता है, की सुरक्षा स्वचालित सिगनलों या जहां संभव हो गेट द्वारा किया जाएगा या वाचमैन द्वारा सुरक्षा किया जाएगा।
- 7.11 साफ-सफाई
- 7.11.1 एक उचित स्वच्छता कार्यक्रम स्थापित किया जाएगा और नियमित रूप से समीक्षा की जाएगी तथा प्रत्येक शिप पर लागू किया जाएगा बचा रिसाइकिलिंग एवं शिप जिसमें निम्न के लिए प्रावधान शामिल होगा :-
- (ए) सामग्रियों और उपकरणों का उचित भंडारण ;
- (बी) उचित अंतराल पर स्क्रेप, रद्दी और कचरे को हटाना।
- 7.11.2 लूज सामग्रियां जो उपयोग के लिए तत्काल जरूरी नहीं हैं, उन्हें साइट पर नहीं रखा जाएगा और इकट्ठा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी ताकि कार्य-स्थल और आने-जाने के रास्ते में अभिगम एवं निर्गम में खतरनाक अवरोध उत्पन्न न हो।
- 7.11.3 ऑयल या अन्य कारणों से कार्य-स्थल और आने-जाने के रास्तों पर फिसलन पैदा हो जाता है अतः इनकी सफाई की जाएगी तथा इनपर बालू, साइस्ट, राख या इसी तरह की चीजों का छिड़काव किया जाएगा।
- 7.11.4 टूल्स, नट्स, बोल्ट्स और अन्य सामग्री चारों ओर बिखरे नहीं रहना चाहिए जहां इनसे कई तरह के खतरे पैदा होंगे।
- 7.11.5 कार्य-स्थल और आने-जाने के रास्ते पर स्क्रेप, रद्दी, कचरा और धूल को इकट्ठा नहीं होने दिया जाएगा।
- 7.11.6 ओवरबोर्ड या यार्ड के आस-पास कचरा धूल या अवांछित सामग्री नहीं फेंकना चाहिए अपितु इन्हें तरीके से और पर्यावरण के अनुकूल स्थाई रूप से हटाया जाए।
- 7.12 पाइट और सीढ़ियां
- 7.12.1 जहां यार्ड के ऊपर या चारों तरफ या शिप के हिस्से पर या अन्य स्थाई ढांचे पर सुरक्षित रूप से कार्य नहीं किया जा सकता है वहां सुरक्षित एवं यथेष्ट पाइट या अन्य इसी तरह के सुरक्षित एवं उचित प्रावधान करना एवं उनका रख-रखाव किया जाना चाहिए।
- 7.12.2 सक्षम प्राधिकारी द्वारा डिजाइन, निर्माण, खड़ा करने, उपयोग करने, अनुरक्षण करने, गिराने और अनेक प्रकार के प्रयुक्त पाइटों तथा सीढ़ियों के निरीक्षण के लिए नियमों, विनियमों या मानक कवरेजिंग विस्तृत तकनीकी प्रावधान लागू किया जाएगा।
- 7.12.3 अभिगम के सुरक्षित साधनों के साथ पाइट दिया जाएगा जैसे गैंगवेज, स्टेयरवेज, या सीढ़ियां। अवांछित गतिविधियों के विरुद्ध सीढ़ियां होंगी।
- 7.12.4 प्रत्येक पाइट और उनके हिस्से होंगे :
- (ए) इस तरह से डिजाइन किया जाए ताकि कामगारों के लिए खतरों तथा गिरने से रोका जा सके या उनका उचित रूप से उपयोग किया जा सके और उसे हटाया जा सके।
- (बी) इस तरह से डिजाइन किया जाए कि गॉर्ड रेल्स तथा अनुरक्षण के उपकरण, प्लेटफार्म्स, पुटलॉग्स, रेकर्स, ट्रॉन्जूम्स, सीढ़ियां, स्टेयर्स या रैंप्स को उचित ढंग से एक साथ रखा जा सके :
- (सी) यथेष्ट और ठोस सामग्री तथा पर्याप्त आकार और मजबूत होना चाहिए जिसके लिए उनका उपयोग किया जाता है और

(डी) उचित स्थिति में रख-रखाव किया जाए।

7.13 व्यक्तिओं और सामग्रियों के गिरने पर सावधानियां

7.13.1. सभी ओपनिंग्स जिससे कामगारों के गिरने की संभावना हो, को प्रभावी रूप से कवर रखा जाए या फेंसिंग करें और इसे सर्वाधिक यथेष्ट रूप से स्पष्ट दर्शाएं।

7.13.2. किसी व्यक्ति की सुरक्षा के लिए फेंसिंग, लुकाउट आदमियों या बैरियरों की व्यवस्था करके पर्याप्त सावधानी बरती जाएगी जो सामग्रियों के गिरने या टूल्स या उपकरणों को ऊपर-नीचे करने से गिरकर चोटिल हो सकते हैं।

7.13.3. जहां तक संभव हो और राष्ट्रीय नियमों एवं विनियमों के अनुसार एलिवेटेड कार्य-स्थलों से गिरने से कामगारों की सुरक्षा के लिए गार्ड रेल्स, और टो बोर्ड का प्रावधान किया जाएगा। जहां कहीं टो बोर्ड की व्यवस्था नहीं की जा सकती:

(ए) पर्याप्त संरक्षा नेट या सेफ्टी शीट्स लगाएं जाएंगे और उनका रख-रखाव किया जाएगा : या

(बी) पर्याप्त सुरक्षा हार्नेस दिया जाएगा और उपयोग किया जाएगा।

7.13.4. जहां खतरे को रोकने के लिए आवश्यक हो वहां गेज, स्टेज, या सपोर्ट का उपयोग किया जाएगा या गिराए या हटाए जाने वाले ढांचों को गिरने से रोकने के लिए अन्य प्रभावी सावधानियां बरती जाएंगी।

7.13.5. रद्दी सामग्री या वस्तुएं ऊपर से नीचे नहीं फेंकी जाएंगी। यदि सामग्री या वस्तुओं को सुरक्षित रूप से ऊपर से नीचे नहीं लाया जा सकता तो फेंसिंग या बैरियर के प्रावधान जैसी सावधानियां बरती जाएं। लूज वस्तुओं को वहां पड़े नहीं रहने देना चाहिए जहां वे नीचे खड़े व्यक्तियों पर गिर सकती हैं। एलिवेटेड कार्य-स्थल पर कार्य कर रहे कामगारों को को स्कू, बोल्ड्स, नट्स या ऐसी चीजों को रखने के लिए टोकरी देना चाहिए।

7.14 अग्नि की रोकथाम और अग्नि शमन

7.14.1. नियोक्ता द्वारा उचित उपाय किया जाएगा :

(ए) अग्नि के जोखिम से बचें ;

(बी) किसी आग को लगने पर तत्काल एवं प्रभावी रूप से नियंत्रित करें;

(सी) लोगों को सुरक्षित और शीघ्र वहां से हटाएं।

7.14.2. ज्वलनशील द्रवों, ठोस और गैसों के लिए पर्याप्त एवं सुरक्षित भंडारण एरिया का प्रावधान किया जाएगा जैसे लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) टैंक्स, और एसिटिलीन सिलिंडर, पेंट्स और अन्य सामग्रियां।

7.14.3. धूम्रपान निषिद्ध होगा और विस्फोटक या ज्वलनशील सामग्री रखे गए सभी स्थानों पर प्रमुख रूप से “धूम्रपान निषेध” की नोटिस लगाएं।

7.14.4. परिरुद्ध स्थलों और अन्य स्थानों पर जिनमें ज्वलनशील गैस; वेपर्स या धूल हों, खतरा पैदा कर सकते हैं :

(ए) पोर्टेबल लैंप सहित केवल उचित रूप से सुरक्षित इलेक्ट्रिकल स्थापनाओं और उपकरणों का ही उपयोग किया जाएगा ;

(बी) कोई भी खुली लपटें या इसी तरह की अग्नि के स्रोत नहीं होंगी :

(सी) धूम्रपान निषेध की नोटिस लगे होंगे ;

(डी) ऑयली रैग्स, रद्दी और कपड़े या अन्य वस्तुएं जो अग्नि की संचालक हों, को तत्परता से हटाया जाएगा और उन्हें बिना बिलंब सुरक्षित स्थान पर रखा जाए ;

(ई) पर्याप्त हवा की व्यवस्था की जाएगी; और

(एफ) इलेक्ट्रिक स्टैटिक का कारक कपड़े पहने व्यक्ति या स्पार्क के कारक जूतों से बचना चाहिए।

7.14.5. ज्वलनशील सामग्रियां, ग्रीसी/ऑयली रद्दी और स्क्रेप लकड़ी या प्लास्टिक को सुरक्षित स्थान पर बंद मेटल कंटेनर में रखा जाए।

7.14.6. अग्नि के जोखिम वाले स्थलों का नियमित निरीक्षण किया जाएगा। इनमें रोक करने वाले उपकरण, इलेक्ट्रिकल स्थापनाओं और कंडक्टर्स, ज्वलनशील वस्तुओं का गोदाम और ज्वलनशील सामग्रियां, गर्म वेल्डिंग और कटिंग आपरेशन शामिल हैं।

- 7.14.7. वेल्डिंग, फ्लेम कटिंग और अन्य गर्म कार्य को केवल सक्षम व्यक्तियों के आदेश से आवश्यकतानुसार अग्नि और विस्फोट के जोखिम को कम करते हुए उचित सावधानी के उपरांत किया जाएगा ।
- 7.14.8. संबंधित अधिनियमों एवं विनियमों के प्रावधानों के अनुसार जिन स्थानों पर आग का खतरा हो वहां निम्न की व्यवस्था करना होगा :
- (ए) उचित एवं पर्याप्त अग्नि शामक उपकरण तैयार उपलब्ध हों और आसानी से प्राप्य तथा दिखते हों ;
- (बी) पर्याप्त दबाव के साथ पर्याप्त पानी की आपूर्ति ।
- 7.14.9. अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय नियमों और विनियमों के प्रावधानों, प्रारंभिक खतरा पहचान और जोखिम और आंकलन के परिणाम, रिसाइकिलिंग प्लान में पहचाने गए तथा प्रक्रिया के अनुरूप अग्नि शामक उपकरणों का चयन किया जाएगा और प्रदान किया जाएगा । लगाए गए उपकरण राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मानक के होंगे और निम्नलिखित मांग और उपयोग के लिए उपयोगी होना चाहिए :
- (ए) शिप के अंदर अभिगम, निर्गम और परिरुद्ध स्थलों तक सीमित ;
- (बी) खतरनाक, ज्वलनशील और विस्फोटकों की मात्रा और स्वभाव वाले वस्तुओं को शिप रिसाइकिलिंग आपरेशनों में निपटाया जाए ;
- (सी) साइट परिवहन एवं भंडारण सुविधाएं ;और
- (डी) प्रथम-स्तर अग्नि शमन उद्देश्य (हाथ में रखे हुए या ट्रॉली में रखे हुए अग्नि शामक) । अग्निशामक माध्यमों का चयन खतरे और जोखिम तथा नियंत्रण उपायों के अनुरूप किया जाए ।
- 7.14.10. अग्निशामक उपकरण को पूरी तरह से कार्यरत स्थिति में उचित ढंग से अनुरक्षण किया जाए और सक्षम व्यक्ति द्वारा उचित अंतराल पर उसका निरीक्षण किया जाए। हाइड्रेंट्स,पोर्टेबल अग्निशामकों और हॉसेज के कनेक्शन को हर समय साफ रखा जाए ।
- 7.14.11. आग के जोखिमों, लिए जाने वाले सावधानियों और अग्नि शामकों के प्रयोग के बारे में सभी सुपरवाइजर्स तथा पर्याप्त संख्या में कामगारों को प्रशिक्षण एवं जानकारीयां दिया जाना चाहिए ताकि सभी कार्य अवधि के दौरान पर्याप्त प्रशिक्षित कर्मी तैयार उपलब्ध रहें । विशेषकर दिए गए प्रशिक्षण, अनुदेशों, सूचनाओं में निम्न बातें शामिल होंगी:
- (ए) परिस्थितियां जिनमें कामगार स्वयं आग बुझाने का कार्य नहीं करेंगे अपितु एरिया खाली करेंगे और आग बुझाने वालों को बुलाएंगे ;
- (बी) अलार्म को कब, कहाँ और कैसे उठाया जाए ;
- (सी) बचाव के साधनों के प्रयोग सहित आग की स्थिति में की जाने वाली कार्यवाई ;
- (डी) जिन कामगारों से प्रयोग करने की अपेक्षा है उन्हें अग्नि शामकों और अग्नि शामक यंत्रों का सही प्रयोग ;
- (ई) जहरीले प्रकृति वाले फ्यूम्स को हटाया जाए और प्राथमिक चिकित्सा उपाय ;
- (एफ) व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों का उचित उपयोग ;और
- (जी) खाली करने की योजनाएं और प्रक्रियाएं ।
- 7.14.12. ज्वलनशील द्रवों एवं ठोस को रखने के लिए संबंधित अधिनियमों एवं नियमों के प्रावधानों के अनुसार ऐसे सामग्रियों के लिए पर्याप्त एवं उचित एरिया दिया जाना चाहिए तथा अग्नि की स्थिति में चेतावनी के लिए प्रभावी एवं पर्याप्त साधन (साइट एवं साउंड सिगनल्स) लगाए जाएं । एक प्रभावी खाली करने की योजना होनी चाहिए ताकि बिना किसी पैनिक के सभी लोगों को तेजी से हटाया जा सके ।
- 7.14.13. प्रमुख स्थानों पर संकेत करते हुए, यदि लागू हो, नोटिसों को लगाया जाए :
- (ए) फायर अलार्म के समीपस्थ ;
- (बी) समीपस्थ आकस्मिक सेवाओं का टेलीफोन नम्बर एवं पता।
- (सी) समीपस्थ प्राथमिक चिकित्सा स्थल ।.
- 7.15. खतरनाक परिवेश एवं परिरुद्ध स्थान
- 7.15.1. जहां कामगार किसी एरिया में प्रवेश करते हैं जिसमें जहरीला या नुकसान देय चीजें हों या हो सकती हों या जिसमें ऑक्सीजन की कमी हो या ज्वलनशील वातावरण हो, वहां खतरे से बचने के लिए पर्याप्त उपाय किए जाएं ।

- 7.15.2 खतरनाक परिवेश के बारे में किए जाने वाले उपायों के बारे में शिप के साथ संलग्न अथलों में प्रवेश के लिए आईएमओ सिफारिशों की पुष्टि में सक्षम प्राधिकारी द्वारा उल्लेख किया जाएगा और सक्षम व्यक्ति से पूर्व अनुमति शामिल होगी या कोई अन्य सिस्टम जिसके द्वारा किसी एरिया में प्रवेश जिसमें खतरा हो, को निर्धारित विशिष्ट प्रक्रिया को पूरा करके ही लागू किया जाए।
- 7.15.3 परिरुद्ध स्थान या एरिया के अंदर किसी भी खुले लाइट या लपट या गर्म कार्य को तब तक अनुमति न दी जाए जब तक कि यह पूरी तरह से ज्वलनशील सामग्री से मुक्त न हो जाए, प्रीक्शन किया जाए, और सक्षम व्यक्ति द्वारा इसे सुरक्षित न पाया जाए। प्रारंभिक निरीक्षण के लिए ऐसे परिरुद्ध स्थान या एरिया में केवल गैर-स्पाकिंग टूल्स, गॉर्ड और सेफ्टी टॉर्चों के साथ सुरक्षित फ्लेमप्रूफ हैंड लैंप का ही प्रयोग किया जाएगा।
- 7.15.4. जब कोई कामगार परिरुद्ध एरिया में हो :-
- (ए) बचाव के लिए श्वसन यंत्रों, प्राथमिक चिकित्सा किट, पुनर्जीवक यंत्रों और ऑक्सीजन सहित पर्याप्त सुविधाएं और उपकरण उपलब्ध हो :
- (बी) ओपनिंग पर पूरी तरह से प्रशिक्षित सहायक या सहायकों को तैनात किया जाए ;और
- (सी) कामगार और सहायक या सहायकों के बीच संपर्क के उचित साधन रखे जाएं।
- 7.16 प्रतीक, नोटिस और कलर कोड्स
- 7.16.1 खतरों के प्रति चेतावनी और गैर भाषिक रूप में सूचना देने के लिए प्रतीक और चिन्ह बहुत ही प्रभावी माध्यम हैं। सुरक्षा प्रतीक एवं नाटिस सक्षम प्राधिकारी की जरूरतों के अनुरूप आकार और कलर की पुष्टि करेंगे।
- 7.16.2 पोर्टेबल अग्नि शामकों के विषय सक्षम प्राधिकारी की जरूरतों के अनुरूप अनुपालन में कलर कोड्स का संकेत किया जाएगा। प्रत्येक अग्नि शामक पर इसके प्रयोग के लिए अनुदेशों का लेबल चिपकाया जाएगा।
- 7.16.3 इलेक्ट्रिक वायरिंग के कलर कोडिंग के लिए विभिन्न मानक उपलब्ध हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए हमेशा ध्यान रखा जाएगा कि कर्मियों को शिप आन बोर्ड के कोर कलर का अर्थ पता है। यदि बदलना जरूरी हो तो यह कोडिंग सिस्टम के अनुरूप होना चाहिए।
- 7.16.4 सभी गैस सिलिंडरों की गैस के नाम और सिम्बल के साथ स्पष्ट रूप से निशान लगाया जाना चाहिए और बॉडी को संबंधित बीआईएस के अनुसार कलर कोडेड होना चाहिए। कलर कोडिंग की एक प्रति सिलिंडर भंडारण यार्ड में प्रमुख स्थान पर दर्शाया जाएगा। खाली सिलिंडरों को रखने के लिए अलग स्थान को निर्धारित किया जाए।
- 7.16.5 सभी रेडियो एक्टिव रद्दी सामग्री पर लेबल लगाया जाएगा और इसे एटमी एनर्जी (रेडिएशन प्रोटेक्शन)नियम, 2004 और एसएमबी / पोर्ट प्राधिकारी के आरएसओ के अनुदेशों के साथ रखा जाएगा।
- 7.17 अनधिकृत प्रवेश पर रोक
- 7.17.1 आगंतुकों को शिप ब्रेकिंग सुविधाओं या शिप तक जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक कि प्राधिकृत और प्राधिकृत व्यक्ति साथ न हो और उन्हें उचित सुरक्षा उपकरण दिया जाए।
- 7.17.2 राष्ट्रीय कानून एवं विनियमों या सामूहिक करार के प्रावधानों के अनुसार कामगारों के प्रतिनिधियों के अभिगम से संबंधित उचित प्रबंध किया जाए।

अध्याय VIII

मिश्रित और दण्ड के प्रावधान

- 8.1 किसी स्थान और/या शिप पर दुर्घटना होने पर या इनमें से किसी भी विनियम का अनुपालन न करने पर की जाने वाली कार्रवाई
- 8.1.1 प्लॉट या शिप पर होने वाली किसी भी दुर्घटना /अग्नि/विस्फोट की घटना होने के तत्काल बाद शिप रिसाइकिलर द्वारा फैक्टरी इंस्पेक्टर,पोर्ट प्राधिकारियों को लिखित रूप से रिपोर्ट किया जाएगा। कामगार की मृत्यु होने पर शिप रिसाइकिलर द्वारा नियंत्रक पुलिस प्राधिकारी, समीप के रिश्तेदारों और जिलाधिकारी या उप-डिविजन मजिस्ट्रेट को सूचित किया जाएगा।
- 8.1.2 प्लॉट और /या किसी शिप पर किसी दुर्घटना/अग्नि/विस्फोट/रेडियोलॉजिकल घटना के कारण यदि किसी की मृत्यु हो जाती है या किसी व्यक्ति को गंभीर शारीरिक चोट लगती है या किसी प्लॉट या शिप पर कोई दुर्घटना इन कोडों में निहित किसी विनियम के अनुपालन न करने के कारण होती है तो निम्नलिखित कार्रवाई की जाएगी :

- (ए) बड़ी अग्नि/विस्फोट/रेडियोलॉजिकल दुर्घटना के कारण मृत्यु या बिना मृत्यु या किसी व्यक्ति को गंभीर शारीरिक चोट लगने पर पोर्ट प्राधिकारी द्वारा शिप रिसाइकिंग से संबंधित सभी गतिविधियों को न्यूनतम 5 (पांच) और अधिकतम 30 दिनों तक तत्काल प्रभाव से निलंबित कर सकते हैं। इस अवधि के दौरान राज्य मेरीटाइम बोर्ड/पोर्ट प्राधिकारी को एक टीम बनाकर इसकी विस्तृत जांच करनी चाहिए जिसमें औद्योगिक सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रबंधन के अनुभवी एवं योग्य; नेवल आर्किटेक्ट/मरीन इंजीनियरिंग, पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण/आईआरबी (रेडियोलॉजी दुर्घटना में) शामिल हों। एसएमबी/पोर्ट प्राधिकारी द्वारा नियुक्त जांच टीम प्लॉट/यार्ड का व्यापक रूप से निरीक्षण किया जाएगा और दुर्घटना के कारण की जांच की जाएगी। राज्य मेरीटाइम बोर्ड/पोर्ट प्राधिकारी द्वारा प्लॉट धारक को निदेश दिया जाए कि वे भी इसकी जांच करें और 30 दिनों के अंदर प्रचालन शुरू होने के पूर्व सुरक्षित कार्य परिवेश बनाएं। यदि 30 दिनों में स्थिति नहीं सुधरती है तो प्लॉट के बंदी के लिए समय सीमा को उपरोक्त शर्तों के अनुपालन के अनुसार जांच अधिकारियों के स्वयं संतुष्ट होने तक बढ़ाया जा सकता है। जांच टीम के निष्कर्ष ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए या वर्तमान एसओपी को अपग्रेड करने के लिए मानक प्रचालन प्रक्रिया का रूप लेंगे।
- (बी) किसी दुर्घटना चोट/फैक्टरी अधिनियम, 1948 गैर अनुपालन के मामले में कानूनी कार्रवाई डिश द्वारा की जाएगी। फैक्टरी इंस्पेक्टर द्वारा फैक्टरी अधिनियम, 1948 की धारा 88 के अनुसार शिप पर या प्लॉट पर हर फेटल दुर्घटना और किसी व्यक्ति के गंभीर चोट की जांच की जाएगी। धारा 92 या संबंधित धाराओं के अनुसार ऐसे गैर अनुपालन या दुर्घटना के लिए संबंधित शिप रिसाइकिलर के विरुद्ध डिश द्वारा मामला दर्ज किया जाएगा।
- (सी) अग्नि/दुर्घटना/विस्फोट जिसके कारण मृत्यु या किसी व्यक्ति को गंभीर चोट लगी हो उसमें उपरोक्त (ए) में उल्लिखित के अनुसार डिश के प्राधिकृत व्यक्तियों के टीम द्वारा जांच का गठन किया जाएगा और ऐसी जांच टीम अनुरोध रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी जिसके आधार पर डिश द्वारा दाण्डिक कार्रवाई, यदि कोई हो, शुरू की जाएगी।
- (डी) राज्य सरकार / एसएमबी / पोर्ट प्राधिकारी, यदि उचित समझें तो फैक्टरी अधिनियम की धारा 90 के अनुसार कारणों का पता लगाने के लिए सक्षम व्यक्ति को नियुक्त कर सकते हैं।
- (ई) दण्ड और कानूनी कार्रवाई शुरू करने की प्रक्रिया फैक्टरी अधिनियम 1948 की धारा 92-106ए और चैप्टर-10- दण्ड एवं प्रक्रियाओं के प्रावधान के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

8.2 अपील प्रावधान

शिप रिसाइकिलर जिसके विरुद्ध फैक्टरी अधिनियम, 1948 के प्रावधानों के अनुसार या ऊपर दिए गए प्रावधानों के अनुसार एसएमबी / पोर्ट प्राधिकारी द्वारा लिखित आदेश देने के 30 दिनों के अंदर ऐसे आदेश के विरुद्ध निर्धारित प्राधिकारी के विरुद्ध अपील कर सकता है और ऐसा प्राधिकारी इसके लिए बनाए गए नियमों की शर्तों पर राज्य सरकार द्वारा आदेश को सुधार या वापस लिया जा सकता है। अपील राज्य सरकार के सचिव(श्रम) के विरुद्ध की जाएगी।

8.3 मिश्रित

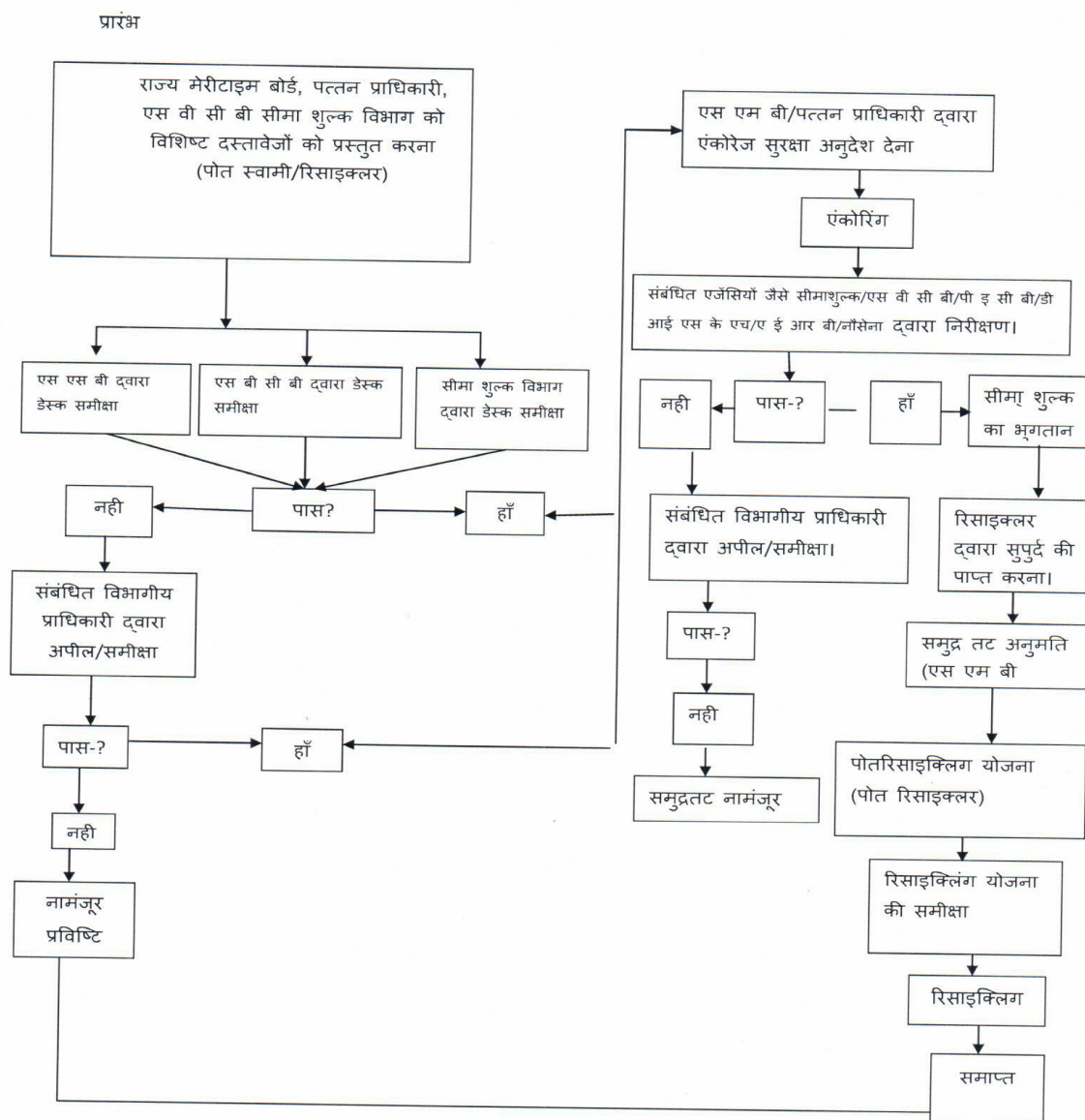
8.3.1 शिप रिसाइकिंग यार्ड / एसएमबी के अधीन शिप ब्रेकिंग यार्ड / पोर्ट प्राधिकार या पोर्ट ट्रस्ट या प्राइवेट आपरेटर को विनियमों के इस कोड के लागू होने के प्रविष्टि की तारीख के अधिकतम 2(दो) वर्षों के अंदर बुनियादी ढांचा प्रदान करेंगे। बुनियादी ढांचे में कम से कम निम्नलिखित सुविधाएं होंगी।

- i. अग्निशमन के लिए हाइड्रेंट सिस्टम।
- ii. पोर्टेबल पीने के पानी की आपूर्ति।
- iii. ड्रेनेज/सीवरेज सिस्टम।
- iv. स्ट्रीटलाइटिंग सिस्टम।
- v. घरेलू रद्दी प्रबंधन सिस्टम।
- vi. आंतरिक मार्ग और मुख्य हाईवे से कनेक्टिविटी
- vii. प्रशासनिक भवन और प्रशिक्षण संस्थान
- viii. कामगारों के लिए कामन सेनिटरी ब्लॉक्स और कम्युनिटी सेंटर, तथा श्रम कल्याण केंद्र जैसे अन्य प्राथमिक सुविधाएं।

- 8.3.2 उपर्युक्त सेवाओं को स्टेट मरीटाइम बोर्ड (एसएमबी)/पोर्ट प्राधिकारी या राज्य सरकार द्वारा नियुक्त ऐसे प्राधिकारी या एसएमबी/पोर्ट प्राधिकार द्वारा नियुक्त जिन्हें सभी सेवाओं को विनियमित लेवी ड्यूटी / सेस और प्रचालन व्यय को वसूलने का अधिकार प्राप्त हो। ऐसे प्राधिकारी इन पर नजर रखने और उपरोक्त सुविधाओं के कार्य करने, आपरेशन और रख-रखाव के लिए जिम्मेदार होंगे।
- 8.3.3 आगे, एसएमबी/पोर्ट प्राधिकारी/या ऐसे अन्य प्राधिकारी/ऐसे यार्ड के मालिक एरिया को विकसित तथा अनधिकृत कब्जे से सुरक्षा करेंगे, सुंदरीकरण करेंगे और स्टेशन की गतिविधियों को देखेंगे।
- 8.3.4 श्रमिकों और कामगारों को उचित उपायों के माध्यम से रहने की सुविधाएं दी जाएंगी जैसे ट्रस्ट बनाकर। ट्रस्ट में शिप रिसाइकिलिंग एसोसिएशन के सदस्यों, एसएमबी/पोर्ट प्राधिकार के प्रतिनिधियों, कलेक्ट्रेट अधिकारियों, श्रम अधिकारी और कामगारों के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाए।
- 8.3.5 श्रम विभाग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि श्रमिकों और कामगारों को न्यूनतम मजदूरी नियमों के अनुसार भुगतान किया जाए और शिप ब्रेकरों द्वारा शिप रिसाइकिलिंग श्रमिकों/कामगारों का किसी तरह से शोषण न किया जाए।
- 8.3.6 विनियमों के किसी भी क्लॉज की व्याख्या से यदि कोई प्रश्न उठता है तो नौवहन मंत्रालय का निर्णय अंतिम होगा।
- 8.3.7 जब तक कि संदर्भ अन्यथा जरूरी न हो, कोड में प्रयुक्त अन्य शर्तें अधिनियम के अंतर्गत उन्हें प्रदान किए गए अर्थ ही मान्य होंगे जैसे पेट्रोलियम अधिनियम, 1934; पेट्रोलियम नियम, 2002; फैक्टरी अधिनियम 1948; और संबंधित राज्य फैक्टरी नियम; जल प्रदूषण (निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974; गैस सिलिंडर नियम, 2004; वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981; मर्चेट शिपिंग अधिनियम, 1958; स्टेटिक एवं मोबाइल प्रेसर वेसल्स (अनफायर्ड) नियम, 1981; विस्फोटक अधिनियम, 1984; विस्फोटक नियम, 2008; खतरनाक वेस्ट (प्रबंधन, हैंडलिंग एवं ट्रांसबाउंड्री गतिविधि) नियम 2008; पर्यावरण(सुरक्षा) अधिनियम, 1986; इन अधिनियमों के अधीन बनाए गए विभिन्न विनियम और नियम जिसमें गुजरात मरीटाइम बोर्ड शिप रिसाइकिलिंग विनियम, 2003 और अन्य लागू अधिनियम तथा समय-समय पर अधिसूचित राज्य सरकारों द्वारा शिप रिसाइकिलिंग के लिए नियम शामिल हैं।
- 8.3.8 इस कोड के अंतर्गत रिसाइकिलिंग के लिए शिपों का आयात विभिन्न अधिनियमों/ समय-समय पर संशोधित नियमों के अनुसार तथा भारत सरकार की आयात और निर्यात पॉलिसी पर निर्भर करेगा। वर्तमान में ऐसे आयात की टैरिफ आयटम 89.08 खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन अनुमति प्राप्त है। 3 जुलाई, 1996 के परिपत्र क्र. 37/96 द्वारा विश्व उत्पाद शुल्क संगठन के साथ परामर्श करके वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग ने स्पष्ट किया कि शिप के अलावा स्पेयर्स इत्यादि सहित शिप में शामिल सभी चीजें भी टैरिफ आयटम 89.08 के अंतर्गत आते हैं।
- 8.3.9 यह कोड भारत में सभी शिप रिसाइकिलिंग गतिविधियों के लिए लागू होगा। आयटम नं. 1.3.4 के अंतर्गत संबंधित पोर्ट प्राधिकारी/ राज्य मरीटाइम बोर्ड या संबंधित राज्य सरकार अपने अधीन शिप रिसाइकिलिंग, यार्ड/प्लॉट्स की अनुमति देते समय और/या शिप रिसाइकिलिंग गतिविधियों को चलाने के लिए स्वीकृति एवं प्राधिकार देते समय औद्योगिक सुरक्षा निदेशालय और स्वास्थ्य/राज्य फैक्टरी निदेशालय से फैक्टरी अधिनियम, 1948 की धारा 6 के अनुसार फैक्टरी की स्वीकृति, लाइसेंस और पंजीकरण प्राप्त करें।
- 8.3.10 तथापि, नौवहन मंत्रालय, भारत-सरकार और संबंधित पोर्ट प्राधिकारी / राज्य मरीटाइम बोर्ड या राज्य सरकार के संबंधित विभाग अपने पास यह अधिकार सुरक्षित रखते हैं कि मान्यता प्राप्त शिप रिसाइकिलिंग प्लॉट या यार्ड के अलावा किसी समुद्र के अन्य किनारे पर शिप रिसाइकिलिंग और ब्रेकिंग के लिए विशेष छूट दे सकते हैं। ये विनियम उन जहाजों के लिए लागू नहीं होता जिन्हें रेक्स के रूप में ग्राउंडेड और परिभाषित किया गया है। रेक्स की स्वीकृति के लिए मर्चेट शिपिंग अधिनियम, 1958 के अंतर्गत संबंधित नियम है।
- 8.3.11 रिसाइकिलिंग के लिए प्रत्यक्ष रूप से दी गई कोई शिप किसी भी दावे या शिप के किसी पूर्वमालिक के विरुद्ध उत्पन्न मरीटाइम ग्रहणाधिकार से मुक्त होगा।
- 8.3.12 सभी कार्यान्वयन करने वाले प्राधिकारियों के लिए यह कोड अनिवार्यतः लागू होगा।
- 8.4 कोड के लिए संशोधन प्रावधान
- 8.4.1 इस कोड में निहित इन विनियमों को निम्नलिखित परिस्थितियों में नौवहन मंत्रालय, भारत-सरकार द्वारा संशोधित किया जा सकता है :-
- भारत-सरकार द्वारा शिप रिसाइकिलिंग पर अंतर्राष्ट्रीय मरीटाइम संगठन (आईएमओ) कंवेशन के संस्तुति पर और शिप रिसाइकिलिंग पर आईएमओ कन्वेंशन में किसी परिणामी परिवर्तन पर ;
 - कोड पर सुनवाई करने के बाद भारत-सरकार द्वारा अन्य नियमों और विनियमों के संशोधन पर; और
 - अन्य केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों, राज्य मरीटाइम बोर्ड /पोर्ट प्राधिकारियों और आवश्यक संशोधन के लिए अन्य स्टेक धारकों से प्राप्त अनुरोध तथा इस कोड के कार्यान्वयन में आने वाली किसी व्यावहारिक कठिनाई पर भारत-सरकार द्वारा विचार किए जाने पर।

परिशिष्ट - 1

प्रवाह सारणी



अनुलग्नक-I

(पैरा 3.4)

पोतस्वामियों द्वारा राज्यों(रिसाइक्लिंग यार्डों)को भेजे जाने वाले अपने पोतों के बारे में प्रारंभिक रिपोर्ट करना।

1.0. पोतस्वामी आईएमओ पोत रिसाइक्लिंग कन्वेंशन(अभी अनुसमर्थन किया जाना है) में यथा विनिर्दिष्ट संबंधित प्रशासन को पोत के रिसाइक्लिंग करने के इरादे को उचित समय एवं लिखित रूप में सूचित करेगा। जिससे प्रशासन आईएमओ पोतरिसाइक्लिंग कन्वेंशन द्वारा यथा अपेक्षित रूप में सर्वेक्षण एवं प्रमाणन के लिए तैयारी कर सके।

1. पोतरिसाइक्लिंग सुविधा जब रिसाइक्लिंग के लिए पोत को प्राप्त करने की तैयारी कर रहा हो तो उसे समक्ष प्राधिकारी (रियों) को इस इरादे के बारे में उचित समय एवं लिखित रूप में सूचित करेगा। इस सूचना में पोत के विवरण में जो शामिल होंगे वे निम्नानुसार हैं।
 - i उस राज्य का नाम जिसका ध्वज पोत उपयोग में लाने के लिए पात्र है
 - ii वह तिथि जिस दिन पोत उस राज्य के साथ पंजीकृत हुआ था
 - iii पोत की पहचान संख्या (आईएमओ संख्या)
 - iv नव निर्मित सुपुर्दगी पर हल संख्या
 - v पोत का नाम व प्रकार।
 - vi प्रत्याशित आगमन तिथि
 - vii पत्तन जहाँ पोत पंजीकृत हुआ है और अंतिम पत्तन निकासी
 - viii पोतस्वामी का नाम व पता तथा आईएमओ पंजीकृत स्वामी पहचान संख्या
 - ix कम्पनी का नाम व पता तथा आईएमओ कम्पनी पहचान संख्या
 - x पोत संरचना के पोत पर पोत रिसाइक्लिंग के द्वारा हाराकांरा कन्वेंशन के परिशिष्ट - एचआई के अनुसार खतरनाक सामग्रियों की सूची (जैसे ही कन्वेंशन अनुसमर्थित किया जाता है। यह अनिवार्य होगा अन्यथा पोत रिसाइक्लिंग यार्डों द्वारा खतरनाक सामग्रियों की जानकारी के लिए सामान्य आइएचएम सूची पर्याप्त हो सकती है।)
 - xi अंतिम पत्तन प्राधिकारियों द्वारा जारी माल मुक्त प्रमाणपत्र
 - xii उन सभी वर्गीकृत सोसाइटी (टियों) का नाम जिसके साथ पोत वर्गीकृत है
 - xiii पोत के मुख्य विवरण समग्र लम्बाई (एलओए), चौड़ाई (ढलूवां)/गहराई(ढलूवां), लाईटवेट सकल एवं शुद्ध टनभार एवं इंजन प्रकार एवं रेटिंग; और
 - xiv खतरनाक सामग्रियों की सूची; तथा रिसाइक्लिंग प्रमाणपत्र अन्तरराष्ट्रीय तैयारी;

स्वामी का हस्ताक्षर:
 उसकी कम्पनी की मुहर
 टेलीफोन नं.
 फैक्स नं.
 ईमेल आई डी
 दिनांक:

अनुलग्नक—II

(पैरा 3.12)

सेवा में,

पत्तन प्राधिकारी/राज्य मेरीटाइम बोर्ड

विषय:बीचिंग (समुद्र तट) अनुमति के लिए आवेदन पत्र।

प्रिय महोदय,

मेरे/हमारे पास प्लॉट नं.—पर पोतों को बीच एवं तोड़ने का लाईसेंस है, मैं/हम पोत को मेरे/हमारे प्लॉट सं. पर पोत को समुद्र तट पर करने की अनुमति प्राप्त करने के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं। अपेक्षित सूचना नीचे दी जाती है।

I. आवेदक का नाम

II. प्लॉट सं.

III. प्लॉट का आकार

IV. तिथि जब अंतिम जलयान बीच (समुद्र तट) की गई।

V. अंतिम जलयान का एलडीटी

VI. बीच(समुद्र तट) किये गये अंतिम जलयान की वर्तमान स्थिति (यदि रिसाइक्लिंग के अंतर्गत है तो अभी विघटित किये जाने वाले प्रतिशत के बारे में विनिर्दिष्ट किया जाएगा।

VII. बीच (समुद्र तट) किये जाने वाले जलयान का विवरण।

(ए) नाम:

(बी) ध्वज:

(सी) मूल:

(डी) प्रकार:

(इ) एलडीटी:

(एफ) इटीए:

(जी) अग्रिम पत्तन आगमन एवं अग्रिम पत्तन निकासी प्रमाणपत्र:

(एच) गत तीन समुद्री यात्राओं के दौरान ----माल

(आई) चल या अचल जलयान

8. प्रमाणित किया जाता है कि,

i. मेरी सर्वोत्तम जानकारी में दी गई सभी सूचनाएं सही है।

ii. स्वच्छ रद्दी को छोड़कर सभी मलवे समुद्र/समुद्र अपतटीय से हटा लिये गए हैं। तथा अनुमोदित रूप में निपटान कर लिए गए हैं।

iii. गैस मुक्त प्रमाणपत्र नामतः (ए) वेंट या ड्राईडॉक में प्रवेश के लिए (बी) मानव प्रवेश के लिए (सी) कार्य के लिए गैस मुक्त प्रमाणपत्र, विस्फोटक विभाग से प्राप्त कर लिए गए हैं। तथा संलग्न हैं। यदि जलयान तेल टैंकर है तो अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

- iv. पोत के मास्टर से प्रमाणपत्र अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।
- v. सक्षम व्यक्ति से कारखाना अधिनियम 1948 के धारा 36 के अनुसार प्रवेश प्रमाणपत्र प्राप्त कर लिए गए हैं और अनुलग्नक के रूप में संलग्न हैं।
- vi. पोत/पोतो की कुल चौड़ाई की वर्तमान स्थिति तथा बीच (समुद्र तट) की जाने वाली पोत प्लाट की चौड़ाई से 5 मीटर कम है।

9. संलग्न दस्तावेज:

- (ए) क्रेता एवं विक्रेता के बीच किए गए मूल एमओए;
- (बी) पत्तन को किए गए भुगतान का चालान;
- (सी) सीमा शुल्क एनओसी के साथ चालान;
- (डी) एसपीसीबी प्राधिकार;
- (इ) टीडीएसएफ प्रचालक से पंजीकृत प्रमाणपत्र की प्रतिलिपि;
- (एफ) मास्टर प्रमाणपत्र (गैसमुक्त, कार्बनडाइआक्साईड, खतरनाक सामग्री नहीं);
- (जी) सर्वेक्षण रिपोर्ट – मूल;
- (एच) मूल प्रत्यक्ष सुपुर्दगी प्रमाणपत्र;
- (आई) तेल, पेट्रोलियम के लिए पेट्रोलियम तथा विस्फोटक, सुरक्षा संगठन, भारत सरकार के अधिकारी द्वारा जारी गैस मुक्त प्रमाणपत्र

रासायनिक वाहको के संबंध में – कारखाना अधिनियम 1948 के प्रावधानों के अंतर्गत सक्षम व्यक्ति से प्रमाणपत्र।

(जे) तेल टैंकरों के लिए पेट्रोलियम एवं विस्फोटक, सुरक्षा संगठन भारत सरकार के अधिकारी द्वारा गैसमुक्त प्रमाणपत्र एलपीजी/एलएनजी टैंकर के बारे में रासायनिक वाहकों के कारखाना अधिनियम 1948 के प्रावधान के अंतर्गत सक्षम व्यक्ति से प्रमाणपत्र;

(के) 100 रुपये के स्टाम्प पेपर पर नाम, पूरा पता एवं संपर्क सहित एक वचनबद्धपत्र;

केवल कार्यालय प्रयोग हेतु

1. आवेदन पत्र प्राप्ति तिथि-
2. प्राप्तकर्ता-
3. प्रदान की गई समुद्र तट की अनुमति तिथि

अनुलग्नक-III

(पैरा 5-8)

सेवा में,

पत्तन प्राधिकारी/राज्य मेरी टाइम बोर्ड

विषय: रिसाइक्लिंग अनुमति के लिए आवेदन पत्र।

प्रिय महोदय,

मेरे/हमारे पास प्लाट नं. पर पोतों को समुद्र तट एवं तोड़ने का लाइसेंस है। मैं/हम अपने प्लाट पर पोत तोड़ने की अनुमति प्राप्त करने के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं। अपेक्षित सूचना नीचे दी जाती है

1. आवेदन का नाम:
2. प्लाट नं:

3. प्लाट का आकार:
4. कटाव के अंतर्गत जलयान की वर्तमान स्थिति:
5. तोड़े जाने वाले जलयान का विवरण:

(ए) नाम

(बी) प्रकार

(सी) एल डी टी

प्रमाणित किया जाता है कि

मेरी सर्वोत्तम जानकारी में दी गई सभी सूचना सही है।

प्रमाणपत्र नामतः (ए) कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 36, 41 एवं 112 के अंतर्गत बनाए गए नियम एच के अनुसार सीमित स्थानों में जहाँ खतरनाक धुआं एवं अपर्याप्त ऑक्सीजन होने की संभावना है वहां मानव प्रवेश के लिए व्यक्ति जारी प्रमाणपत्र (बी) सक्षम व्यक्ति द्वारा जारी कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 41 एवं 112 के अंतर्गत बनाए गए नियम 68-एच के अनुसार खुला प्रकाश प्रमाणपत्र (तप्तकार्य अनुमति) (सी) पोत के सीमाशुल्क निकासी का साक्ष्य देते हुए रसीद (डी) पोत रिसाइक्लिंग क्रिया कलाप हेतु राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्राधिकार एवं सहमति की प्रमाणित प्रति।

अनुलग्नक—IV

(पैरा 5-8)

वचनबद्ध

मैं अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि

(ए) सभी प्रकार के पेट्रोलियम उत्पाद जैसे टैंक आदि में तेल, इंजन और गैस, कार्बनडाइआक्साइड सहित

पोत के गैस को खाली और हटा दिया गया है और कटाव प्रचालन करने से पहले पूरी तरह साफ किया जाएगा।

(बी) गैस सिलेंडर नियमावली:-1981 के अनुसार प्लाट या पोत रिसाइक्लिंग यार्ड के भीतर किसी अप्राधिकृत गैस सिलेन्डर के छनन और अथवा सिलेन्डर का टाइल गैसों सहित जैसा कि फ्रेन, अमोनिया, कार्बनडाइआक्साइड आदि, वहन नहीं की जाती है।

हस्ताक्षर

(अधिकारी का नाम)

(केवल कार्यालय प्रयोग के लिए)

1. आवेदन पत्र की प्राप्ति तिथि:
2. प्राप्तकर्ता:
3. समुद्रतट ले जाने की अनुमति तिथि:

अनुलग्नक—V

(पैरा 3.15)

पोत में निहित रेडियो धर्मी सामग्री की सूचना हेतु प्रपत्र, प्रस्तोता (एंकोरिंग) करने से पूर्व पोत रिसाइक्लोर द्वारा दिया जाना है।

- 1) पोत का नाम:
- 2) आई एम ओ पहचान सं.
- 3) देश का ध्वज
- 4) कॉल चिह्न

- 5) पोत के मास्टर का नाम तथा उसकी राष्ट्रीयता:
- 6) पोत जब सेवारत था, उस समय पोत में निहित रेडियोधर्मी सामग्री का विवरण:

क्र.सं.	रेडियो न्यूक्लाइड का नाम	स्रोत सं.	कुल क्रियाकलाप (क्यूरीज)	पोत में स्रोत का स्थान	स्रोत का उद्देश्य
---------	--------------------------	-----------	--------------------------	------------------------	-------------------

7. प्रस्तोता (एंकोरिंग) के समय पोत में वर्तमान रेडियोधर्मी सामग्री का विवरण:

क्र.सं.	रेडियो न्यूक्लाइड का नाम	स्रोत सं.	कुल क्रियाकलाप (क्यूरीज)	पोत में स्रोत का स्थान	स्रोत का उद्देश्य
---------	--------------------------	-----------	--------------------------	------------------------	-------------------

8. रेडियोधर्मी उपकरण का विवरण

क्र.सं.	उपकरण	बनावट	मॉडल	उपकरण की क्र.सं.	रेडियो न्यूक्लीड	क्रिया कलाप (क्यूरीज)	उपकरण का उद्देश्य एवं स्थान
---------	-------	-------	------	------------------	------------------	-----------------------	-----------------------------

* यदि उपकरण में स्रोत निहित है तो उपकरण प्रकार का विवरण, तथा

इसकी बनावट तथा मॉडल सं. दी जानी है।

वचनबद्ध

मैं प्रमाणित करता हूँ कि:-

मेरी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास में उपरोक्त सभी विवरण सही हैं।

पोत के मास्टर का नाम व हस्ताक्षर

रिसाइक्लर के प्रतिनिधि:

पदनाम:

अनुलग्नक—VI

(पैरा 3.15)

रेडियोधर्मी सामग्री की मौजूदगी हेतु पोत के पोत पर सत्यापन के दौरान डेस्क समीक्षा की सूचना के लिए प्रपत्र

- 1) पोत का नाम:
- 2) आई एम ओ पहचान सं.
- 3) देश का ध्वज:
- 4) कॉल संकेत
- 5) पोत के मास्टर का नाम और उसकी राष्ट्रीयता:
- 6) पोत के एंकोरिंग हेतु जारी अनुमति का विवरण:
- 7) अनुलग्नक- V में दी गई सूचना के सत्यापन का परिणाम फल:
- 8) समुद्र तट के बाद पोत से बरामद कोई रेडियोधर्मी सामग्री का विवरण:

राज्य मेरीटाइम बोर्ड/पत्तन प्राधिकारी

के निरीक्षण दल के नाम व हस्ताक्षर

पदनाम:

संगठन का नाम:

स्थान:

दिनांक:

अनुलग्नक—VII

(पैरा 5.11)

पोत रिसाइक्लिंग की पूर्णता के विवरण का प्रपत्र

पोत रिसाइक्लिंग की पूर्णता का विवरण।

यह दस्तावेज () पोत का नाम जब इसे रिसाइक्लिंग/पंजीकरण विलोपन स्थिति के लिए प्राप्त किया जाता है। पोत रिसाइक्लिंग की पूर्णता के विवरण के लिए है।

रिसाइक्लिंग के लिए प्राप्त पोत का विवरण।

विशिष्ट संख्या या अक्षर:

रजिस्ट्री पत्तन:

समग्र टनभार:

आई एम ओ सं. :

पोत स्वामी का नाम व पता:

आई एम ओ पंजीकृत स्वामी:

पहचान संख्या:

आई एम ओ कम्पनी पहचान सं. :

निर्माण तिथि:

खतरनाक अपशिष्ट उत्पन्न एवं निपटान का विवरण:

यह पुष्टि की जाती है कि: पोत भंजन संहिता, 2013 के अनुरूप अनुमोदित रूप से रिसाइक्लिंग की गई है।

(विघात पोत रिसाइक्लिंग सुविधा का नाम व स्थान)

पोत की रिसाइक्लिंग पूर्ण तिथि:

दिन माह वर्ष

(पूर्णता तिथि)

(जारी तिथि)

(पोतभंजक या उसके प्रतिनिधि का

हस्ताक्षर एवं पूरा पता)

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD & PUBLIC DISTRIBUTION
(DEPARTMENT OF FOOD & PUBLIC DISTRIBUTION)

New Delhi, the 20th January 2017

AMENDMENT

No. E-11015/4/2014-Hindi—With regard to the reconstitution of Hindi Advisory Committee of Ministry of Consumer Affairs, Food & Public Distribution, the amendment in the serial number 5 under the head Members of Rajya Sabha in the resolution of even number of this Department dated 5th February, 2014 is made as follows :—

For

Shri V. P. Singh Badnore — Member of Parliament (Rajya Sabha)

Read

Shri Shiv Pratap Shukla — Member of Parliament (Rajya Sabha)

DHIRENDRA KUMAR
Deputy Secretary

MINISTRY OF AGRICULTURE & FARMERS WELFARE
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE, COOPERATION & FARMERS WELFARE)

New Delhi, the 12th January 2017

No.8-217/2004-PP.I (Pt.)—In partial modification of Government of India, Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, Department of Agriculture, Cooperation & Farmers Welfare Notification No.8-97/91-PP.I dated 26.11.1993, as amended from time to time, it is hereby notified for general information that the following entries shall be included by way of addition or replacement under the relevant heads specifying officers, by designation, who are authorized to inspect, fumigate or disinfect and grant phytosanitary certificates in respect of plants and plant materials intended for export to other countries, which require such certificates:

I. Central Government

- (li) The Officer-in-Charge,
Plant Quarantine Station,
Paradeep (Odisha)
[Code No. 'C' (PPQS) 1 (51)]
- (lii) The Officer-in-Charge,
Plant Quarantine Station,
Gopalpur (Odisha)
[Code No. 'C' (PPQS) 1 (52)]
- (liii) The Officer-in-Charge,
Plant Quarantine Station,
ICD Sanand, Ahmedabad (Gujarat)
[Code No. 'C' (PPQS) 1 (53)]
- (liv) The Officer-in-Charge,
Plant Quarantine Station,
Puducherry
[Code No. 'C' (PPQS) 1 (54)]
- (lv) The Officer-in-Charge,
Plant Quarantine Station,
Hyderabad (Telangana)
[Code No. 'C' (PPQS) 1 (55)]
- (lvi) The Officer-in-Charge,
Plant Quarantine Station,
Cuddalore (Tamil Nadu)
[Code No. 'C' (PPQS) 1 (56)]

- (lvii) The Officer-in-Charge,
Plant Quarantine Station,
Baghdogra Airport (West Bengal)
[Code No. 'C' (PPQS) 1 (57)]
- (lviii) The Officer-in-Charge,
Plant Quarantine Station,
Central Integrated Pest Management Centre,
Nasik (Maharashtra)
[Code No. 'C' (PPQS) 1 (58)]

In the said notification, the following entry shall replace the existing entries under the relevant head:

- (xxi) The Officer-in-charge
Plant Quarantine Station,
Madgaon (Goa)
[Code No. 'C' (PPQS) 1 (23)]
- (xxii) The Officer-in-charge
Plant Quarantine Station,
Lucknow (Uttar Pradesh)
[Code No. 'C' (PPQS) 1 (24)]

ASHWANI KUMAR
Joint Secretary

Note: The original notification was issued by Department of Agriculture & Cooperation vide notification no. 8-97/91-PP.I dated 26.11.1993 and subsequently modified vide notification no. 8-97/91-PP.I dated 25.11.97, notification no. 8-70/98-PP.I dated 30.09.1999, notification no. 8-86/2000-PP.I dated 06.11.2001, notification no. 8-86/2000-PP.I dated 06.05.2002, notification no. 8-86/2000-PP.I dated 30.05.2002, notification no. 8-33/2003-PP.I dated 7.6.2004, notification no. 8-217/2004-PP.I(pt.) dated 11.05.05, notification no. 8-217/2004-PP.I(pt.) dated 20.06.05, notification no. 8-217/2004-PP.I(pt.) dated 8.12.05, notification no. 8-217/2004-PP.I(pt.) dated 9.1.06, notification no. 8-217/2004-PP.I(pt.) dated 26th December, 2011, notification no. 8-217/2004-PP.I(pt.) dated 30th January, 2013, notification no. 8-217/2004-PP.I(pt.) dated 6th July, 2015 and notification no. 8-217/2004-PP.I(pt.) dated 21st June, 2016.

MINISTRY OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS

New Delhi-110001, the 28th December 2016

RESOLUTION

No. E.-11015/2/2016-Hindi—Consequent upon the inclusion of his name in Hindi Salahakar Samiti of the Ministry of Youth Affairs and Sports as communicated vide Ministry of Parliamentary Affairs' O.M. No. F. 2-40(1)/2000-Committee dated 14.12.2016, Government of India hereby nominates Shri Shwati Malik, MP (Rajya Sabha) as member in Hindi Salahakar Samiti of the Ministry in place of Shri Vijay Goel, Minister of State for Youth Affairs and Sports (IC).

2. All the terms and conditions of the Hindi Salahakar Samiti mentioned in earlier resolution of even number dated 02.07.2015 will remain the same.

LALIT KUMAR GUPTA
Joint Secretary

MINISTRY OF SHIPPING

New Delhi, the 2nd February 2017

ORDER

No. SR-19021/2/2014-MG (SBR) Vol.III—In exercise of the powers conferred by para 8.4.1 of the Shipbreaking Code, 2013, published by the Ministry of Steel vide order dated 7th March, 2013, the Government of India in the Ministry of Shipping hereby formulates the Shipbreaking Code (Revised), 2013, as given in the Schedule to this Order.

J. K. BUBANA
Deputy Secretary

SCHEDULE

SHIPBREAKING CODE (REVISED), 2013

CHAPTER I

- 1.1 Short title and Commencement: This may be called Shipbreaking Code (Revised), 2013.
- 1.2 The code shall come into force with effect from the date of its publication in the official Gazette and shall remain in operation until the concerned enactments are amended on line with the Code.
- 1.3 Definitions :-
In this Code, unless the context otherwise requires
- (a) "Administration" means the Government of the country whose flag the ship is entitled to fly, or under whose authority it is operating.
- (b) "AERB" means Atomic Energy Regulatory Board under the Atomic Energy Commission.
- (c) "Authorized Ship Recycling Yard" means a ship recycling plot or plots in cluster developed to cater to safe and environmentally sound ship recycling, allotted by the SMB or Port Trust/Authority and for which 'Authorization' has been issued by the concerned State Pollution Control Board for the purpose of Ship Recycling.
- (d) "Certificate of Inventory of Hazardous Materials" means a certificate to be issued by the Administration, or in the absence of such Certificate being issued by an Administration, the Certificate to be issued by the Master of the ship or the Shipowner, which lists the hazardous materials on board the ship in the format as prescribed in Annexure II.
- (e) "DG FASLI" means Directorate General Factory Advice Service & Labour Institute a technical arm of the Ministry of Labour & Employment, Government of India.
- (f) "D G Shipping" means the Directorate General of Shipping, the authority constituted under the provisions of Merchant Shipping Act (44 of 1958), 1958, as may be amended from time to time.
- (g) "Employer" means any natural or legal person that employs one or more workers, engaged in Ship Recycling.
- (h) "Factory Inspector" means an inspector appointed under Sub-Section (1) of Section 8 of the Factories Act, 1948
- (i) "Hazardous Material" means any substance or material which, by reason of its chemical or physio-chemical properties or handling, is liable to cause harm to human beings, other living creatures, plant, micro-organism, property or the environment.
- (j) "Owner of a ship Recycling plot/yard/facility" means any person or body permitted/authorized by the State Maritime Board (SMB) or Port Trust for use of the ship recycling plot/yard.
- (k) "Port Authority" means a Port officer or any other person appointed and authorized by the State Maritime Board (SMB) or any officer appointed under the Major Port Trusts Act, 1963 to act as Port Authority.
- (l) "Radiological Safety Officer (RSO)" means any person who is so designated by the SMB/State Government and approved by AERB, as per Atomic Energy (Radiation Protection) Rules, 2004.
- (m) "Ready for Recycling Certificate" means the certificate issued by the Maritime Administration or organization authorized by the Maritime Administration, which authenticates that the vessel is complying with the present Code and applicable International regulations.
- (n) "Safety Officer" means Officer appointed to ensure safety in hazardous processes as per Section 40B of the Factories Act, 1948.
- (o) "Ship" as used in this Code means vessels and floating structures of any type whatsoever operating or having operated in the marine environment and shall include submersibles, floating crafts, floating platforms, self-elevating platforms, Floating Storage Units (FSU), Floating Production Storage Units and Offloading Units (FPSO), a vessel stripped of equipment or being towed.
- (p) "Shipowner" for the purposes of this Code, means the person or persons or company registered as the owner of the ship and, in the case of a ship owned by a State and operated by a company which in that State is registered as the ship's operator, owner shall mean such company.
- (q) "Ship Recycler" is the person who purchases a ship for Recycling activities.

- (r) “Ship Recycling Activities” means and includes all activities such as beaching, cutting, breaking, dismantling of the ship, reprocessing, reducing and re-using of the components and materials there from, and includes associated operations such as storage, treatment and disposal of the components and materials.
- (s) “Ship Recycling Plot or Yard”: A defined piece of land of suitable dimension as allotted by SMB or Port Trust, and duly authorized by the SPCB under the prevailing hazardous waste management rules, in which ship recycling activities are carried out.
- (t) “SMB” means State Maritime Board as constituted by the State Government under official Gazettes as per the role and functions stipulated under the Indian Port Act, 1908.
- (u) “SPCB” means State Pollution Control Board and is the Board or Committee constituted under sub-section (1) of section 4 of the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974 (6 of 1974).
- (v) “SRP” means Ship Recycling Plan. It is the Plan Document developed by the ship recycler to recycle a ship in safe and environmentally sound manner.
- (w) “SRFMP” means Ship Recycling Facility Management Plan which includes the plot for ship recycling as per approved lay out and equipped with various facilities as set out in the code and as may be prescribed by the competent authority from time to time.
- (x) “Supervisor” means safety Supervisor appointed to supervise safety provisions hazardous processes as per Section 41-C (b) of Factories Act, 1948.
- (y) “Tanker” means an oil tanker as defined by the Merchant Shipping Act, 1958.
- (z) “Worker” means the Worker defined under sub -clause (1) of Section 2 of the Factories Act, 1948.

CHAPTER II

CATEGORIES OF SHIPS AND SHIPS OF SPECIAL CONCERN

2.1 Classification of Ships:- The following ships shall be treated as Ships of “Special Concern”:-

- a. War Ships,
- b. Nuclear Powered Vessels,
- c. Naval Ships,
- d. Passenger or Passenger cum Roll-on/Roll-off (RORO) vessels weight 20,000 Light Displacement Tonnage(LDT) or more,
- e. Petroleum, Oil and Chemicals carrying tankers,
- f. Floating Platforms for Off -Shore Production (FPSO),
- g. vessels having mean draft more than 8 meters and requiring beaching at 1.5 kilometers or more from the shore base line and
- h. International Maritime Dangerous Goods (IMDG) carrying vessels.

All ships other than ships of Special Concern would be treated as ships of general concern.

2.2 The nature of concern in respect of the ships of special concern and the essential infrastructure and precautions necessary whilst handling such categories of ships shall be as set out in the table below.

S. No:	Category	Nature of Concern	Essential infrastructure and precautions necessary
1.	Warships	Large quantities of PCBs, ACMs and radioactive materials	<p>-Adequate infrastructure at the yard to handle the identified quantities of radioactive and other hazardous materials with adequate, approved infrastructure and disposal facilities nearby, adequately trained staff.</p> <p>-Inspection and strict monitoring by the AERB, Customs Department, Navy, State Maritime Board (SMB)/Port Authority and State Pollution Control Board (SPCB) concerned. State Maritime Board/Port Authority shall coordinate intimation, inspection and monitoring.</p>

S. No:	Category	Nature of Concern	Essential infrastructure and precautions necessary
2.	Large passenger liners (greater than or equal to 20,000 LDT or having mean draft more than 8 meters)	Large quantities of PCBs, ACMs	Inspection and strict monitoring by AERB, directly or through RSO, for any radioactive materials. Adequate infrastructure at the yard to handle the identified quantities, adequate approved infrastructure and disposal facilities nearby adequately trained staff. Inspection and strict monitoring by the Customs Department, the SPC B and the SMB/Port Authority concerned.
3.	Nuclear powered ships and naval vessels	Residual Radiation Level	Monitoring by AERB of residual radiation level and if such level is found to be higher than the permissible limits, to recommend measures for decontamination. Reactors, cores and all radioactive wastes to be removed by ship owner before last voyage and before sending it for recycling. Inspection and strict monitoring by AERB, Customs Department, Navy, State Maritime Board (SMB) Port Authority and the State Pollution Control Board (SPCB) concerned.
4.	Deep draft ships having mean draft more than 8 meters requiring beaching at 1.5 kilometres or more from the baseline.	Distance from the beach during beaching and difficult to drag up to the plots	Extra precautions required in transferring hazardous materials or materials containing hazardous substances to avoid spillage into the sea. Inspection and strict monitoring by Customs Department/ State Maritime Board (SMB)/ Port Authority/ SPCB concerned.
5.	International Maritime Dangerous Goods	Hazardous residues in Cargo Tanks	Adequate infrastructure at the yard to handle the identified quantities, adequate approved infrastructure and disposal facilities nearby adequately trained staff, strict monitoring by the SPCB and the SMB/Port Authority concerned.
6.	Floating Platforms For Offshore Production, Petroleum. Chemicals and oil carrying tankers	Beaching difficulties and hazardous wastes in platforms and the vessels	Extra precautions required in transferring hazardous materials or materials containing hazardous substances to avoid spillage into the sea. Inspection and strict monitoring by Customs Department, State Maritime Board / Port Authority/ SPCB concerned.

CHAPTER III

ARRIVAL OF VESSEL, ANCHORING AND BEACHING PROCESS

3.1 Information to be submitted prior to vessels arrival in India

3.1.1 All ships, prior to entering the Indian exclusive economic zone, are required to notify the Maritime Rescue Coordination Centre (MRCC) of its intended date of arrival. Such notice is required to be given at least 7 days prior to the arrival of the vessel at the Exclusive Economic Zone of India.

3.1.2 The notice to be furnished in 3.1.1 should set out the following information:-

- that the ship is bound for the Recycling Yards for ship recycling
- the coordinates of the area and
- likely duration of stay at the anchorage.

This will enable the MRCC to provide necessary help to the ship(s) in case of any machinery breakdown, thereby avoiding any mishap to the Ocean Data Acquisition Systems (ODAS) and other ships at outer anchorages.

Anchoring and Beaching:

3.2 Upon entry into the Port area, a ship is allowed to be anchored by dropping one or more anchors to the seabed. This prevents drifting of the ship, tethers it to one spot, and enables boarding from boats. A ship at anchor may lift its anchors, and sail away. Anchoring of ships is thus fully reversible.

- 3.3 Beaching is the process in which a ship is taken ashore to land or grounded deliberately in shallow water, either on its own power or under tow. A beached ship is rendered immobile and cannot be re-floated. Beaching is thus irreversible.

Process for Anchoring:

- 3.4 Notice to the SMB/ Port Authority:- The Ship Owner shall submit to the State Maritime Board/Port Authority, his intention to send the ship to the Authorized Ship Recycling Yard as per format given in Annexure-I at least 7 days prior to the arrival of his ship(s) for recycling.

- 3.5 Submission of Documents for Desk Review:- Along with the submission of the document at Annexure-I, the shipowner or recycler shall also submit the following information/ documents to the State Maritime Board/Port Authority, State Pollution Control Board and the Customs Department, for a desk review thereof, including on the genuineness of the documents.

Details of ship, which include:

- a. Name of the Ship
 - b. International Maritime Organization (IMO) No of Ship.
 - c. Flag of the ship
 - d. Call Sign
 - e. Name of the Master of the Ship and his nationality
 - f. List of the crew
 - g. Gross Registered Tonnage (GRT)/Net Registered Tonnage (NRT)/Light Displacement Tonnage (LDT) of the ship with supporting documents
 - h. Port clearance from the last port of call
 - i. Proof of ownership
 - j. Details like name, address, contact number, e-mail address of the owner of the vessel and master of vessel.
 - k. Undertaking from the Shipowner that they will submit Non-Encumbrance certificate within 7 days from the date of anchorage of vessel at outer anchorage. *It is made clear that permission for beaching will be granted by State Maritime Board only on production of the Non-Encumbrance Certificate and not just the undertaking.*
 - l. Copy of Memorandum of Agreement with Ship Recycler.
 - m. Assessment of hazardous wastes in the structure of the ship, and on board as far as practicable by reference to the ship's drawings, technical specifications, ship's stores, manifest, in consultation with the ship builder, equipment manufacturers and others as appropriate. In the case of ships of special concern, in addition to the identification and marking of all areas containing hazardous wastes/hazardous substances, quantification of such wastes/substances would also be necessary.
- 3.6 Payment of Port Charges:- The Shipowner or the ship recycler shall also, along with the submission of Annexure 1 and all documents under 3.5 above, pay all necessary port charges for obtaining permission for the ship to enter the port. The SMB/ Port Authorities reserve their rights to refuse permission to enter the port in the event of the shipowner or the ship recycler being in default of payment of past dues.
- 3.7 Verification of Documents:- The SMB/ Port Authorities, may, at their discretion, consult the Directorate General of Shipping to verify the genuineness of the documents submitted to them under Clause 3.5 above.
- 3.8 On receipt of any request for consultation under clause 3.7, the Directorate General of Shipping, in consultation with the Coast Guard, shall verify the genuineness of the documents submitted for review.
- 3.9 Denial of permission:- In the event of any of the documents submitted is deemed unreliable or if the document submitted are fake or conceals any material fact, the ship owner/ will be denied permission to beaching and/or breaking. Such denial of permission shall be communicated to the shipowner/ ship recycler within 5 days of them having submitted the application in the form of Annexure 1 under clause 3.4 and the documents accompanying it under Clause 3.5.

Anchoring :

- 3.10 After the desk review by the Port Authority/State Maritime Board (SMB)/State Pollution Control Board (SPCB)/Customs, a decision will be taken regarding anchorage of the ship by the Port Authority/ the State Maritime Board concerned. In case anchorage of the ship is refused by any one of these agencies the ship owner would be entitled to appeal to the concerned statutory authorities, who will entertain and hear the appeal in accordance with their respective statutes. Any order granted under these Appeal proceedings, granting permission for anchoring, shall be an anchoring permission under this clause.
- 3.11 Where all the concerned agencies are satisfied after desk review and have recommended that the ship be anchored, anchorage safety instructions would be issued by the State Maritime Board/Port Authority, who shall also carry out physical verification of the ship by the Petroleum and Explosives Safety Organization (PESO) for issuance of gas free and fit for hot work for their petroleum tankers Cargo fold tanks and Atomic Energy Regulatory Board (AERB) for War Ships/Naval ship Nuclear Powered Vessels and by the SPCB for large passenger liners more than 20,000 LDT and Customs Department for all vessels and the Navy, in case of warships/naval ships and nuclear powered vessels, in addition to the other concerned agencies. In case a ship does not comply, according to the submitted documents, or as per inspection by any of the agencies, owner would be entitled for appeal to the designated appellate authorities.
- 3.12 Documents to be provided at the time of boarding the ship by concerned authorities:- Boarding is to be done after anchorage permission has been given under clause 3.10. At the time of boarding, the Ship Recycler has to submit the following documents and those specified in Annexure-II, in original, to the Port Authority/State Maritime Board for a verification of the documents, contents and its genuineness.
- (i) Master's certificate-original with IMO No. and showing
 - a. Inventory of hazardous materials
 - b. Inventory of gases,
 - c. Inventory of radioactive material on board,
 - d. C O 2 declaration,
 - e. Confirmation of Ballast water exchange at high seas,
 - f. Confirmation of the Bunker oil/lube oil or other Oil substances that are remaining on board
 - (ii) Cargo declaration form;
 - (iii) Safe Manning Certificate;
 - (iv) Competency certificates of crew;
 - (v) The Inventory of Hazardous Material (IHM) Certificate as may be certified/prepared by International Classification Society once the Hong Kong Convention for Safe and Environmentally Sound Ship Recycling Convention is ratified by India and till such time inventory signed by master of the ship by provided to SMB.
 - (vi) Seller/agent pays applicable port dues to the port at the prevailing rate.
 - (vii) The name of the State whose flag the ship is entitled to fly;
 - (viii) Hull number on building delivery;
 - (ix) The name and type of the ship along with the date of such registration;
 - (x) The port at which the ship is registered;
 - (xi) The name and the address of the ship owner;
 - (xii) The name of the classification society(ies) with which the ship is classed; and
 - (xiii) The ships main particulars such as length overall (LOA), Breadth (Moulded), Depth (Moulded) Lightweight Cargo Carrying Capacity, Gross and Net tonnage, and engine type.
- 3.13 Physical Boarding and verifications:- At anchorage/location specified by the Port authority for waiting prior to beaching, the ship would be boarded and physically verified by-
- (i) Representatives of Customs Department for all vessels,

- (ii) For petroleum tankers for their cargo hold by the representatives of the Petroleum & Safety Organization (PESO)
 - (iii) For chemical tankers, in its cargo hold, by the competent authority as approved by SMB/ Port authority.
 - (iii) For War Ships, Naval Ships Nuclear Powered Vessels and large passenger liners, by the, representative of the AERB and Indian Navy. It deemed fit, above agencies shall give clearance to SMB/Port Authority for issuance of Beaching Permission.
 - (iv) Representatives of SPCB for Large Passenger Liners more than 20000 LDT.
 - (v) For all ships other than War Ships, Naval Ships and Nuclear Powered Vessels, personnel the RSO of SMB/Port Authority trained and certified by AERB who shall examine the ship from a radiological survey safety point of view. SMB/State Government/ Port Authority which does not have an RSO, may, if required, direct the Ship Recycler to obtain clearance from AERB for ships belonging to category of general concern.
 - (vi) Certified true copy of 'Certificate of Registry' in his favour certifying that the ships has no registered mortgage with email identity of the respective Registrar of Ships. Such certified true copy of the certificate of registry should not be dated earlier than 7 days.
 - (vii) Prior approval of the Ministry of Defence for vessel warships, naval ships and nuclear powered ships to be scrapped, shall be obtained by the Ship owner through State Maritime Board/Port Authority.
- 3.14 Provided that the shipowner/ ship recycler shall be responsible for the identification and marking of all areas containing hazardous wastes/hazardous substances, in the structure of the ship, and on board as far as practicable (by reference to the ship's drawings, technical specifications, ship's stores, manifest and in consultation with the ship builder, equipment manufacturers and others as appropriate) and shall be provided to the concerned agencies at the time of boarding of the vessel.
- 3.15 In the case of ships of special concern as listed in Chapter-II, identification and marking of all areas containing hazardous wastes/hazardous substances, quantification of such wastes/substances would be provided at the time of boarding by the concerned agencies. The details as specified in Annexure-V and Annexure-VI would additionally be furnished.
- 3.16 It shall be mandatory for the SPCB to undertake an assessment of hazardous waste/hazardous substances available on the ship (passenger vessels > 20000 LDT) and likely to be generated during the ship recycling process.
- 3.17 On completion of inspections under 3.13, if any deviations are observed by the inspecting authorities, contrary to the undertaking and documents submitted during desk review and 3.13, the inspecting authorities shall notify the concerned SMB/ Port authority, who can, in their discretion, refuse permission for beaching of the vessel. Such refusal of permission to beach the vessel shall be communicated to the shipowner/ ship recycler at the earliest but not after the beaching permission has been granted to the ship.
- 3.18 Customs procedures:- The Ship Recycler shall also submit all documents and details as are required by the Customs Authorities under the Customs Act, 1962, at least 3 days prior to the expected arrival of the vessel at anchorage, to enable the Customs Authorities to complete all customs formalities under the Act.
- 3.19 Customs Officers shall board the vessel within 24 hours of ship's arrival (as per Customs regulation) to complete all procedures and processes required under the Customs Act, 1962.
- 3.20 On completion of all procedures under 3.13 and 3.14, the Ship Recycler will pay the duty, as duly assessed under the Customs Act, 1962. On the ship recycler producing the proof of payment of such duty by production of the Import Duty Challan, the Customs Authorities shall, within 24 hours, issue a No Objection Certificate to the SMB/ Port Authorities, stating their No Objection to grant of permission to beach the vessel. It is understood that it is the SMB/ Port Authority which shall grant permission for beaching of vessels.
- 3.21 It is also understood that any sweepings of cargo (left over of last cargo) will be permitted to be cleared upon completion of proper import processes thereto if the sweeping/left out cargo have no commercial value or are not fit for consumption/use, such cargo shall be disposed of by the ship recycler as per appropriate statutes and rules framed there under.
- 3.22 The proper officer shall board vessel, and destroy the Wireless equipment/restricted radio equipment/navigational equipment of the vessel in presence of the Importer. Thereafter, the importer shall

- surrender the goods, if any, as per the MOA/IGM to the agent for further transshipment or delivery to the Customs as the case may be.
- 3.23 After completion of all these formalities and on payment of all dues/duty on the vessel, the Customs Authority would give out of charge and clear the ship for recycling
- 3.24 Beaching permission will be given by the SMB/Port Authority within two working days after receipt of clearances granted by all the concerned departments/ agencies as set out in 4.2, as applicable.
- 3.25 Beaching permission by Port Authority/State Maritime Board:- Beaching permission shall be granted by the Port Authority/State Maritime Board only to:
- a the plot-holders to whom plots are allotted by the port authorities or to those who are otherwise permitted by the Port Authority/SMB;
 - b those plot-holders whose SRFMP has been approved along with authorization issued by SPCB for handling hazardous waste generated from ship recycling.
- 3.26 Beaching permission shall be granted-to ships subject to observing specific requirements in respect of the following cases:-
- a In the case of petroleum oil cargo tanks and petroleum slop tanks; on production of gas-free for hot work certificate along with gas free certificate given by the Petroleum and Explosives Safety Organization(PESO);
 - b In case of ships of special concern, on production of No Objection Certificate (NOC) from Atomic Energy Regulatory Board; and
 - c In the case of war ships and naval vessels on production of NOC from the Naval Department, the AERB and the Customs Department.
- 3.27 The activities of ship recycling is identified as a hazardous process under Section 2 (cb) of the Factories Act, 1948 and the provisions of Chapter-IVA, Section 41A to H of the Factories Act, 1948 shall be applicable. Directorate of Industrial Safety and Health shall inspect the ship recycling operation whenever felt necessary to check and ensure compliance with the provisions under the Factories Act, 1948.
- 3.28 Ship or ships shall be allowed to beach one at a time, provided that the breadth of the ship or ships is less than 5 meters of the width of the plot. The ships behind the ships in one line across the plot shall not be permitted.
- 3.29 Petroleum tankers which have not obtained "fit for hot work" certificate for all cargo tanks, slop tanks, forward deep fuel oil tanks and forward coffer dams shall not be allowed to beach.
- 3.30 Beaching of ship:- On beaching of ship, the Ship Recycler shall take necessary action to ensure that
- (i) the vessel is secured properly; and
 - (ii) left overs in bunker are removed with proper precautions, including sufficient ventilation in engine room.
 - (iii) bunker and bunker contents are disposed of to a registered dealer for petroleum products.
 - (iv) used oil and sludge are disposed of to registered recyclers/ refinery only.
- 3.31 The ship recyclers will be liable to penalty and fines, including cancellation of license for ship recycling in the event they are found to have not complied with the aforesaid provisions during examination of their records or during inspections of their plots/yards by/ Concerned agencies.

CHAPTER IV

OTHER PROCEDURES

- 4.1 Permission from the State Pollution Control Board (SPCB):- After beaching the ships, the Ship Recycler, shall remove all the loose and hazardous wastes including oil and petroleum hydrocarbon from, tanks, stop tanks etc. The SPCB shall issue decontamination certificate to ship recycler after inspection which will be done with proper lighting in the engine room. Simultaneously, Gas free and hot work permit as per Section 68 H of the Factories Act 1948 shall be issued by competent authority/agency after ensuring safe and complete removal oils/used oil/hydrocarbon.
- 4.2 Security aspects:- The concerned SMB/ Port Authority shall issue requisite orders on all matters of security in consultation with the Navy and the Coast Guard and circulate the same for strict compliance.

- 4.3 A record of all ships reporting for breaking, along with the nature and details of the ships, shall be maintained by the SMB/ Port Authority and shall be provided to the Naval and Coast Guard as soon as their Expected Time of Arrival (ETA) is received.
- 4.4 Photographic record of all ships reporting for recycling shall be maintained by the SMB/ Port Authority and provided to the Navy and Coast Guard.
- 4.5 Details of arrival and departure of the crew including off-signer details, in particular for the foreign crew members are to be reported to the concerned Naval Authority, prior to the actual arrival and departure of such crew.
- 4.6 A monthly security and intelligence meeting shall be conducted by each Port Authority/SMB in which representatives from local police, Intelligence Bureau, Coast Guard and the Navy shall participate.
- 4.7 All ship breaking yards must ensure proper security, i.e. physical security which should include boundary wall, deployment of armed guards/force/ security personnel, strict access control and checking of any material being taken out from the ship breaking yard, adequate checks against any possibility of any contraband/radioactive element entering the hinterland. All ship breaking yards shall be subject to regular security audits by the local state police, Intelligence Bureau, Coast Guard Authorities, Naval Authorities and/or any other security agency of the Government of India.
- 4.8 Flow Diagram for the process:- The sequence of steps/process for Grant of Clearances by the SMB/SPCB/Customs Department and other concerned agencies for Ships Destined for Dismantling at Ship Breaking Yards, covering all the three stages, namely, anchorage, beaching and breaking are given in Appendix-I.

CHAPTER V

SHIP RECYCLING PROCESS

- 5.1 Recommended Process for Ship Recycling:- The ship recycling plan should have two components i.e. Ship Specific Recycling Plan, and Recycling Facility's Management Plan. The size of the plots should be such that while cutting the ship, both the sides of the beached ship should have space for free movement of labour, with sufficient width of at least 5 metres freely available on each side or as per direction of the Port Authority/State Maritime Board concerned.
- 5.2 For ships other than petroleum tankers and petroleum slops, Directorate of Industrial Safety and Health (DISH) shall conduct the inspection for issuing gas-free-fit-for-hot-work certificate, else it may be obtained from Department of Explosives.
- 5.3 Ship Recycling Facility Management Plan:- The State Maritime Board (SMB)/Port Authority allots the plots to the ship recyclers for the purpose of ship recycling. The plot should be of sufficient dimensions to allow for safe and environmentally sound ship recycling. The concerned SMB/Port Authority shall approve the Ship Recycling Facility Management Plan (SRFMP) if the plan satisfies the following requirements: -
- (i) Availability of requisite and valid documents
 - a. Authorization for handling Hazardous waste generated from ship recycling activities issued by the SPCB.
 - b. Registration as a Member of the Hazardous Waste Treatment, Storage and Disposal Facility (TSDF) from TSDF operator.
 - c. License for storage of LPG Cylinders required under the Gas Cylinders Rules, 2004 from Explosives Department.
 - d. License of the plot under Factory Rules.
 - e. Map showing the yard layout and other components of the facilities.
 - f. Any other document(s) or No Objection Certificate/Permission letter required from the concerned authority (ies).
 - g. License and SRFMP approval under the provisions of the Factories Act, 1948 and rules made there-under.
 - (ii) Provisions of shelter/rest room and lunch room and canteen as per Sections 46 and 47 of the Factories Act, 1948. In addition, provision for adequate lighting as per Sec 17, adequate clean drinking water as per Section 18, latrines and urinals as per Sec. 19, washing facilities as per Sec.42 and

first aid as per Sec.45 of the Factories Act, 1948. The list of trained first aiders and fire fighters shall be displayed at a conspicuous place.

- (iii) Storage Godown with adequate safety precautions for Temporary Storage for Hazardous/Non Hazardous Waste Materials.
- (iv) Temporary asbestos handling and removing and storage facility or appropriate mobile asbestos handling facility.
- (v) Storage Godown for Liquefied Petroleum Gas (LPG) Cylinders as per Explosives Act
- (vi) Sanitation and 'Rest Room' facilities for a minimum 50 workers, as per the Factories Act, 1948.
- (vii) Workers Change Room.
- (viii) First Aid Facility.
- (ix) Workers Firefighting facility and Emergency Response System including oil spill Combat system.
- (x) Certified Material Handling Equipment and Personal Protection Equipment of BIS Standard or equivalent.
- (xi) List of the trained and certified labours of all disciplines (lightening, gas cutting, waste handling; working in confined spaces, using various gadgets like oxygen and other gas detectors, crane and material handling systems etc.).
- (xii) Hazardous area classification of the facility in accordance with Petroleum Rules-2002 for providing safe electrical fittings.
- (xiii) Other necessary facilities, if any required.

5.4 The SMB/Port Authority concerned shall issue SRFMP approval after the plots are allotted to ship recyclers, within one month's time. This approval would be a one-time activity during each cycle of five years of allotment to one agency, subject to review after every six months. Requisite corrective measures, if required arising out of such six monthly reviews should be carried out promptly by the ship recycler.

5.5 All lifting machines, wire ropes and lifting tackle shall be tested and certified by a Competent Person approved by the DISH as per Section 29 of the Factories Act, 1948.

5.6 The SMB/Port Authority concerned shall issue permission after getting comments/views of DISH on the compliance with the requirements under the Factories Act, 1948 and Rules to undertake the activities of Ship Recycling.

5.7 If any of the components of the Ship Recycling Facility Management Plan of the Plot are found to be inoperative and not in place during the inspection by any of the concerned authorities, the SMB/Port Authority may cancel the permission of the Ship Recycling Facility Management Plan and the ship recycler would not be permitted to beach any ship till the required components under the, Ship Recycling Facility Management Plan are made operative as per the requirements.

5.8 Therefore, before ships are permitted in the plot for recycling, the SMB/ Port Authority shall ensure the above aspects rigorously, by way of Ready For Recycling Certification Document as per Annexure-III and Annexure-I.

For obtaining cutting permission, the Ship Recyclers shall apply to the Port Authority as per Annexure-IV duly filled in. The port authority shall consider the application for cutting and accord permission or notify any deficiencies to be rectified, within 3 days' time.

5.9 In addition to the above, the Ship Recycler shall have to submit an undertaking to the SMB/ Port Authority to the effect that they shall comply with the Safety, Health and Environment (SHE) management aspects as per the SHE Policy as enumerated below before approval of the Ship Recycling Facility Management Plan.

- (i) A policy with focus on adequate worker safety and the protection of human health and environment, including the establishment of goals leading to the minimization, and ultimately elimination of the adverse effects on human health and environment caused by ship recycling.
- (ii) A system for ensuring implementation of the requirements set out in national, regulations, the achievement

of goals set out in the policy of the company, and, a commitment for continuous improvement of the procedures used in ship recycling operations.

- (iii) Identification of roles and responsibilities of supervisors, contractors, and workers.
- (iv) A programme for appropriate training of workers and availability of adequate PPEs and material handling equipments.
- (v) An emergency preparedness and response plan for the plot.
- (vi) A system for monitoring the performance of the ship recycling operations.
- (vii) A system for reporting how the ship recycling operations would be performed, including system for reporting discharges, emissions and accidents, including accidents causing damage or accidents having potential to cause damage to workers' safety, human health and the environment, due to handling of hazardous wastes, and materials containing hazardous substances.

5.9.1 The ship recycler shall ensure that:-

- (i) A board displaying important precautions (do's and don'ts) to be followed during ship recycling activity is installed at prominent places on the plot and that such display is made in English and vernacular language(s) as understood by the workers employed on such plot
- (ii) All the equipment on the plot such as crane, winch, chain rope and shackles, generator set and any other safety equipment as may be prescribed from time to time, shall be installed and maintained in accordance with the provisions of the Factories Act, 1948 and Rules made there-under and any other relevant Acts and Rules.
- (iii) An explosive gas detector, a multigas monitor including hydrogen sulphide (H₂S) gas monitor and an oxygen percentage analyser are available in the plot in working condition.
- (iv) Proper lighting arrangement is made on the yard.
- (v) Every SRF should have a detailed emergency and evacuation plan. The emergency plan should be rehearsed once in 6 months. Further, an off-site emergency plant for the whole district should be prepared and rehearsed once in a year.

5.9.2 Permission for ship-recycling activities under this Code shall not be given to any ship- recycler by the SMB/Port Authorities unless the ship recycler has complied with all the requirements under the SRFMP.

5.10 Ship Specific Recycling Plan:

5.10.1 Once the Ship Recycling Facility Management Plan is approved by the SMB/Port Authority for the plot, the ship recycler shall be required to submit application to the SMB/ Port Authority along with the Ship Specific Recycling Plan and details as per Annexure-IV, along with details of Ready for Recycling Document duly filled in. Removal of oil from the vessel may be permitted prior to submission of Ship Specific Recycling Plan (SSRP).

5.10.2 Requirements of Ship Specific Recycling Plan (SSRP) shall be as under:-

Details about the ship, and in particular, a fair assessment of hazardous wastes and hazardous materials.

- (i) Ship breaking schedule with sequence of work.
- (ii) Operational work procedures.
- (iii) Availability of material handling equipment and Personal Protection Equipment (PPE).
- (iv) Certification from the State Pollution Control Board (SPCB) that all kinds of oils and other loose hazardous wastes are completely removed and the decontamination certificate issued by SPCB shall be attached with the SSRP.
- (v) "Gas-free and fit for hot work" certificate issued by the Petroleum and Explosives Safety Organisation (PESO) for oil tankers and for slop tanks, or any competent agency authorized by the Directorate of Industrial Safety and Health (DISH) under the Factories Act; This certificate shall be attached with plan document. In case a false certification is given, the concerned explosive inspector/official shall be liable for prosecution departmental action and action may be taken to cancel the license of the ship recycler in such cases.

- (vi) Hazardous waste handling and disposal plan: - Identification and marking of all non - breathable spaces by the Recycler in the ships documented in the plans with drawings. Identification and marking of all places containing/likely to contain hazardous substances/hazardous wastes in the ships and the same be documented in the plans with drawings. Identification and marking of all places containing/likely contain hazardous substances/hazardous wastes in the ships documented in the plans with drawings.
- (vii) Confirmation from the Master of the Ship to the effect that ballast water has been exchanged in the high seas. The requirements should address all the three phases of recycling, i.e.
 - (a) Preparation phase.
 - (b) Dismantling phase.
 - (c) Waste stream management phase.
- (viii) Ballast Sediments shall be discharged along with the ballast water with proper churning and shall be handed over to authorized agency of the SMB/ Port Authority on payment of the fees, for suitable disposal.
- (ix) Asbestos being a major area of concern, the scheme for removing asbestos, and asbestos containing materials (ACMs) on board, and on shore, shall be specifically provided. The plan shall include arrangements for removal handling treatment and disposal. Locations having asbestos/ACMs shall be marked before commencing dismantling operations and shall conform to Bureau of Indian Standards for Cleaning of Premises and Plants using Asbestos Fibres (IS 11767:1986). Those ships having asbestos quantification more than 100 metric tonnes should go for negative pressure chamber technique.
- (x) System and procedure shall be followed to document and keep track of all hazardous wastes generated during recycling as well as hazardous substances found onboard the ship, and their transport to the disposal facility or registered recycling facility shall be provided in the SSRP.

5.10.3 The Port Authority may grant the Ship Recycling Permission, after ensuring compliance of the requirements of 5.10.2 above. The sequence of permissions and recycling activities shall be as under:-

- I. First - Man entry certificate to be obtained from the competent person. Such Man Entry Certificate shall be obtained 3 days prior to the commencement of work. In the event of any delays in commencement of work, a fresh Certificate is to be obtained, valid for 3 days until commencement of work.
- II. Second - Cargo holds should be cleaned up and all the loose sludge on board vessel should be cleaned up properly. The State Pollution Control Board shall issue the Decontamination certificate only on being satisfied that the cargo holds have been fully and properly cleaned up.
- III. Third - Inspection shall be carried out by the competent person of DISH to ensure that the ignitable material are completely removed from confined spaces; that the other areas in engine room are practically gas free with proper venting, by use of gas detection meter confirming that the areas are well within explosive limits. On satisfactory compliance of this inspection, Gas free and hot work (Naked light) certificate for cutting shall be issued for engine room, Bunker area and those area of common ships where there are likelihood of ignitable gases generations. In case of Oil tankers and Chemical tankers, there should be compartment wise practice of issuance of hot work permit just before actual cutting operations are initiated by ship recyclers irrespective of SMB/Port Authority's permission of ship dismantling of whole ship.
- IV. All the material handling systems i.e winches, cranes and such other systems which includes, chain rope and shackles, generator set etc., valid fitness certificate should be available before ship recycling permission is granted.

5.11 Reporting upon completion

When the recycling of a ship is completed in accordance with the requirements of this Code, a Statement of Completion shall be issued by the Ship Recycler and reported to the SMB/Port Authority, as in Annexure VII.

CHAPTER VI

General Instructions for Safety Health and Environmental Compliance for stakeholders involved in Ship Recycling.

6.1 Safety compliance

6.1.1 To comply with the Safety Instructions while undertaking Ship Recycling Activities in the Plots/Yards, the following steps shall be taken:-

- (i) Adequate open space shall be provided on the plot for safe passage and easy movement of fire fighting units and equipment, maintenance of passage ways, so as to permit unobstructed access for fire fighting units and equipment.
- (ii) Identification and marking of all non-breathable spaces in the ship shall be made by the Recycler
- (iii) Identification and marking of all places in the ship containing/likely to contain hazardous substances/hazardous wastes shall be done.
- (iv) Systems and procedures shall be followed to document and keep track of all hazardous wastes generated during recycling of a ship, as well as hazardous substances found on board the ship, and their transport to the disposal facility or registered recycling facility in safe and sound manner.
- (v) It shall be ensured that sufficient area for office building, storage of non-ferrous metals and open space to store segregated finished scrap for delivery (just like re-rollables of 6 millimetre (mm), 8mm, 12 mm and melting, etc.) are provided.
- (vi) Sufficient area shall be provided for installation of at least 2 winches and operation of at least 2 cranes.
- (vii) Sufficient area shall be provided for processing of cut pieces from the ships.
- (viii) Gas free certificate shall be obtained for man entry into confined spaces likely to contain dangerous fumes & insufficient oxygen, as per the Sections 36, 41 & 112 of the Factories Act, 1948 issued by the Competent Person as defined in Clause (ca) of section 2 of the Factories Act, 1948. This must be ensured before ship recycling operations start.
- (ix) Safety distance shall be maintained for storage of petroleum products, including LPG storage or any other combustible material as specified under the relevant Acts/ Rules.
- (x) Facilities of water storage and pumping and fire fighting devices such as portable fire extinguishers, fire fighting suits, liquid foam, oxygen mask, sand boxes /buckets, fire hose with complete attachment shall be provided as required in accordance with the provisions of the Factories Act, 1948 and other relevant Acts/Rules.
- (xi) Constructed facility for removal and handling of asbestos on the yard and necessary provision for showering of asbestos handling workers or appropriate mobile handling. Facility by the Association of ship recyclers shall be provided. Alternatively the Common Asbestos Handling System facility as duly approved by DG, FASLI and SPCBs shall be availed.
- (xii) Temporary storage facility for storing hazardous waste shall be constructed as per the Central Pollution Control Board guidelines. The recycling, recovery and , disposal of hazardous waste shall be as per Hazardous and other Waste (Management and Transboundary Movement) Rules, ~~2008~~ 2016 and radioactive waste as per Atomic Energy (Safe Disposal of Radioactive Wastes) Rules, 1987, wherever applicable.
- (xiii) There shall be no overlapping of activities to ensure safety of workers.
- (xiv) Ship Recyclers shall provide and ensure the use of personal protective equipment for operations requiring such use, including for:
 - a. head protection;
 - b. face and eye protection;
 - c. hand and foot protection;
 - d. respiratory protective equipment;
 - e. hearing protection;
 - f. protectors against radioactive contamination;
 - g. protection from falls; and
 - h. appropriate clothing.

- (xv) Temporary storage facility with adequate safety precautions for storing of radioactive material shall be available as per the requirements of AERB in every recycling yard wherever applicable.
- 6.1.2 Every ship-recycler shall appoint qualified Safety Officer as per Section 40-B of the Factories Act, 1948. The cutting operations shall be carried out under the supervision of competent supervisor as per Section 41-C(b) of the Factories Act, 1948. The duties, qualifications and conditions of service of the Safety Officer shall be as such which may be prescribed by the State Government.
- 6.1.3 The Safety Officer/Safety Supervisor shall ensure availability of material handling equipment, and availability of Personal Protective Equipment (PPEs) to workmen.
- 6.1.4 The Safety Officer/Safety Supervisor shall ensure that:-
- (i) Safety guidelines are followed for safety distance. Cutting operations are undertaken at a distance beyond safety distance of LPG storage area, as prescribed in the Explosives Act.
 - (ii) Explosive and oxygen meters are readily available in working condition throughout the cutting operations.
 - (iii) Parameters with respect to permissible limits of hydrocarbon vapours and oxygen are strictly complied with before commencing actual cutting operations and also during such operations. Provided that if the level of oxygen coefficient reduces or that of Hydrocarbon vapour increases beyond the permissible limit in particular space/area, cutting operations carried out in that space/area shall be immediately suspended. Thereafter steps shall be taken to ventilate such area with the help of mechanical blowers or any other effective means to restore the oxygen content so as to bring it within the permissible limits.
 - (iv) Number of LPG and other Gas Cylinders stocked on the deck of the ship or near cutting area are as per the provisions of relevant Act/ Rules.
 - (v) Cylinders and other articles are lowered down to the ground in safe manner instead of throwing them from the ship.
 - (vi) All pipelines are dismantled by cold opening/cutting. Provided that, in case of fuel dripping from the pipelines, it shall be dismantled only after collecting such dripping fuel in a container.
 - (vii) Area where cutting operation is carried out in last two hours of the working day shall be quenched by pouring sufficient amount of water or by any other effective means to avoid any incident of smouldering/fire.
 - (viii) The progress of ship breaking is recorded daily in properly designed log book continuously and shall be preserved. The log book shall be produced to the Authorities as and when called for.
- 6.1.5 Work timings of the workers relating to the ship breaking shall be such that it should be adjusted not to be before sunrise and also not after sunset, so that the cutting/ breaking activities and other ship breaking related activities including loading and unloading operations are undertaken in natural light. The maximum working hours for cutting operations shall be as under.
- (i) During the months from March to October - 7 AM to 7 PM.
 - (ii) During the months from November to February - 7 AM to 6 PM.
 - (iii) The maximum weekly hours and daily hours of duty will be as per Section 51 and 54 of Factories Act, 1948. Working hours of adults, weekly holidays, compensatory holiday, and intervals of rest, spread over extra wages for overtime shall be as per provisions of Chapter-VI of Factories Act, 1948.
 - (iv) Ship Recyclers must obtain Naked Light Certificate (Hot Work Permit) as per the Rule 68-H made under sections 41 & 112 of the Factories Act, 1948 issued by the Competent Person as defined in Clause (ca) of Section 2 of the Factories Act, 1948, before the ship recycling operations start for non-tanker ships and for petroleum tankers and slop tanker. The Petroleum & Explosives Safety Organization (PESO) shall issue Gas free and Fit for Hot work certificate.
 - (v) No worker shall be allowed to work in the ship breaking yard beyond the stipulated timings and on holidays.
- 6.1.6 Ship Recycler must carry out safety audit as per IS: 14489 by an External Agency and the frequency of audit should be in line with Manufacture, Storage and import of Hazardous Chemicals (MSIHC) rules under Environment Protection (EP) Act, 1986.

- 6.1.7 Director of Industrial Safety and Health (DISH) or equivalent Department of the State Government under the Factories Act shall carry out regular inspections of the plot and monitor the whole safety management aspects under the Factories Act, 1948. If there is any lapse(s) in compliance, DISH will issue Show Cause Notice/warning/order as per provisions of the Factories Act, 1948, suspend the licence and initiate legal action for non-compliance of the provisions. A copy of the notice/warning/order so served shall be marked to SMB/Port Authority,
- 6.1.8 The management of occupational safety and health shall be in accordance with the provisions of Factories Act, 1948 and labour laws.
- (a) Only trained workers shall be employed.
 - (b) All workers will be provided with Personal Protection Equipment (PPE) that conform to Bureau of Indian Standards (BIS) or equivalent. For all operations/works the personal protective equipments of BIS standard should be used.
- 6.1.9 Portable water hoses with a dedicated water pump on the beach with adequate take-off points for attaching additional hoses, shall be provided at all times when working on the beached vessel, for immediate water supply in the event of fire, and for wetting the asbestos etc., before its removal from the vessel. The ship recycler shall enter into a Memorandum of Understanding with port authority/any other nearby industry for providing support in case of emergency. Work permit system shall be followed as per applicable Acts and rules to carry out work safely. No hot work shall be permitted unless the area is free from any explosive mixture and the explosive meter reading is below explosive limit. The explosive meter reading shall be recorded in the work permit.
- 6.1.10 The following areas shall be given special attention and the workers shall have expertise with necessary training and certificates for the works allotted to them as follows:-
- (a) Separate work permit shall be issued for working at height, working in confined spaces & working in hazardous area/environment like flammable/toxic/corrosive environment etc. Use of safety belt/safety net and helmet shall be mandatory while working at height.
 - (b) Working in Confined Space: no work shall be done in enclosed area without checking the presence of oxygen. Presence of adequate oxygen meters in the confined space and oxygen tanks/masks in the vicinity of the confined space shall be mandatory.
 - (c) Working in Flammable Environment- the ship recycler shall ensure that spaces and adjacent spaces that contain or have contained combustible or flammable liquids or gases are inspected by the Safety Officer /Supervisor or other specially trained person to determine the presence of combustible or flammable liquids. The ship recycler shall also ensure that flammable vapors or gases in the spaces to be entered are below the explosive limit and sufficient ventilation is provided to ensure that the concentration of flammable vapor is maintained below the lower explosive limit (at < 10% of the lower explosive limit) and there is sufficient oxygen for man entry.
 - (d) Working with Toxic, Corrosive, Irritant or Fumigated Atmosphere or Residues- the ship recycler shall ensure that spaces or adjacent spaces that contain or have contained liquids, gases or solids that are toxic, corrosive or irritant are inspected visually by the Safety Officer/Supervisor or other specially trained person. He shall also ensure that air concentration of toxic, corrosive or irritants is maintained below its Threshold Limit Value (TLV) as per the Material Safety Data Sheet (MSDS) of that chemical, prior to entry by workers to the concerned spaces.
 - (e) For gas cutting, the recycler shall employ only the workers certified for gas cutting work. Gas cutters shall be provided with proper masks and other adequate PPEs to avoid inhalation of toxic fumes.
 - (f) For crane operation: inspection and testing records of cranes and lifting tackles shall be maintained as per statutory norms and appropriate PPEs shall be provided to crane operators. Constant and adequate supervision shall be provided while heavy loads are lifted. Only those lifting machines, wire ropes and lifting tackle shall be used which are tested and certified by a person as per Section 2 (ca) of the Factories Act, 1948 and approved by DISH. As per Section 29 of the Factories Act, 1948 it shall be ensured that the material handling equipment are safe.
 - (g) For handling Asbestos Wastes and Asbestos Containing Materials(ACM), specialized contractors shall be engaged. The removal of asbestos dust and fibers and its handling shall be done in a wet condition. On shore, removal of asbestos shall be done in enclosures maintained under negative pressure, with

filters for outgoing air and wastewater. All applicable safety standards and measures shall be adhered to in respect of such enclosures.

- (h) For "Ships of Special Concern", where asbestos/ACMs quantities are the Special Concern, asbestos/ACMs removal on board shall be given special importance and the practice of wet removal of asbestos onboard shall be mandatorily followed with the use of appropriate PPEs.
- (i) The asbestos and broken pieces of ACMs sheets/panels thus removed shall be packed in leak proof packets and disposed of at secured landfills where the packets shall be handled and processed as per the SPCB norms. Recovered and usable ACMs sheets/panels shall be sold for reuse as permitted by law.
- (j) PPEs like masks or respirators shall be provided to all the workers engaged in asbestos removal or handling.
- (k) Asbestos fibre concentrations in the environment shall be monitored regularly by the SPCB.
- (l) For removal of asbestos specialized contractors should be accredited and their performance assessed periodically.
- (m) Only trained workers shall be employed in activities involving asbestos handling.
- (n) In so far as handling of Radioactive substances, guidelines/instructions of the AERB shall be followed.

6.2 Permission for ship breaking

6.2.1 The recycler shall apply to the Port Authority for breaking/cutting permission with relevant documents such as:

- (i) Workers' registration under Employees State Insurance Corporation (ESIC) or Workmen Compensation Act as the case may be.
- (ii) Gas free certificate and hot work permit for man entry into confined spaces likely to contain dangerous fumes & insufficient oxygen, as per the Rules under Sections 36, 41 and 112 of the Factories Act 1948 issued by the Competent Person as defined in Clause (ca) of Section 2 of the Factories Act.
- (iii) Proof of removal of residual oil from all bunker tanks
- (iv) Copy of Customs beaching clearance
- (v) Copy of decontamination certificate from the SPCB

6.2.2 Prior to submitting application for permission for cutting operation, the ship-recycler shall have to install for the purpose of fire fighting at least two efficient fire fighting pumps including power supply and should ensure continuous power supply to the fire fighting pumps at all times, on the ship with sufficient water in the holds or any receptacles.

Provided that one of the above fire fighting pumps shall be installed and maintained in working condition at all times near the engine room with foam and dry powder, until the complete dismantling of the engine room.

Provided further that at least one portable fire extinguisher of suitable type shall always be kept in working condition near every cutting point.

6.2.3 If the Port Authority is satisfied that the ship-recycler has complied with all the provisions for management of occupational safety and health, it may grant permission for cutting operations of the ship within a maximum period of three working days. In case any shortcomings are noticed, the same shall be communicated in writing within the said period of 48 hours to enable the ship recycler to re submit his request after doing necessary corrections.

6.3 Specific Instructions regarding training for the labour and usages of Personal Protective Equipment and other important aspects:

6.3.1 Prior to delegation/entrustment of any job relating to ship recycling, workers shall be imparted proper training for the safe ship breaking operations in general and also for the specific jobs they are required to perform in the plot.

6.3.2 Such training shall be with provision of certification on successful completion of the training programme. Training shall be in the language understood by the workers and shall prolong till such time

necessary to get them acquainted with the knowledge and risk factors of ship recycling operations, with necessary examination and certification. Training shall include the hazards associated in the job and role of an individual during emergency situations. The syllabus of training programme should also include familiarization of radioactive material and radiation hazard for SMB/Ports handling radioactive waste. The syllabus for such training programme shall be as per the recommendations of SPCB/AERB/Port Authorities. Such training programs shall be conducted by the State Maritime Boards/Port Authorities, prior to entrustment of any job relating to ship recycling. In addition, the following shall be ensured:

- (i) An attendance register of workers working on the plot shall be maintained in accordance with the provisions of Factories Act 1948 and rules made there under
- (ii) Photo identity cards carrying personal particulars of labourers may be issued by the ship recyclers in accordance with the relevant Rules, in an approved manner by the Port Authorities /SMBs and ship recyclers will maintain proper records of the entry and exit of the workers.
- (iii) A Safety Supervisor, having requisite qualification and experience as per the relevant rules, shall be employed.
- (iv) Only trained and registered workers having identity cards issued as per clause 4.3.2 (ii) as mentioned above shall be engaged in respective ship recycling activity.
- (v) Minimum two workers shall be employed who are trained to use gas detectors during ship recycling activity.
- (vi) Handling of asbestos shall be by contractors or workers having special knowledge and skill of handling asbestos, with proper training.
- (vii) All the equipment on the plot such as crane, winch, chain rope and shackles, generator set and any other safety equipment as may be prescribed from time to time, shall be installed and maintained in accordance with the provisions of the Factories Act, 1948 and the Rules made there-under and any other relevant Act(s) and Rules.
- (viii) Flammable and toxic gas detectors shall be calibrated regularly to ensure correct values when used and an oxygen percentage analyzer shall always be available in the plot in working condition.
- (ix) The workers shall be provided with PPEs such as helmets, safety shoes, welding goggles, safety belt with safety life line, hand-gloves, self contained breathing apparatus etc as provided in the relevant Acts and Rules for such purpose and such safety gadgets shall be conforming to relevant Bureau of Indian Standards (BIS) or equivalent standards or as approved by the Chief Inspector of Factories (by Directorate of Industrial Safety & Health, of the State Government concerned) and shall be mandatorily used by the workers during such activities.
- (x) The workers engaged in ship recycling activities shall be provided with the necessary instructions by the Safety Officer/Safety Supervisor with respect to the availability and use of fire fighting and safety equipment installed and maintained at the plot and on the ship and shall also ensure that such instructions are provided to the workers prior to delegation or entrustment of actual work to them.
- (xi) The workers engaged in ship recycling activities shall be provided with the necessary instructions, information and training regarding the emergency and evacuation plan so that it may be executed smoothly in an emergency.
- (xi) Proper precautions shall be taken while dismantling Coo Control Room and releasing CO₂ from the Cylinders and that
 - a) such operations shall be undertaken only when there are no other works in the nearby area; and
 - b) such operations shall be done in the presence and as per the instructions of Safety Officer/Supervisor only.

6.4 Environmental compliance

6.4.1 Ship Recyclers shall strictly ensure the Environmental Compliance as per the requirements under the Water & Air Act, Hazardous Wastes (Management, Handling and Trans -boundary Movement) Rules 2008, and the relevant Environmental Impact Assessment and Coastal Regulation Zone notifications in case of new facilities planed. The following shall also be ensured:-

- (i) Plot/yard shall be kept neat and clean and good housekeeping must be carried out all the time.
- (ii) All plot holders must create temporary storage as authorized by SPCB under Hazardous Waste (Management, Handling and Trans-boundary movement) Rules-2008 and the amendments issued from time to time.
- (iii) Each Plot holder must provide for handling Asbestos Containing Materials (ACM) and Asbestos Wastes with specially designed Negative Pressure Chambers with trained labours or avail common mobile facility for such removal. The concentration of Asbestos fiber in the work zone while recycling of the ships shall be complied with the prescribed norms i.e. less than 0.1 fibre per cubic centimeter for Blue and Brown Asbestos and less than 1 fibre per Cubic Centimeter as per OSHA standards. Alternatively, the plot holders must avail the Common Asbestos Handling System as approved by DG, FASLI and SPCBs.
- (iv) Each plot holder must become a member of Treatment Storage and Disposal Facility (TDSF) authorized by SPCB to dispose their wastes into it.
- (v) Each plot holder must maintain registers with calculation of for each kind of wastes generated. Accordingly the ship recyclers must maintain ship-wise register for all waste categories,
- (vi) Ship Recyclers shall pay for waste management charges to TSDF operator/SMB, if SMB is operating the same, based on the actual quantities of wastes disposed.
- (vii) Seller / Ship Recyclers shall implement a local oil spill contingency plan to combat any oil spill eventuality from the anchoring point up to the ship recycling plots. Oil spill contingency plan should be approved by Indian Coast Guard.
- (viii) Ship Recyclers shall enhance their support to regulatory authorities for environmental monitoring done from time to time including providing manpower, equipments, vessels and financial support, if any, required
- (ix) For development of new plots or yards, ship recyclers through the, SMB or Port Trusts/Port Authorities shall have to obtain Environmental Clearance under EIA Notification-2006 and Coastal Regulation Zone (CRZ) Clearance under the CRZ Notification-1991 .
- (x) The SPCB shall monitor for Management and Handling of Hazardous wastes etc. The main items of ships and the substances of concern with disposal options are as follows:-

Sl. No.	Main items of ship that may contain substances of concern	Substances of concern	Appropriate Disposal Option (Reuse/ Recycle / Incineration Treatment & Disposal to secure landfill) of substances of concern
1	Electric equipment e.g. transformer, batteries, accumulators	Dielectric fluids containing polychlorinated biphenyl (PCBs) Lead/electrolyte in Unusable Batteries	Incineration/ Disposal in secured landfill after stabilization/ solidification shall be in authorized TSDF whereas recycling of used lead acid batteries and/or other lead bearing waste shall be through authorized recyclers under Hazardous and Other Waste (Management and Trans-boundary Movement) Rules), 2016.
2	Air conditioners and Refrigeration machines	Residual refrigerants as Ozone Depleting Substances Evaporator dosing/ de-scaling acids.	All the electrical and electronic waste shall be recycled through E-waste recyclers authorized under E-Waste (Management) Rules, 2016-
3	Tanks	Fuels, lubricants. Sludge Oil and grease	Reuse, refining/ recycling shall be through authorized recyclers authorized by SPCB under HW Rules, 2016 and disposal of residue in an authorized facility.
		Foreign aquatic Organisms in ballast Tank sediments	Treatment and disposal of bilge water. Exchange of ballast water in high seas.

Sl. No.	Main items of ship that may contain substances of concern	Substances of concern	Appropriate Disposal Option (Reuse/ Recycle / Incineration Treatment & Disposal to secure landfill) of substances of concern
4	Partition walls	Asbestos Containing Materials (ACMs), Paints containing PCBs and /or Lead or Broken pieces containing ACMs	The reusable material shall be sold for reuse. Copper bearing waste to be recycled by authorized recyclers and non-recyclable material to be disposed of through authorized TSDF.
5	Cables	Insulated copper cables	Should be given to registered recycler of copper bearing waste and dispose of insulation material through TSDF
		Other cables	Sold for re-use. Dispose of insulation material through TSDF
6	Heat Exchangers	Asbestos insulation on surfaces	Disposal of asbestos in an authorized secured landfill after solidification/ stabilization.
7	Facilities for Chemicals	Residues of toxic Chemicals/ reagents	Incineration/disposal in a secured landfill after treatment.
8	Stored Solvents and other chemicals stocks	Residues of I toxic Chemicals, solvents, thinners, kerosene, white spirit water treatment chemicals. Acetylene/Propane/ Butane/Miscellaneous medicines	Recovery/recycling of solvents through authorized recyclers under HW Rules, 2016. Non recyclable residues to be disposed through authorized TSDF after treatment for stabilization as required.
9	Paint Scrap	PCBs, Tributyltin (TBT), Lead	Disposal in a Secured Land Fill (SLF) as per the guidelines prescribed by Central Pollution Control Board.
10	Sacrificial anodes	Heavy metals	Reuse, recycling and recovery shall be done whereas non recyclable residue shall be disposed of in authorized TSDF after pre-treatment or immobilization.
11	Fire Extinguishing and fire fighting equipment	Halons, CO ₂ Cylinders	Recovery and banking for reuse. Recycling through authorised facilities; Recycle/Reuse,
12	Piping, valve and fittings	Asbestos as Insulation/ Gaskets	Disposal to SLF after solidification/ stabilization
13	Pumps and Compressors	Asbestos in Gaskets	Disposal to Secured Land Fill (SLF) after solidification/stabilization
14	Engines and Generators	Asbestos insulation, residues of lubricants/ oils/coolants antifreeze compounds	Disposal to Secured Land Fill (SLF) after solidification/ stabilization or incineration; disposal to Secured Land Fill (SLF) after treatment; for coolants, pre-treatment and disposal to SLF.
15	Oil sumps	Sediments	To be sent to authorized TSDF for disposal through common hazardous waste incineration.
16	Hydraulic system	Residual fluids, Anti- freeze fluids	Re-refining through registered/ authorized units.
17	Light fittings and fixtures	PCBs	Waste material to Secured Land Fill (SLF).
18	Instruments	Mercury, radioactive materials including ionizing radiation based smoke detectors and liquid level indicators.	Recovery of mercury by distillation and re-use of recovered mercury by facilities permitted under HW Rules, 2016.

- (xi) The SPCB shall monitor for Management and Handling of Hazardous wastes etc. The main items of ships and the substances of concern with disposal options are as follows:- All ship breaking units shall be provided with air pollution control systems like suction devices or water sprinklers.
 - (xii) Each plot holder shall maintain basic oil spill response resources including sorbent boom, sorbent pads, and absorbent sheets in a quantity sufficient to attend to any spill from the ships being recycled in the plot.
- 6.4.2 Hazardous materials as listed above, not meant for resale, will be handed over to authorized waste management facility for further treatment and disposal. All ship breaking units shall obtain authorization under E-waste (Management) Rules, 2016.
- 6.4.3 In addition to above, SPCBs shall set-up ambient air quality monitoring station within 10Km radius of shipbreaking units for taking measurements as per notification of CPCB on National Ambient Air Quality Standards. Further, SPCB shall also carry out periodic monitoring of soil, sediment quality, work-zone air quality and marine water quality in shipbreaking areas. SMB/Port Authority shall carry out twice yearly monitoring of the same independently through any Council of Scientific & Industrial Research (CSIR) labs or the environmental labs recognized under the Environment (Protection) Act, 1986 for the same parameters. In addition to this, the SMB/Port Authority shall carry out the detailed analysis on improvement of the beaching methods with a mandate to evolve recycling methods targeting "zero waste" and "zero accidents" at every five year time interval.
- 6.5 Creation/enhancement of facilities for removal, storage and disposal of hazardous materials and hazardous wastes
- 6.5.1 The ballast water is required to be exchanged at high seas to avoid entry of Ceresin organisms into the local environment. The sediments are generally disposed of at yard/into' tidal zone. In order to avoid this, it shall be ensured by the Master of the ship that the sediments are also disposed along with ballast water by churning the mass. Alternatively, the sediments must have a reception facility at the yard to be set up by the Port Authority/SMB or authorized agencies on cost-recovery basis. Master of the Ship should be required to issue a certificate that this has been done.
- 6.5.2 Oil sediments removal practices shall be modernised to avoid workers getting exposed to unhygienic and unsafe environment. The yards shall use mobile tank cleaning systems to clean the tank's inside surfaces by adopting modern methods in which detergents and high pressure jets may be used.
- 6.5.3 For removal and disposal of asbestos, the procedure outlined above in Section 6. 1.10 (g), (h), (i), (j), (k), (l), and (m) shall be followed.
- 6.5.4 A land based common facility for treating bilge water shall be set up by the port authority or agencies authorized by it and made available to the recyclers on cost-recovery basis. Alternatively, a mobile facility shall also be provided by the port authority or authorized agencies. The sediments shall be sent to the secured landfill for disposal.
- 6.5.5 There shall be no burning of any material on the plot/yard/inertial zone.
- 6.5.6 The ship recycling permission shall be granted subject to the condition:
- (i) The waste generated during ship breaking shall be segregated into hazardous and non-hazardous categories and intimate their quantities to the authority concerned.
 - (ii) Entire quantity of waste oil sludge and other mineral oil and paint chips generated during the ship breaking process shall be removed carefully and shall be sent immediately to the areas outside the beach for safe treatment and disposal.
 - (iii) A list of materials generated during ship breaking duly classified as hazardous waste and non-hazardous waste shall be submitted to SSPCB in the prescribed form periodically.
- 6.5.7 All gas cylinders recovered from ships shall be disposed off in accordance with appropriate regulations.
- 6.6 Environmental measures and house keeping
- 6.6.1 The ship-recycler shall obtain necessary authorization and consent from the State Pollution Control Board (SPCB) for ship-recycling activities and shall observe the following stipulations in that regard:-

- (a) The ship recycler shall observe wherever applicable all the norms/stipulations covered under the Water Act, 1974, Air Act, 1981, the Environment (Protection) Act, 1986, the Hazardous Wastes (Management, Handling and Trans-boundary Movement) Rules, 2008 and Coastal Regulation Zone (CRZ) Rules-1991 framed under the Environment (Protection) Act, 1986.
- (b) The ship recycler shall not allow waste materials such as oil cakes, dead cargo of inorganic stuff like hydrated/solidified cement, thermocol pieces, wooden pieces/rubber pieces, scrap iron and other metallic pieces, glass wool, rubber pipes and gaskets, Poly Vinyl Chloride(PVC) pipelines and pieces of PVC sheets, corks, asbestos pieces etc. to be thrown directly into the sea or on the sea shore but shall ensure that such waste materials are collected and stored in secured storage facility within the plot and shall be subsequently sent to the secured landfill site. Records shall be maintained regarding the quantities of such wastes generated in the yard for every ship recycled. In any case no open burning of hazardous waste either within the ship-recycling yard or outside shall be allowed.
- (c) The ship recycler shall strictly adhere to and follow the instructions issued by the State Pollution Control Board (SPCB) for collection and disposal of toxic materials, such as asbestos, lead (Pb), chromium (Cr) etc. and organic materials such as polychlorinated biphenyls (PCBs).
- (d) The ship recycler shall separately collect the sand and fine powder, if any, obtained after clearing of cargo holds of oil tankers and shall dispose of the same in secured landfill in accordance with the directions of the SPCB.
- (e) The ship recycler shall sprinkle seawater, daily, over the working area in order to minimize dust generation due to material handling.
- (f) The ship recycler shall take necessary measures for preventing the escape of oil or noxious liquid substances into the sea. If any oil or noxious liquid substances spill occurs and escapes into the sea, the ship recycler shall inform the Coast Guard and other concerned authorities and take necessary action for the removal of the oil or noxious liquid substances slicks on the surface of the sea. If the spill is not contained and removed locally, necessary pollution report shall be made to the concerned authority in accordance with the National Oil Spill Disaster Contingency Plan (NOSDCP). The ship recycler will be liable for the cleanup.
- (g) The ship recycler shall ensure surrender of and maintaining details of removal and surrender of smoke detectors to SMB/Port Authority for safe disposal as per AERB norms.

6.7 Solid waste management

- 6.7.1 A modern Solid Waste Management system shall be established in the plot to collect, transport, store and dispose of solid waste generated from the plot in accordance with the conditions of authorization issued by the concerned SPCB, from time to time.
- 6.7.2 Special care must be taken in the handling of asbestos wastes, and total quantities of such waste shall be made known to the authorities concerned. The concerned SPCB shall authorize and ensure final disposal of asbestos waste.
- 6.7.3 Ship-recyclers should be given authorization by the concerned SPCB under the Hazardous Wastes (Management Handling and Trans- boundary Movement) Rules, 2008, only if they have provisions for handling and disposal of the waste in an environmentally sound manner. All authorizations shall be renewed subsequently only if they have complied with the conditions of authorization and also have adequate facilities for handling and disposal of wastes in an environmentally sound manner.
- 6.7.4 Radioactive waste including ionization chamber based smoke detectors, if any, shall be securely stored in an exclusive place till such time they are disposed of as per norms of AERB.

6.8 House Keeping

- 6.8.1 The ship-recycler shall keep the work place clean and well maintained. The machinery and material/scrap etc. shall be arranged properly within the plot to provide access for rescue operation in case of any accident or fire or explosion.
- 6.8.2 Statement of completion of ship recycling shall be submitted to the SMB/Port Authorities after the completion of ship recycling.

6.9 Health Compliance:-

- (i) Ship Recyclers shall regularly arrange the health camps for ship breaking labour at their own cost. Ship Recyclers shall also arrange for diagnosis, treatment and referral at their own cost for ship breaking labourers.
- (ii) SMB shall ensure establishing adequate number of permanent health care facilities and doctors at Ship Recycling Yards for treatment of orthopaedic, burns and other chronic diseases and disabilities reported in the ship recycling industries.
- (iii) National Institute of Occupational Health (NIOH) or Indian Council of Medical Research (ICMR) institutions may be involved for such facilitation.

6.10 Action by the State Maritime Board (SMB)/ Port Authority

6.10.1 The SMB/Port Authority and the Ship recycler shall be responsible for overall supervision of the ship recycling activities at the yard. The SMB/Port Authority may appoint required number of qualified safety officers/supervisors for vigorous supervisions of the ship recycling activities and for attending to rescue operation in case of necessity. This is in addition to the Officers/Inspectors appointed by the State Government under the Factories Act.

6.10.2 The SMB /Port Authority's Safety officer/ Supervisor and/or Factory Inspector and/or the members of Safety Rating Team - as may be constituted by the Port Authority/SMB for safety evaluation within the ship recycling yard-will periodically visit the ship recycling plots and shall bring to the notice of the Safety Officer/Safety Supervisor of respective plots, the incidents of unsafe practices that may be observed by him/them during such visits for necessary preventive action.

6.10.3 The SMB/Port Authority shall have the powers to suspend the cutting operations temporarily, in case any unfair practices or unsafe operations are observed in any of the ship recycling plots until the corrective measures are taken to the satisfaction of the SMB/Port Authority.

6.10.4 The SMB/ Port Authority shall provide to the Ship recycling yard/plot:

- i. water
- ii. sanitation facilities

6.10.5 The SMB/Port Authority shall provide adequate housing/dormitory facilities for workmen at suitable locations on cost recovery basis by way of rent from occupants with facilities for supply of drinking water, sanitation, electricity and shopping centre etc.

6.10.6 The SMB/Port Authority shall take up in a time bound manner the following steps:-

- i. To rationalize the leasing arrangements for the plots, including the appropriate time period for the lease, work out appropriate plot size and layout of the recycling facilities so that the ship-breaking operations could be undertaken in a well-regulated and better organized manner with particular attention being paid to the requirements of safety, health and environmentally sound ship recycling operations management.
- ii. Setting up of a Model ship recycling facility in coordination with Ship Recyclers and as per prevailing regulations of Safety and Environment management. This model facility may function as a demonstration/training facility, while being leased out to prospective plot holders for undertaking ship-breaking operations.

6.11 Training

6.11.1 Appropriate arrangement for handling ship recycling works shall be made by the SMB/Port Authority in a time bound manner to ensure that all the workers are trained. Arrangement shall be made to provide specialized training to handle gas detector and for handling of Asbestos and other hazardous materials. After such training, specialization certificates may be issued to the workers concerned.

6.11.2 Till the time separate training and certification arrangements are in place, the SMB/Port Authority may set up necessary temporary facilities for training and certification or authorize a competent agency to do so.

6.12 Other Miscellaneous Provisions

6.12.1 Drinking Water and water supply, overall sanitation and health care facilities to workers, including housing facilities shall be the responsibilities of the SMB/Port Authority and these authorities must cater these facilities within 12 months from the date on which this code comes into force.

- 6.12.2 In case any worker suffers from asbestosis cancer due to ship breaking occupation and such disabilities including loss of limbs or any part of body in accidents, the concerned ship recyclers or Ship Recyclers Association shall compensate the worker. The workers if detected for asbestosis and other diseases and disabilities due to ship recycling activities, Ship Recyclers shall have to re-employ the workers in less prone area as post disease plans and protect their livelihood.
- 6.12.3 Ship Recyclers shall provide the food/canteen facilities as per the provisions of the Factories Act.
- 6.12.4 The SMB/Port Authority with the help of Health Department of the State Government shall create data base of health profile and health card of each labours to create base line health status of the labors engaged in the ship breaking industry.

CHAPTER VII

OCCUPATIONAL SAFETY AND HEALTH (OSH) MANAGEMENT GUIDELINES

- 7.1 Implementation of Occupational Safety and Health Management System
- 7.1.1 The process of improving working conditions at a ship recycling facility must be approached systematically in order to bring them up to reasonable standards. Occupational Safety and Health (OSH) Management Systems shall be implemented by each ship recycler. The systems shall be specific to the facilities and appropriate to their size and the nature of activities. The aim of OSH Management Systems shall be to prevent accidents and injury to health arising out of, linked with or occurring in the course of work, by minimising, so far as is possible, the causes of hazards inherent in the working environment.
- With a view to achieving acceptable occupational safety, health and environmentally sustainable conditions, investment in permanent structures for their continuous review, planning, implementation, evaluation and action is necessary.
- 7.1.2 An OSH management system shall contain the following main elements:
- (a) Occupational Safety and Health(OSH) Policy
 - (b) Necessary conditions for the executing organization, i.e. establishment of a system of responsibility and accountability, awareness and training, documentation, communication and information;
 - (c) Hazard and risk assessment, planning and implementation of OSH activities;
 - (d) Evaluation of OSH performance and taking corrective action for improvement.
- 7.2 Occupational Safety and Health Policy (OSH Policy)
- 7.2.1 The OSH policy for the Ship Recycling Facility shall include at least the following key principles and objectives to which the facility is committed:-
- (a) Commitment of the management to the occupational safety, health and environmental programmes;
 - (b) Recognizing OSH as an integral part of the overall management structure and OSH performance as an integral part of the facility's business performance.
 - (c) Protecting the safety and health of all workers of the facility by preventing work related injuries and diseases, ill health and incidents;
 - (d) Complying with relevant OSH national laws and regulations, voluntary programmes, collective agreements on OSH and other requirements to which the facility subscribes;
 - (e) Ensuring that workers and their representatives are consulted and encouraged to participate actively in all elements of the OSH management system; and
 - (f) Continuous improvement of the performance of the OSH Management System.
- 7.3 Planning and implementation
- 7.3.1 Every Ship Recycling Facility must be duly certified as compliant with the Occupational Safety and Health Management Guidelines. This Certification shall be done initially upon the entry into force of this Code or by such date as may be specified under this Code.

Every such certified Ship Recycling Facility is required to undergo (annual/ bi-annual/ Five yearly) audit by a recognized surveyor to ensure continued compliance with the Occupational Safety and Health Management Guidelines.

7.3.2 The Ship Recycling Facility shall submit its OSH Management policy for a review to (authority), alongwith its application for the issuance of Certificate under 7.3.1 above. Based on the results of the initial review, subsequent reviews or other available data, arrangements shall be made for adequate and appropriate OSH planning, which shall include:

- (a) a clear definition, priority setting and quantification, where appropriate, of the OSH objectives for the reduction of existing risks to as low a level as possible;
- (b) preparation of a plan for achieving each objective, with defined responsibility and clear performance criteria indicating what is to be done by whom and when;
- (c) selection, planning and implementation of corresponding preventive and protective measures;
- (d) selection of measurement criteria for confirming that the objectives are achieved ; and
- (e) provision of adequate resources, including human and financial resources and technical support, as appropriate to supplement and strengthen the OSH Management System.

7.4 Emergency preparedness

7.4.1 Emergency prevention, preparedness and response arrangements shall be established and maintained. These arrangements shall identify the potential for accidents and situations of emergency, and seek to address and prevent the OSH risks associated with such emergencies. Arrangements shall be made according to the location and environment of the Ship Recycling Facility and also take into account the size and nature of activities associated with each ship recycling operation. These shall:-

- (a) ensure that the necessary information, internal communication and coordination are provided to protect all people in the event of an emergency at the facility;
- (b) provide information to and communication with the relevant competent authorities , and the neighborhood and emergency response services;
- (c) address issues of first-aid and medical assistance, fire-fighting and evacuation of all people at the facility: and
- (d) provide relevant information and training to all members of the Ship Recycling Facility, at all levels and according to their competence, including regular exercises in emergency prevention, preparedness and response procedures.

7.5 Reporting, recording and notification of work related injuries and diseases, ill health and incidents

7.5.1 In the establishment, review and application of systems for the reporting, provisions for recording and notification of work-related injuries and diseases, ill health and incidents shall be developed.

7.5.2 Reporting, recording, notification and investigation of work-related injuries and diseases, ill health and incidents are essential for active monitoring and shall be undertaken to:

- (a) provide reliable information about occupational accidents and diseases at facility level;
- (b) identify major safety and health problems arising from ship recycling activities;
- (c) define priorities of action; ^
- (d) evolve effective methods for dealing with occupational accidents and diseases; and
- (e) monitor the effectiveness of measures taken to secure satisfactory levels of safety and health.

7.6 Notification of work-related injuries

7.6.1 All accidents at the work place shall be reported to the Directorate of Industrial Safety & Health (DISH) as per Section 88 and 88-A of Factories Act 1948 and a copy of the same will be sent to SMB/Port Authority

7.6.2 Such report shall be made immediately which shall *inter-alia* contain:

- (a) an accident report for sending to the factory inspectorate and the SMB/Port Authority; and

- (b) a compensation report for sending to the insurance institution
- 7.7 Notification of occupational diseases
- 7.7.1 Notification of occupational diseases shall be in accordance with the provisions of Section 89 of the Factories Act, 1948 and the report of the Medical Officer shall include the following information:-
 - (a) The name and full postal address of the patient:
 - (b) the disease from which he believes the patient to be suffering; and
 - (b) the name and address of the premises in which the patient is or was last, employed.
- 7.8 Means of access and egress
- 7.8.1 Adequate and safe means of access and egress shall be provided for all workplaces during all ship recycling operations, and these routes shall be maintained so that they are in a safe condition.
- 7.8.2 Means of access to vessels shall be:
 - (a) where practicable the ship's accommodation ladder, a gangway or a similar appliance, or
 - (b) in other cases, ladders, stairs; or, if necessary, rope stepladders or similar appliances.
- 7.8.3 Means of access shall:-
 - (a) be kept free from obstructions; if they pass through workplaces they shall be protected against falling objects:
 - (b) as far as practicable be so installed that no loads pass over them. In any event, loads shall not be passed over the means of access while workers are using them.
- 7.8.4 Hatches, openings or any other 'means 'of access to holds, ships' decks or between decks shall be provided with safety barriers. If it is not practicable to provide fixed hold ladders, portable- metal ladders (or appropriate wooden ones) shall be provided. Rope ladders shall be used only as supplementary means of access to holds. All ladders shall be safely and adequately secured before being used.
- 7.9 Means of escape, in case of fire, or other dangers
- 7.9.1 Means of escape shall be kept clear at all times. Escape routes shall be frequently inspected and modified on the ship continuously according to the progress of the breaking process. Where appropriate, suitable visual signs shall be provided to indicate clearly the direction of escape in case of fire.
- 7.9.2 Means of escape shall be:-
 - (a) provided on the ship and from the ship during all breaking operations:
 - (b) shown on plans which shall be prominently displayed at the access to and inside the ship and landside facilities as appropriate.
- 7.10 Roadways, quays, yards and other places
- 7.10.1 Roadways, quays, yards, etc., where persons or vehicles move or are stationed shall be so constructed and maintained as to be safe for the traffic that they have to carry.
- 7.10.2 Yards and other places that are surrounded by fencing shall have separate gates for pedestrians and vehicles.
- 7.10.3 Dangerous crossings where transport of heavy objects is carried out shall be protected by automatic signals or gates whenever possible, or be guarded by watchmen.
- 7.11 Housekeeping
- 7.11.1 A suitable housekeeping programme shall be established and continuously reviewed and implemented on each ship recycling facility and ship which shall include provisions for:-
 - (a) the proper storage of materials and equipment;
 - (b) the removal, at appropriate intervals, of scrap, waste and debris.
- 7.11.2 Loose materials which are not required for immediate use shall not be placed or allowed to accumulate on the site so as to dangerously obstruct means of access to and egress from work places and passageways.

- 7.11.3 Workplaces and passage ways that are slippery owing to oil or other causes shall be cleaned up or strewn with sand, sawdust, ash or like materials.
- 7.11.4 Tools, bolts, nuts and other objects shall not be left lying around where they could create a tripping hazard.
- 7.11.5 Scrap, waste, rubbish and dirt shall not be allowed to accumulate at workplaces or in passageways.
- 7.11.6 Rubbish, dirt and refuse shall not be thrown overboard or in and around the yard but removed in a systematic and environmentally sustainable manner.
- 7.12 Scaffolds and ladders
- 7.12.1 Where work cannot safely be done on or around the yard or part of a ship or other permanent structure, a safe and suitable scaffold, or other equally safe and suitable provision should be provided and maintained.
- 7.12.2 The competent authority shall establish and enforce laws, regulations or standards covering detailed technical provisions for the design, construction, erection, use, maintenance, dismantling and inspection of different kinds of scaffolds and ladders used.
- 7.12.3 Scaffolds shall be provided with safe means of access, such as gangways, stairways or ladders. Ladders shall be adequately secured against inadvertent movement.
- 7.12.4 Every scaffold and part thereof shall be:
- (a) designed so as to prevent hazards for workers and collapse or accidental displacement when properly used;
 - (b) designed so that guard rails and other protective devices, platforms, putlogs, rakers, transoms, ladders, stairs or ramps, as appropriate, can be easily put together;
 - (c) of suitable and sound material and of adequate size and strength for the purpose for which it is to be used and
 - (d) maintained in a proper condition.
- 7.13 Precautions against the fall of persons and materials
- 7.13.1 All openings through which workers are likely to fall should be kept effectively covered or fenced and clearly indicated in the most appropriate manner.
- 7.13.2 Adequate precautions shall be taken such as the provision of fencing, lookout men or barriers to protect any person who might be injured by the fall of materials, or tools or equipment being raised or lowered.
- 7.13.3 As far as practicable and in accordance with national laws and regulations, guard rails and toe boards shall be provided to protect workers from falling from elevated workplaces. Wherever the guard rails toe boards cannot be provided:
- (a) adequate safety nets or safety sheets shall be erected and maintained; or
 - (b) adequate safety harnesses shall be provided and used.
- 7.13.4 Where necessary to prevent danger, guys, stays or supports shall be used or other effective precautions shall be taken to prevent the collapse of structures or parts of structures that are being dismantled or demolished.
- 7.13.5 Waste materials or objects shall not be thrown down from heights. If material and objects cannot be safely lowered from heights, adequate precautions such as the provision of fencing or barriers shall be taken. Loose articles shall not be left lying in places where they could fall on persons below. Workers employed at elevated workplaces shall be provided with containers for screws, bolts, nuts and the like.
- 7.14 Fire prevention and fire-fighting
- 7.14.1 All appropriate measures shall be taken by the employer to:
- (a) avoid the risk of fire;
 - (b) control quickly and efficiently any outbreak of fire;
 - (c) bring about a quick and safe evacuation of persons.
- 7.14.2 Sufficient and secure storage areas shall be provided for flammable liquids and solids and gases such as liquefied petroleum gas (LPG) tanks and acetylene cylinders, paints and other such materials.

- 7.14.3 Smoking shall be prohibited and "No Smoking" notices prominently displayed in all places containing readily combustible or flammable materials.
- 7.14.4 In confined spaces and other places in which flammable gases, vapours or dusts can cause danger:
- (a) only suitably protected electrical installations and equipment including portable lamps, shall be used;
 - (b) there shall be no naked flames or similar means of ignition;
 - (c) there shall be notices prohibiting smoking;
 - (d) oily rags, waste and clothes or other substances liable to spontaneous ignition shall be removed promptly and without any delay to a safe place;
 - (e) adequate ventilation shall be provided; and
 - (f) persons wearing clothes likely to cause static electricity or shoes likely to cause sparks shall be excluded.
- 7.14.5 Combustible materials, greasy/oily waste and scrap wood or plastics shall be kept in closed metal containers in a safe place.
- 7.14.6 Regular inspections shall be conducted in places where there are fire risks. These include the vicinity of heating appliances, electrical installations and conductors, stores of flammable and combustible materials, hot welding and cutting operations.
- 7.14.7 Welding, flame cutting and other hot work shall only be done on the orders of a competent person after appropriate precautions, as required, are taken to reduce the risk of fire and explosion.
- 7.14.8 In accordance with the provisions of the relevant Acts and Regulations, places where the danger of fire exist, shall be provided with:
- (a) suitable and sufficient fire-extinguishing equipment, readily available, and easily visible and accessible;
 - (b) an adequate water supply at ample pressure.
- 7.14.9 Fire-extinguishing equipment shall be selected and provided in accordance with the provisions of international and national laws and regulations, the results of the initial hazard identification and risk and assessment and based on the processes, identified in the safe ship recycling plan. Equipment deployed shall comply with national/international standards and be suitable for and consistent with the following demands and applications:
- (a) the restricted access, egress and confined spaces inside the ship;
 - (b) the quantity and characteristics of hazardous, flammable and explosive substances handled in ship recycling operations;
 - (c) site transport and storage facilities; and
 - (d) first-stage fire-fighting purposes (hand-held or trolley-mounted portable fire-fighting extinguishers). The extinguishing medium shall be selected according to identified hazards and risks and control measures.
- 7.14.10 Fire-extinguishing equipment shall be properly maintained in full working order and inspected at suitable intervals by a competent person. Access to fire extinguishing equipment such as hydrants, portable extinguishers and connections for hoses shall be kept clear at all times.
- 7.14.11 Suitable training, instruction and information shall be given to all supervisors and a sufficient number of workers about the; hazards of fires, the appropriate precautions to be taken and the use of fire-extinguishing equipment, so that adequate trained personnel is readily available during all working periods. The training, instruction and information provided shall include, in particular:
- (a) the circumstances in which workers shall not attempt to deal with a fire themselves but shall evacuate the area and call in firefighters;
 - (b) when, where and how to raise the alarm;
 - (e) action to be taken in the event of fire, including the use of means of escape;
 - (d) the correct use of fire-fighting and fire-protection equipment for workers expected to use it;

- (e) the toxic nature of the fumes given off and first-aid measures;
 - (f) the proper use of appropriate personal protective equipment; and
 - (g) evacuation plans and procedures.
- 7.14.12. Sufficient and suitable areas should be provided for flammable liquids and solids adhering to the provisions stipulated in the relevant Acts and rules for storage of such materials and suitable and effective means (sight and sound signals) to give warning in case of fire shall be installed. There shall be an effective evacuation plan so that all persons are evacuated speedily without panic.
- 7.14.13. Notices shall be prominently posted at conspicuous places indicating; if applicable, the,
 - (a) nearest fire alarm;
 - (b) telephone number and address of the nearest emergency services; and
 - (c) nearest first-aid post.
- 7.15. Dangerous atmospheres and confined spaces
- 7.15.1. Where workers are required to enter any area in which a toxic or harmful substance may be present, or may have been present, or in which there may be an oxygen deficiency or a flammable atmosphere, adequate measures shall be taken to guard against danger.
- 7.15.2. The measures to be taken regarding dangerous atmospheres shall be prescribed by the competent authority in conformity with the IMO recommendations for entry into enclosed spaces aboard ships and shall include prior permission from a competent person, or any other system by which entry into any area in which a dangerous atmosphere may be present can be affected only after completing specified procedures.
- 7.15.3. Inside a confined space or area, no naked light or flame or hot work shall be permitted unless it has been made completely free of the flammable material, tested and found safe by a competent person. Only non-sparking tools and flameproof hand lamps protected with guard and safety torches shall be used inside such confined space or area for initial inspection, cleaning or other work required to be done for making the area safe.
- 7.15.4. While a worker is in a confined space:-
 - (a) adequate facilities and equipment including breathing apparatus, first-aid kit, resuscitation apparatus and oxygen shall be readily available for rescue purposes;
 - (b) a fully trained attendant or attendants shall be stationed at or near the opening; and
 - (c) suitable means of communication shall be maintained between the worker and the attendant or attendants.
- 7.16. Signs, notices and colour codes
- 7.16.1. Signs and symbols are a very effective methods for warning against hazards and for presenting information in a non-linguistic form. Safety signs and notices shall conform in shape and colour to the requirements of the competent authority.
- 7.16.2. The contents of portable fire extinguishers shall be indicated by a colour code in compliance with the requirements of the competent authority. Each fire extinguisher shall have a label affixed to it providing instructions for its use.
- 7.16.3. Various standards exist for the colour coding of electrical wiring. Care shall always be taken to ensure that personnel are aware of the meaning of the core colours on board each ship. If a replacement is required, it shall be in accordance with the coding system.
- 7.16.4. All gas cylinders should be clearly marked with the name and symbol of the gas and the body should be colour coded as per the relevant BIS. A copy of the colour coding shall be displayed at conspicuous place in the cylinder storage yard. A separate place shall be earmarked for storage of empty cylinders.
- 7.16.5. All radioactive waste material shall be labeled and stored as per Atomic Energy (Radiation Protection) Rules, 2004 and with due instructions of RSO of SMB/Port Authority.
- 7.17. Prevention of unauthorized entry
- 7.17.1. Visitors shall not be allowed access to ship breaking facilities or ships, as appropriate, unless authorized and accompanied by a competent person and provided with the appropriate protective equipment.

- 7.17.2 Appropriate arrangements concerning access by workers representatives shall be established in accordance with the provisions of national laws and regulations or of collective agreements.

CHAPTER VIII

Miscellaneous and Penalty Provisions

- 8.1 Actions to be taken in the event of an accident on any plot and/or on the ship or for non-compliance of any of these regulations
- 8.1.1 The ship-recycler shall report in writing to the Factory Inspector, Port Authority about any accident/fire/explosion which occurred on the plot and a ship, immediately on such occurrence. In the event of death of the worker, the ship recycler shall also inform the Police Authority having jurisdiction, nearest relative and District Magistrate or Sub-divisional Magistrate.
- 8.1.2 In the event of any accident/fire/explosion/radiological incident on any plot and/or on any ship leading to a death or serious bodily injury to any person or any accident on any plot and/or on the ship resulting from the non-compliance of any of the Regulations contained in this Code, the following actions shall be taken:
- (a) In the event of major fire/explosion/accident/radiological incident causing damages with or without death or serious bodily injury to any person, all activities related to ship recycling on the plot be suspended forthwith by the port authority with immediate effect for a minimum period of 5 (five) days and for a maximum period of 30 days. During this period, the State Maritime Board/Port Authority shall carry out detailed investigation through a team comprising of professionals having experience and qualification of Industrial Safety and Health Management; Naval Architecture/Marine Engineering, Environment and Pollution Control/AERB (in radiological incidents). The investigation team appointed by the SMB/Port Authority shall thoroughly inspect the plot/yard and investigate the cause of incident. The respective plot holder shall be directed by the State Maritime Board/Port Authority to rectify the same and restore safe working environment prior to resumption of operation within 30 days. If the situation is not restored within 30 days, the time limit for closure of the plots shall be extended till the inspecting team satisfies itself regarding the compliance with the above conditions. The outcome of the investigation team will form a Standard Operating Procedures for prevention of such accidents or help upgrading existing SOP.
 - (b) Legal action in case of any accident injury/non-compliance with the provisions of the Factories Act, 1948 shall be taken by the DISH. The Inspector of Factories shall enquire into every fatal accident and serious injuries to any person on any plot for on the ship, as per Section 88 of the Factories Act, 1948. Legally DISH may file the case against concerned ship recycler for such non-compliance or accidents as per Factory Act under Section 92 or such relevant Sections.
 - (c) For all the cases of fire/accident/explosion leading to a death or serious bodily injury to any person, an inquiry shall be commissioned by a team comprising authorized person(s) of DISH as mentioned in (a) above and such investigative team shall file the inquest report on which the DISH shall initiate penal action, if any.
 - (d) The State Government/SMB/Port Authority, if it considers it expedient, may appoint a competent person to enquire into the causes as per Section 90 of the Factories Act, 1948.
 - (e) The penalties and procedure for initiating legal action should be as per the provisions of Chapter X - Penalties and Procedures - Section 92 - 106A of the Factories Act 1948.
- 8.2 Appeal provision
- The ship recycler on whom an order in writing has been served by the Factory Inspector under the provisions of the Factories Act, 1948 or by the SMB/Port Authority as per the provisions given above, may within 30 days of service of such order, appeal against the prescribed authority and such authority may, subject to rules made in this behalf by the State Government, modify or reverse the order. The Appeal shall be against the Secretary (Labour) of the State Government.
- 8.3 Miscellaneous
- 8.3.1 The Ship-Recycling Yard/Ship breaking yard under SMB/Port Authority or Port Trust or private operator shall provide basic infrastructure within a maximum of 2 (two) years period from the date of entry into force of this code of regulations. The basic infrastructure shall have a minimum of the following facilities.
- i. Hydrant system for fire fighting purpose.

- ii. Potable drinking water supply.
 - iii. Drainage/Sewerage system.
 - iv. Street lighting facilities.
 - v. Domestic waste management system.
 - vi. Internal Roads and connectivity to main Highways
 - vii. Administrative Buildings and Training Institutes
 - viii. Common Sanitary Blocks for labours and other primary amenities like community centres, labour welfare centre.
- 8.3.2 The above services may be regulated either by the State Maritime Board (SMB)/Port Authority or such authorities appointed by the State Government or by a body constituted by SMB/Port Authority which shall have the authority to regulate all services, levy duty/cess, and collect operational and maintenance expenses. Such authority shall be responsible for over-seeing and regulating the functioning, operation, and maintenance of above facilities.
- 8.3.3. Further, SMB/Port Authority/or such other authorities/ Owner of such yard will develop and protect the area by removing encroachments, taking up beautification and afforestation activities.
- 8.3.4 Housing facilities for the labourers/workers shall be provided by suitable mechanisms such as by creation of a Trust, The Trust may include members of ship recycling association, the SMB/Port Authority representatives, District Collectorate Officials, Labour Officer and Labourers' representatives.
- 8.3.5 The Labour Department shall ensure that labourers/workers are paid as per minimum wages rules and no exploitation of the ship recycling labourers/workers be made by the ship breakers.
- 8.3.6 In the event of any question arising out of the interpretation of any of the clauses of the regulations, the decision of the Ministry of Shipping shall be final.
- 8.3.7 Unless the context otherwise requires, the other terms used in the Code shall have the meaning assigned to them under the Acts such as Petroleum Act, 1934; Petroleum Rules, 2002; Factories Act, 1948 and the respective State Factories rules: Water Pollution (Prevention and Control) act, 1974; Gas Cylinder Rules, 2004; Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981; the Merchant Shipping Act, 1958, Static and Mobile Pressure Vessels (Unfired) Rules, 1981; Explosive Act, 1884 and Explosive Rules, 2008; Hazardous Wastes (Management, Handling and Trans-boundary Movement) Rules, 2008; the Environment (*Protection*) Act, 1986; the various Regulations and Rules framed under these Acts and Rules including Gujarat Maritime Board Ship Recycling Regulations 2003 and also other applicable Acts and Rules of the State Governments for ship recycling as notified from time to time.
- 8.3.8 Import of ships destined for recycling under this Code shall be subject to the Import and Export Policy of the Government of India as well as relevant provisions laid down under various Acts/Rules as amended from time to time. At present such import is permitted under Open General License vide tariff item 89.08. Department of Revenue of the Ministry of Finance in consultation with World Customs Organization vide circular No.37/96 dated 3 July 1996 has clarified that, apart from the ship, everything contained in the ship such as spares etc. are also covered under tariff item 89.08.
- 8.3.9 This Code shall be applicable to all Ship Recycling Activities in India. Under item 1.3.4 the concerned Port Authority/State Maritime Board or the concerned State government, while granting permission for ship recycling, yard/plots under their control and/or while granting the approval and authorization for carrying out Ship Recycling Activities shall seek approval, licensing and registration of the factory as per Section 6 of the Factories Act, 1948 from the Directorate of Industrial Safety and Health/State Factories Directorate.
- 8.3.10 However, the Ministry of Shipping, Government of India and the respective Port Authorities/State Maritime Boards or the concerned Department of the State Government reserve the right to give specific exemptions for undertaking recycling/breaking of ships grounded at any other sea front other than a recognized ship recycling plot or yard. These regulations do not apply to the ships, which are grounded and defined as wrecks. For removal of a wreck, the relevant rules under the Merchant Shipping Act, 1958.
- 8.3.11 A ship delivered physically for recycling purpose shall be free from any claims or maritime lien arising against any former owner of the ship.

8.3.12 This Code shall mandatorily apply to all the implementing authorities involved.

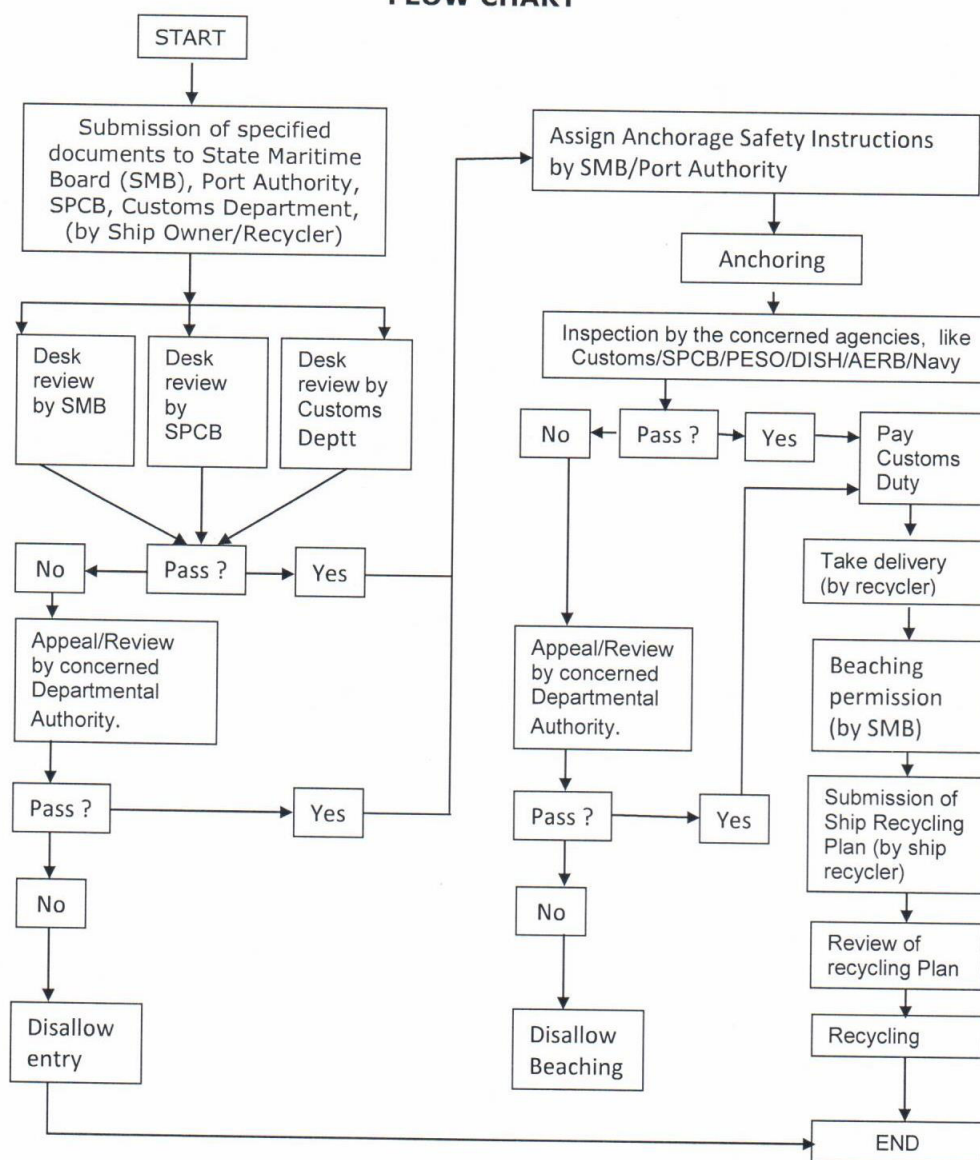
8.4 Amendment Provisions for the Code

8.4.1 This regulations contained in this Code may be amended by the Ministry of Shipping, Government of India, in the following circumstances:-

- i. On ratification of the International Maritime Organization (IMO) Convention on Ship Recycling by the Government of India and any subsequent changes to the IMO Convention on ship recycling;
- ii. On amendments of other rules and regulations by the Government of India having a bearing on the Code; and
- iii. On consideration of the Ministry of Shipping, Government of India, on requests from the other Central Ministries/Departments, the State Maritime Boards /Port Authorities and other Stakeholders for carrying out requisite amendments, in the event of any practical difficulties in the implementation of the provisions of this Code.

Appendix-I

FLOW CHART



Annexure-I
(para 3.4)

Initial Reporting by the Ship Owner regarding their ship(s) to be sent to the States (Recycling Yards)

- 1.0 A ship-owner shall notify the concerned Administration as specified in the IMO Ship Recycling Convention (yet to be ratified) in due time and in writing, of the intention to recycle a ship in order to enable the Administration to prepare for the survey and certification as required by the IMO Ship Recycling Convention.
- 1.1 A Ship Recycling Facility when preparing to receive a ship for recycling shall notify in due time and in writing to the Competent Authority (ies) of the intent. The notification shall include the following ship details:
 - i. Name of the State whose flag the ship is entitled to fly;
 - ii. Date on which the ship was registered with that State;
 - iii. Ship's identification number (IMO number);
 - iv. Hull number on new-building delivery;
 - v. Name and type of the ship;
 - vi. Expected time of arrival;
 - vii. Port at which the ship is registered and last port clearance;
 - viii. Name and address of the Ship-owner as well as the IMO registered owner identification number;
 - ix. Name and address of the company as well as the IMO company identification number;
 - x. Inventory of Hazardous Materials as per Appendix-HI of Hong Kong Convention of Ship Recycling on board the ships structures (This will be made mandatory once the Convention is ratified, otherwise common IHM Inventory may be sufficient for knowledge of hazardous materials by the ship recycling yards);
 - xi. Cargo free certificate issued by the last port authorities;
 - xii. Name of all classification society(ies) with which the ship is classed;
 - xiii. Ship's main particulars -{Length overall (LOA)}, Breadth (Moulded)/ Depth (Moulded), Lightweight, Gross and Net tonnage, and engine type and rating); and
 - xiv. Inventory of Hazardous Materials; and International Ready for Recycling Certificate.

Signature of owner:
 Seal of his Company:
 Telephone No:
 Fax No.:
 E-mail ID:
 Date:

Annexure-II
(para 3.12)

To,

The Port Authority/State Maritime Board

Sub: Application for beaching permission.

Dear Sir,

I/We am/are having licensed to beach and break ships on plot no. _____ apply for granting permission to beach ship on my/our plot. Required information is given below.

1. Name of the applicant:
2. Plot No.:
3. Size of the plot:
4. Last vessel beached on:

5. LDT of the last vessel:
6. Present status of the last vessel beached. (If it is under recycling, percentage yet to be dismantled shall be indicated.)
7. Details of vessel to be beached:-
 - (a). Name:
 - (b) Flag:
 - (c) Origin:
 - (d) Type:
 - (e) LDT:
 - (f) ETA:
 - (g) Last port visited and Last Port Clearance Certificate.
 - (h) Cargo handled during last 3 voyages:
 - (i) Live or dead vessel:
8. Certified that,
 - i. All the information given are true to my best knowledge.
 - ii. All the debris other than clean scrap are removed from sea/sea shore and disposed in approved manner.
 - iii. Gas free certificates viz. (a) for entry into wet or dry dock (b) for man entry (c) gas free certificate for work are obtained from the explosive department and enclosed if the vessel is Oil Tanker which is attached as Annexure:
 - iv. Certificate from master of ship is attached as Annexure:
 - v. Certificate of entry as per Section 36 of the Factories Act, 1948 is obtained from competent person and attached as Annexure:
 - vi. Present status of the total width of the ship/ships along with ship to be beached is less than 5 metres of the width of the plot:
9. Documents attached:
 - (a) Original MOA between buyer and seller
 - (b) Challan for payment made to port
 - (c) Customs NOC with challan
 - (d) SPCB authorization
 - (e) Copy of Registered Certificate from TDSF operator
 - (f) Master Certificate (Gas free, CO₂, No hazardous material)
 - (g) Survey report - original
 - (h) Original physical delivery certificate
 - (i) For oil, petroleum, gas free certificates issued by an officer of Petroleum and Explosives, Safety Organization, Government of India. In case of Chemical Carrier - Certificate from competent persons under the provisions of the Factories Act, 1948.
 - (j) For oil tankers, gas free certificates issued by an officer of Petroleum and Explosives, Safety Organization, Government of India. In case of LPG/LNG tanker of chemical carrier, certificates from competent persons under the provisions of the Factories Act, 1948.
 - (k) Undertaking on Rs. 100 stamp paper with name, full address and contact

.....
(For office use only)

1. Date of receipt of application
2. Received by:
3. Beaching permission granted on:

Annexure – III
(para 5.8)

To,

The Port Authority/State Maritime Board

Sub: Application for recycling permission.

Dear Sir,

I/We am/are having licensed to beach and break ships on plot no.

_____ apply for granting permission to breakship on my/our plot. Required information is given below.

1. Name of the applicant:
2. Plot No.:
3. Size of the plot:
4. Present status of the vessel under cutting :
5. Details of vessel to be broken.
 - (a) Name:
 - (b) Type:
 - (c) LDT:
6. Certified that:-
 - (i) All the information given are true to my best knowledge.
 - (ii) Certificates viz. (a) for man entry into confined spaces likely to contain dangerous fumes & insufficient oxygen, as per the Rules 68-H made under sections 36,41 &112 of the Factories Act, 1948 issued by the Competent Person, (b) Naked Light Certificate (Hot Work Permit) as per the Rules 68 - H made under sections 41 & 112 of the Factories Act, 1948 as issued by the competent person (c) Receipt giving evidence of Custom Clearance of the ship (d) Certified copy of authorization and consent from the State Pollution Control Board for ship recycling activity; are enclosed as Annexure: ' '. A copy of Ship Specific Dismantling Plan is attached.

Annexure IV
(para 5.8)

UNDERTAKING

I, the undersigned, hereby certify that:-

- (a) All kinds of petroleum products such as oil, fuel in tank etc. and gas, including CO₂, gas of the ship have been emptied and evacuated and shall be thoroughly cleaned prior to undertaking cutting operation.
- (b) No unauthorized decanting of gas cylinder/s and/or tiling of cylinder/s with gases such as Freon, Ammonia, Carbon Dioxide etc., is carried out on the plot or within the ship recycling yard as per Gas Cylinder Rules-1981.

Signature:

(Name of the official)

(For office use only)

1. Date of receipt of application:
2. Received by:
3. Beaching permission granted on:

Annexure-V

(Para 3.15)

(FORMAT FOR INFORMATION ON RADIOACTIVE MATERIAL CONTAINED IN THE SHIP, TO BE PROVIDED BY THE SHIP RECYCLER BEFORE ANCHORING)

- 1) Name of the Ship :
- 2) IMO Identification No :
- 3) Flag of the country:
- 4) Call Sign:
- 5) Name of the Master of the ship and his nationality:
- 6) Details of radioactive material contained in the ship while the ship was in service:

Sr. No.	Name of radionuclide	No. of sources*	Total activity (Curies)	Location of the sources in the ship	Purpose of the sources

7. Details of radioactive material present in the ship at the time of anchoring:

Sr. No.	Name of radionuclide	No. of sources*	Total activity (Curies)	Location of the sources in the ship	Purpose of the sources

8. Detail of radioactive devices

S.No.	Device	Make	Model	Sl.No. of device	Name of Manufacturer	Name of radio-nuclide	Activity (curies)	Purpose and location of the device

*In case of sources contained in devices, details of the type of device, its make and model number is to be given

Undertaking

I hereby certify that:-

All the statements made above are correct to the best of my knowledge and belief.

Name and signature of the Master of the Ship/ Representative of the Recycler: Designation

Annexure-VI

(para 3.15)

(FORMAT FOR INFORMATION ON, DESK REVIEW DURING ON BOARD VERIFICATION OF A SHIP FOR PRESENCE OF ANY RADIOACTIVE MATERIAL)

- 1) Name of the Ship:
- 2) IMO Identification No:
- 3) Flag of the country:
- 4) Call Sign
- 5) Name of the Master of the Ship and his nationality:
- 6) Details of the permission issued for anchoring of the ship:
- 7) Results of verification of the information provided in Annexure V:
- 8) Details of any radioactive material recovered from the ship after beaching:

Name(s) and signature(s) of the:

Inspecting Team of the State Maritime Board/Port Authority:

Designation(s):

Name of the organization:

Place;

Date:

Annexure VII
(para 5.11)

FORM OF THE STATEMENT OF COMPLETION OF SHIP RECYCLING

STATEMENT OF COMPLETION OF SHIP RECYCLING

This document is a statement of completion of Ship Recycling for

..... (Name of the ship when it was received
for recycling/at the point of deregistration)

Particulars of the Ship as received for recycling

Distinctive number or letter:

Port of Registry :

Gross tonnage :

IMO number :

Name and address of shipowner :

IMO registered owner :

Identification number

IMO company identification number :

Date of Construction :

Details of hazardous waste generated and disposed:

Attach list.

Details of accidents, if any, including

details of compensation paid :

THIS CONFIRMS THAT:

The ship has been recycled in accordance with the approved as per the
Ship Breaking Code, 2013.

(Name and location of the authorized Ship Recycling Facility)

and the recycling of the ship was completed on:

(dd/mm/yyyy)

(Date of completion)

.....

(Date of issue) (Signature of the Ship Breaker or his representative, with complete address)

मुद्रण निदेशालय द्वारा, भारत सरकार मुद्रणालय, एन.आई.टी. फरीदाबाद में
अपलोड एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा ई-प्रकाशित, 2017
UPLOADED BY DIRECTORATE OF PRINTING AT GOVERNMENT OF INDIA PRESS, N.I.T.
FARIDABAD AND E-PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 2017

www.dop.nic.in